শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 88 | गुवाहाटी | बुधवार, 25 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रक्षा मंत्री राजनाथ ने तेजपुर में सेना के जवानों से किया संवाद — पेज 3
पूर्व उपराष्ट्रपति स्व शेखावत के जन्म शताब्दी समारोह पर पीएम मोदी ने ... — पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने किया कन्या पूजन, मातृशक्ति का सम्मान जरूरी बताया — पेज 5
राज विस चुनाव में मुख्यमंत्री दूसरे दिन भी किया धुंआधार जनसंपर्क — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सुप्रभात

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त होना है और खूबसूरत दिमाग वाले लोगों से भरना है तो समाज में तीन ऐसे लोग हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। वे हैं- पिता, माता और अध्यापक।

– **अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

गौहाटी एचसी के जज पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। बेहद असामान्य मामले में गौहाटी हाई कोर्ट के एक वर्तमान जज ने अपने विरुद्ध की गई अपमानजनक टिप्पणियों को हटवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। हाई कोर्ट की पीठ ने उनके विरुद्ध ये टिप्पणियां -शेष पृष्ठ दो पर

परम्परागत सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को दी विदाई

गुवाहाटी (हि.स.)। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष दशमी तिथि पर मंगलवार को विजया दशमी को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न घाटों पर देवी प्रतिमा विसर्जन के लिए सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। मंगलवार विजयादशमी के दिन सुहागिन महिलाओं की ओर से सिंदूर खेला गया। विजयदशमी के दिन सिंदूर खेला का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि शारदीय नवरात्र के विजयदशमी के दिन जब मां दुर्गा विदायी होती है तो उनके सम्मान में सिंदूर खेलने की परंपरा है। बंगाली समुदाय में सिंदूर खेलने का प्रचलन है। जिसे एक उत्सव के रूप में मनाते हुए मां दुर्गा की प्रतिमा को विदाई दी जाती है। सिंदूर खेलने के लिए भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। पंडाल में मौजूद सभी महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दी। परंपरागत सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को विदाई देने के बाद शहर के विभिन्न घाटों में प्रतिमा विसर्जन दोपहर से शुरू हो गया है। गुवाहाटी के पांडू स्थित घाट पर भी दोपहर के बाद प्रतिमा विसर्जन शुरू हुआ है। बुधवार सुबह बड़ी-बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर के सभी घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पांडू घाट पर -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के लोगों में भाईचारे की भावना कायम रहे : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 24 अक्तूबर को राज्य के लोगों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। चूंकि राज्य विजयदशमी मनाता है, जिसे दशहरा -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा मंत्री ने की तवांग में शस्त्र पूजा

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी पर अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शस्त्र पूजा की और सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाया। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आपने सीमाओं को सुरक्षित रखा है, इसीलिए दुनिया के सामने भारत का कद तेजी से बढ़ रहा है। अगर आपने देश की सीमा को सुरक्षित नहीं रखा होता, तो यह कद संभव नहीं होता। रक्षा मंत्री हर साल सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाने और शस्त्र पूजा करने के लिए देश की किसी न किसी सीमा पर जाते हैं। उन्होंने पिछले साल चमोली (उत्तराखंड) के औली मिलिट्री स्टेशन में *शस्त्र पूजा* की थी। इसके बाद चीन सीमा से सटे देश के अंतिम गांव माणा जाकर सेना और आईटीबीपी की अग्रिम चौकियों का निरीक्षण करने के साथ ही सैनिकों के संग दशहरा पर्व मनाया था। इस बार रक्षा मंत्री अरुणाचल प्रदेश से लगी चीन -शेष पृष्ठ दो पर

देश की अस्मिता और अखंडता को ध्यान में रखते हुए ही वोट दें : भागवत

नई दिल्ली। नागपुर में विजयदशमी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में हुई हालिया हिंसा का मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्य में हुई हिंसा के लिए बाहरी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मणिपुर में साजिश रचकर पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया गया है। मणिपुर हिंसा पर सवालिया निशान लगाते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समाज के लोग पिछले काफी वक्त से एक साथ रह रहे हैं। अचानक ऐसा क्या हुआ कि दोनों समुदायों के बीच आग लग गई। मोहन भागवत ने सवाल किया कि ऐसे अलगाववाद और आंतरिक संघर्ष से किसे लाभ होता -शेष पृष्ठ दो पर

नए कपड़े नहीं मिलने पर नदी में कूद गया किशोर

धुबड़ी। असम के धुबड़ी जिले में एक 12 वर्षीय लड़के ने दुर्गा पूजा पर नए कपड़े नहीं मिलने से निराश होकर नदी में छलांग लगा दी। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना सोमवार को गोलकगंज इलाके में हुई और नाबालिग लड़के की पहचान सुमन रॉय के रूप में हुई, जो गायखोवा गांधीग्राम मिडिल स्कूल में 8वीं कक्षा का छात्र है। लड़के के परिवार ने खुलासा किया कि कपड़े नहीं खरीदे जाने के कारण वह निराशा की स्थिति में था। इस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पुतिन को आया हार्ट अटैक

मास्को (हि.स.)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर कई माह से चल रही अटकलों के बीच ताजा जानकारी यह है कि उन्हें कथित रूप से दिल का दौरा पड़ा है। इससे संबंधित खबर को टेलीग्राम ग्रुप जुनरल एसवीआर ने साझा किया है। इस खबर के मुताबिक पुतिन को रविवार रात करीब 9.05 बजे अपने बेडरूम के फर्श पर खाने-पीने की चीजों के पास गिरा हुआ पाया गया। उनके सुरक्षाकर्मी शोर और पुतिन के फर्श से टकराने की आवाज सुनकर कमरे में दाखिल हुए थे। टेलीग्राम ग्रुप की तरफ से लिखा गया है, संभव है जब राष्ट्रपति पुतिन जब गिरे तो मेजर पर रखे बर्तनों पर हाथ लगा होगा और यह सुन ही सुरक्षा अधिकारी कमरे में दाखिल हुए। पुतिन जब फर्श पर गिरे हुए थे तो उनके आंखें पलटी हुई थी। बगल के कमरे से राष्ट्रपति के डॉक्टर को तत्काल बुला कर इलाज शुरू किए जाने पर पुतिन होश में आए। हालांकि अब उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के स्वास्थ्य से संबंधित कई जानकारियां समय-समय पर मिलती रही हैं। जिनमें उनके कैंसर सहित कई दूसरी बीमारियों से ग्रसित होने के दावे किए जाते हैं।

विजयदशमी के मौके पर द्वारका में बोले पीएम मोदी

भगवान श्री राम बस आने ही वाले हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में विजयादशमी के पर्व पर हिस्सा लेते हुए कहा कि विजयदशमी के ये पर्व अन्याय पर न्याय की विजय। अहंकार पर विनम्रता की विजय और आवेश पर धैर्य की विजय का पर्व है। ये अत्याचारी रावण पर भगवान श्री राम के विजय का पर्व है। हम इसी भावना के साथ हर वर्ष रावण दहन करते हैं। ये पर्व हमारे लिए संकल्पों का भी पर्व है। अपने संकल्पों को दोहराने का भी पर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि हम इस बार विजयदशमी तब मना रहे हैं जब चंद्रमा पर हमारी विजय को दो महीने पूरे हुए हैं। विजयदशमी पर शस्त्र पूजा का भी विधान है। भारत की धरती पर शस्त्रों की पूजा किसी भूमि पर आधिपत्य नहीं बल्कि उसकी रक्षा के लिए शस्त्र पूजा की जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी शक्ति पूजा सिर्फ हमारे लिए ही नहीं पूरी सृष्टि के सौभाग्य, आरोग्य, सुख, विजय और यश के लिए की जाती है। भारत का दर्शन और विचार इन्हीं मूलभूत सिद्धांतों को जीता है। हम गीता का ज्ञान भी जानते हैं और आईएनएस विक्रांत और तेजस का निर्माण भी जानते हैं। हम श्री राम की मर्यादा भी जानते हैं और अपनी सीमाओं की रक्षा करना भी जानते हैं। हम शक्ति पूजा का संकल्प भी जानते हैं और कोरोना में सर्वे सन्तु निरामया ये मंत्र भी जीकर दिखाते हैं। यही तो हमारी भारत भूमि है। भारत की विजयदशमी भी यही विचार का प्रतीक है। मोदी ने कहा कि आज हमें सौभाग्य मिला है कि हम भगवान राम का भव्यतम मंदिर बनता देख पा रहे हैं। इस दौरान जनता ने तालियों के साथ अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या की अगली रामनवमी पर रामलला के मंदिर में गूंजा हर स्वर पूरे विश्व को हर्षित करने वाला है। वो स्वर जो शताब्दियों से यहां कहा जाता है। भय प्रकट कृपाला, दीनदलाया, कोशल्य हितकारी। भगवान राम की जन्मभूमि पर बन रहा भव्य मंदिर, दिव्य मंदिर सदियों की प्रतीक्षा के बाद हम भारतीयों के धैर्य को मिली विजय का प्रतीक है। राम मंदिर में भगवान राम के विराजमान के बस कुछ ही महीने बचे हैं। भगवान श्री राम बस आने ही वाले हैं। उन्होंने कहा कि उस हर्ष की परिकल्पना कीजिए, जब शताब्दियों के बाद राम मंदिर में भगवान राम की प्रतिमा विराजेगी। राम के आने की उत्सव की शुरूआत तो विजयदशमी से ही शुरू हो गई थी। पीएम मोदी ने तुलसीदास के रामचरित मानस की पक्तियों का उदाहरण करते हुए कहा कि तुलसीबाबा रामचरित मानस में लिखते हैं। शगुन हो ही, सुंदर, सकल मन प्रसन्न सबके, प्रभु आगमन जनाओ, जनु नगर रम्य चहूं फिर। यानी जब भगवान राम का आगमन होने ही वाला था तो पूरी अयोध्या में शगुन होने वाला था। तब सभी का मन प्रसन्न होने लगा। पूरा नगर रमणीक बन गया। ऐसे ही शगुन आज हो रहे हैं। आज भारत चंद्रमा पर विजयी हुआ है। हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। हमने कुछ सप्ताह पहले ही संसद की नई इमारत में प्रवेश किया है। नारी शक्ति को प्रतिनिधित्व देने के लिए संसद ने नारी शक्ति अधिनियम पारित किया है। मोदी ने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे डेमोक्रेसी के साथ, सबसे विश्वस्त डेमोक्रेसी के रूप में उभर रहा है।

जज हर पांच साल में जनता से वोट नहीं मांगते : सीजेआई

नई दिल्ली। समाज में अदालतों की भूमिका पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अनिर्वाचित न्यायाधीशों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीश निर्वाचित नहीं होते हैं, लेकिन उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। जजों की भूमिका अहम होने के कारण पर चीफ जस्टिस ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका का समाज के विकास में *स्थिर प्रभाव* है। उन्होंने कहा कि समाज प्रौद्योगिकी के साथ तेजी से बदल रहा है। चीफ जस्टिस ने ये टिप्पणी एक आलोचना का जवाब देने के दौरान की। बता दें कि हाल के कुछ महीनों में इस बात का जिक्र हुआ है कि अनिर्वाचित न्यायाधीशों को कार्यपालिका के क्षेत्र में अधिक प्रयास नहीं करने चाहिए। चीफ जस्टिस ने भारत के समाज में अदालत के जजों की भूमिका के बारे में दोहराया, मेरा मानना है कि न्यायाधीशों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है, हालांकि हम निर्वाचित नहीं होते हैं। हम हर पांच साल में लोगों के पास वोट मांगने के लिए वापस नहीं जाते हैं। इसके बावजूद न्यायपालिका का हमारे समाज के विकास में एक स्थिर प्रभाव है। खास तौर पर हमारे युग में, क्योंकि प्रौद्योगिकी के साथ समय बहुत तेजी से बदल रहा है। उन्होंने अमेरिका के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर, वॉशिंगटन और सोसाइटी फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (एसडीआर), नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। तीसरी तुलनात्मक संवैधानिक कानून चर्चा का टाइटल *भारत के सर्वोच्च न्यायालयों के परिप्रेक्ष्य और संयुक्त राज्य अमेरिका* रखा गया था।

भारत-नेपाल सीमा पर सामने आए दोहरी नागरिकता के मामले

नई दिल्ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले बहुत से लोगों के पास नेपाल और भारत की दोहरी नागरिकता है और ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अल्मोड़ा क्षेत्र के उप महानिरीक्षक डी एन बोम्बे ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर पिथौरागढ़ जिले के झूलाघाट तथा चंपावत जिले के कुछ क्षेत्रों में हमें ऐसे मामले मिले हैं। इसके बारे संबंधित जिला प्रशासनों को सूचित कर दिया है। एसएसबी अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड में मौजूद बल की सभी 54 सीमावर्ती चौकियों में तैनात बल कार्मिक भारतीय भूभाग में रहने वाले ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर रहे हैं जिनके पास भारत और नेपाल की दोहरी नागरिकता है। उन्होंने बताया कि इस काम में एसएसबी संबंधित जिला प्रशासनों की मदद भी ले रहा है। पिथौरागढ़ के उप जिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि भारत में दो तरह के नेपाली लोग रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहली श्रेणी में वे लड़कियां शामिल हैं जो शादी करके भारत आ गयीं, लेकिन उन्होंने अपनी नेपाल की नागरिकता नहीं छोड़ी और न ही भारतीय नागरिकता हासिल की। शुक्ला ने बताया कि दूसरी श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिनका पूरा परिवार बिना भारत की नागरिकता लिए नेपाल से भारतीय भूभाग में आकर बस गया। उपजिलाधिकारी ने कहा कि हमें ऐसे बहुत से मामले मिले हैं जिनमें नेपालियों ने फर्जी तरीके से भारत में आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र हासिल कर लिए।

भाई दूज से बंद होंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री तीर्थ धाम के कपाट 15 नवंबर को बंद होंगे। गंगा जी के शीतकालीन प्रवास खरसाली में विजय दशमी तिथि पर मुहूर्त निकाला गया है। यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश उनियाल ने बताया कि मंगलवार को विजय दशमी के दिन यमुनोत्री धाम में पंडा, तीर्थ पुरोहितों ने पंचांग गणना कर उक्त घोषणा की है। उन्होंने बताया कि यमुनोत्री के कपाट 15 नवंबर को 11 बजकर 57 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त (मकर लग्न) में विशेष पूजा-अर्चना के बाद शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे।

देवघर में वाहन पलटने से मासूम समेत पांच की मौत

देवघर। देवघर जिले के चितरा थाना क्षेत्र के सिकटिया अजय बराज के निकट आज अहले सुबह वाहन पलटने से डूबने के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सिकटिया कैनाल के पास अनियंत्रित होकर बोलेरो के कैनाल में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि चितरा थाना क्षेत्र के आसनसोल गांव निवासी मनोज चौधरी अपनी बेटी को विदा किया था और बेटी दामाद को गिरिडीह जिले के साखों गांव में जाना था लेकिन कैनाल में डूबने से एक ही परिवार के बेटी, दामाद, नाती, नथनी और ड्राइवर की मौत हो गई। चितरा थाना प्रभारी राजीव कुमार और अन्य स्थानीय ग्रामीणों ने सभी शवों को पानी से बाहर निकाला है। एक तस्वीर सामने आई, जिसे देखकर हर किसी आंख नम हो जाएगी। तस्वीर में एक वृद्ध के हाथों में मासूम दिखाई दे रहा है। घटना के संबंध में बताया गया कि चितरा थाना क्षेत्र के आसनसोल गांव निवासी मनोज चौधरी की बेटी व बच्चे दुर्गा पूजा के अवसर पर गांव आए थे। अपने बच्चों और पत्नी को लेने के लिए मनोज के दामाद घर आए थे। सुबह करीब 4:30 बजे मनोज की बेटी लवली देवी अपने पति, भाई और बच्चों के साथ मायके से अपने ससुराल गिरिडीह जिला अंतर्गत शाखो बांसडीह गांव के लिए बोलेरो से निकली थी। इस दौरान चालक का गाड़ी पर से संतुलन बिगड़ गया और बोलेरो सड़क किनारे रेलिंग तोड़ते ही बराज के पास स्थित केनाल के गहरे पानी में जा गिरी।

पृष्ठ एक का शेष

परम्परागत सिंदूर खेलकर...

नदी पुलिस, पश्चिम गुवाहाटी पुलिस, जालुकबाड़ी पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन वाहिनी, गुवाहाटी नगर निगम, मेडिकल यूनिट, सिविल सर्विस डिफेंस वाहिनी को तैनात किया गया है। विसर्जन को लेकर लोगों में काफी उत्साह है।

रक्षा मंत्री ने की...

सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाने के लिए पहुंचे हैं और उनके साथ शस्त्र पूजा भी की है। रक्षा मंत्री सोमवार को ही अरुणाचल प्रदेश की अपनी यात्रा से पहले असम के तेजपुर पहुंचे और बड़ाखाना में शामिल होकर सैनिकों के साथ भोजन किया। आज सुबह तवांग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शस्त्र पूजा की और सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाया। उन्होंने जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आपने सीमाओं को सुरक्षित रखा है और यही कारण है कि दुनिया के सामने भारत का कद तेजी से बढ़ रहा है। सभी विकसित देश इस वास्तविकता को स्वीकार करते हैं कि पिछले 8-9 वर्षों में भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अगर भारत का कद बढ़ा है और भारत ने आर्थिक विकास किया है, तो यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। अगर आपने देश की सीमा को सुरक्षित नहीं रखा होता, तो यह कद संभव नहीं होता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जिस कठिन परिस्थिति में आप देश की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, उसकी जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि देशवासियों को आप पर गर्व है। आप अपनी वर्दी का महत्व जानते हैं। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के बुम-ला से दूरबीन के जरिये भारतीय पक्ष में अतुल्य भारत द्वार और सीमा पार चीनी सीमा कार्मिक बैठक सुविधा (नीली छत वाली झोपड़ियां) देखीं और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने उन्हें भारत की परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं चार साल पहले यहां आया था, इस बार विजयादशमी पर फिर एक बार बहादुर जवानों के बीच रहकर उन्हें इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता था। इसलिए मैं यहां आपके बीच आया हूं।

राज्य के लोगों में ...

भी कहा जाता है। सीएम शर्मा ने कामना की कि राज्य के लोगों के बीच भाईचारे की भावना बरकरार रहे। सीएम शर्मा ने एक्स पर लिखा कि जैसा कि मां कैलाश के लिए प्रस्थान कर रही हैं, उनका आशीर्वाद अगले साल उनके लौटने तक हमारा मार्गदर्शन करेगा। पूरे देश के साथ असम दशहरा या विजयदशमी मना रहा है, जो हिंदू कैलेंडर के अनुसार आश्विन महीने के 10 वें दिन हर साल नवरात्रि के समापन पर मनाया जाता है। आमतौर पर, विजयादशमी सितंबर और अक्तूबर के ग्रेगोरियन कैलेंडर महीनों में आती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विजयादशमी के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

देश की अस्मिता ...

है? क्या मणिपुर में जो कुछ हुआ उसमें बाहर के लोग भी शामिल थे? नागपुर में आरएसएस की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि मार्क्सवादी समेत असामाजिक तत्व शिक्षा और संस्कृति को खराब करने के लिए मीडिया और शिक्षा जगत में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे हैं। भागवत ने कहा कि राज्य में हिंसा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री तीन दिनों तक मणिपुर के दौरे पर थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने कई सार्थक प्रयास किए। इस बीच उन्होंने सवाल किया कि वास्तव में राज्य के दोनों समुदायों के बीच संघर्ष को किसने बढ़ावा दिया? राज्य में हिंसा हो नहीं रही है, इसे कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान भागवत ने सवाल किया कि कौन-सी विदेशी शक्तियां मणिपुर में अशांति और अस्थिरता का फायदा उठाने की फिराक में हैं? क्या इन घटनाओं में दक्षिण पूर्व एशिया की भू-राजनीति की भी कोई भूमिका है। उन्होंने कहा कि जब-जब शांति बहाल करने की कोशिश होती है, तब कुछ न कुछ घटित होता है। जो लोग ऐसी हरकतें कर रहे थे उनके पीछे कौन है? हिंसा कौन भड़का रहा है? मोहन भागवत ने मणिपुर में हिंसा के बीच वहां शांति बहाल करने के काम में लगे संघ कार्यकर्ताओं को जमकर सराहा। इस बीच उन्होंने देश की जनता से एकता, अखंडता, अस्मिता और विकास को ध्यान में रखकर वोट करने की अपील की। साथ ही लोगों को साल 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले भावनाएं भड़काकर वोट हासिल करने की कोशिशों को लेकर भी आगाह किया। आरएसएस की रैली के दौरान भागवत ने कहा कि हमारे संविधान की मूल प्रति के एक पृष्ठ पर जिनका चित्र अंकित है, ऐसे धर्म के मूर्तिमान प्रतीक श्रीराम के बालक रूप का मंदिर अयोध्या जी में बन रहा है। आने वाली 22 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। व्यवस्थागत कठिनाइयों के तथा सुरक्षाओं की सावधानियों के चलते उस पावन अवसर पर अयोध्या में बहुत मर्यादित संख्या ही उपस्थित रह सकेगी। इजराइल और हमास के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष का मुद्दा उठाते हुए मोहन भागवत ने कहा कि समूचा विश्व शांति का रास्ता दिखाने के लिए भारत से आस लगाए हुए है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व इस वक्त एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है। ऐसे में विश्व की जरूरतों और चुनौतियों को पूरा करने के लिए भारत अपने स्वयं के मूल्यों के आधार पर एक नई दृष्टि के साथ उभरेगा। भागवत ने कहा कि दुनिया धार्मिक संप्रदायवाद से पैदा हुए कट्टरता, अहंकार और उन्माद के संकट का सामना कर रही है। यूक्रेन या गाजा पट्टी में युद्ध जैसे संघर्षों का कोई भी समाधान नहीं निकल रहा है। इससे आतंकवाद, शोषण और अधिनायकवाद को कहर बरपाने की खुली छूट मिल रही है। इससे यह साफ हो गया है कि विश्व बिना किसी मजबूत नेतृत्व के इन समस्याओं का मुकाबला नहीं कर सकता।

नए कपड़े नहीं ...

तथ्य के कारण सुमन ने गदाधर नदी में डुबकी लगाने का नाटकीय निर्णय लिया, जिससे उसके आस-पास के सभी लोग चौंक गए। आसपास के मकान मालिकों से सूचना मिलने के बाद पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव प्रयास शुरू किए। दुर्भाग्य से, लड़का अभी भी लापता है। धुबड़ी जिले के पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह ने बताया कि लापता लड़के को खोजने के प्रयास अभी भी जारी हैं।

गौहाटी एचसी के ...

आतंकवाद से जुड़े उस मामले में की थीं जिसमें उन्होंने एनआईए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के तौर पर फैसला सुनाया था। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने जज की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की और एनआईए को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता जज की पहचान उजागर किए बिना मामले को सूचीबद्ध करने की अनुमति दे दी। पीठ ने 10 अक्तूबर के अपने आदेश में मामले को सुनवाई के लिए 10 नवंबर को सूचीबद्ध किया है। अधिवक्ता सोमिरन शर्मा के जरिये दाखिल याचिका में जज ने 11 अगस्त के हाई कोर्ट के आदेश में अपने विरुद्ध की गई कुछ अपमानजनक टिप्पणियों को हटाने की मांग की है। हाई कोर्ट ने ऐसे कई लोगों को बरी कर दिया था जिन्हें पूर्व में विशेष एनआईए अदालत ने 22 मई, 2017 को आईपीसी, यूएपीए एवं शस्त्र अधिनियम के विभिन्न प्रविधानों के तहत दोषी ठहराया था। याचिकाकर्ता जज ने कहा कि उन्होंने कानून के मुताबिक 13 दोषियों को अलग-अलग सजाएं सुनाई थीं। इसके बाद दोषियों ने फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी और हाई कोर्ट ने इस वर्ष 11 अगस्त को फैसला सुनाया। याचिकाकर्ता जज ने कहा कि अपील पर निर्णय लेने और फैसला सुनाने के लिए, उक्त टिप्पणियां आवश्यक नहीं थीं और उनसे बचा जा सकता था। इन टिप्पणियों ने उनके सहकर्मियों, वकीलों एवं वादियों के समक्ष उनकी प्रतिष्ठा को गहरी चोट पहुंचाई है। ये टिप्पणियां भविष्य में याचिकाकर्ता के करियर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने दोषियों की अपील पर फैसला करने और अधीनस्थ अदालत के फैसले की आलोचना करते हुए सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों में स्थापित सिद्धांतों का अनुपालन नहीं किया। याचिकाकर्ता जज ने कहा कि जज की आलोचना और फैसले की आलोचना के बीच हमेशा एक महीन रेखा होती है। यह बात अक्सर कही जाती है कि अभी तक ऐसा कोई जज पैदा नहीं हुआ है जिसने गलती न की हो। यह कहावत निचले से लेकर उच्चतम तक सभी स्तरों पर सभी विद्वान न्यायाधीशों पर लागू होती है।

इजरायली बंधक लाओ, 10 हजार डॉलर और नया घर पाओ : हमास

गाजा सिटी। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जंग का आज 17वां दिन है। दोनों पक्षों के बीच हो चुके पांच गाजा युद्धों में सबसे घातक है। इस जंग में इजराइल में 1400 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और इनमें से ज्यादातर आम नागरिक थे, जो हमास के शुरुआती हमले के दौरान मारे गए। वहीं, बच्चों महिलाओं समेत कम से कम 212 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया है। हमास आतंकियों ने इजराइल सीमा में घुसकर वहां के निहत्थे नागरिकों को गोलियों से मौत के घाट उतार दिया। छोटे बच्चों को भी नहीं बख्शा था, करीब 40 से अधिक के सिर कलम कर दिए। इसी बीच पकड़े गए हमास लड़कों ने चौंकाने वाले कई खुलासे किए हैं। उनके मुताबिक इजराइली बंधक लाने पर उन्हें नया घर और 10 हजार अमेरिकी डॉलर के इनाम का वादा किया गया था। इजराइली सेना ने हमले में शामिल कुछ हमास आतंकियों की पूछताछ का एक वीडियो जारी किया है, जिसमें हमास लड़कों ने बताया कि उन्हें लोगों पर गोलियां बरसाने और बंधक लाने के लिए 10 हजार डॉलर के इनाम और घर का वादा किया गया था। वीडियो में एक लड़का दिख रहा है उसके बताया कि उनसे घर को साफ करने (नागरिकों की हत्या करने) और जितने हो सके, उतने बंदी लाने के लिए कहा गया था। उसने कहा कि हमें कहा गया था कि जो भी गाजा में बंधक लाएगा, उन्हें इनाम मिलेगा। इसके लिए हमें 10 हजार अमेरिकी डॉलर और एक घर देने का वादा किया गया था। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि गाजा में मरने वालों की संख्या कम से कम 4,651 तक पहुंच गई है, जबकि घेरेबंदी वाले क्षेत्र में 14,254 अन्य लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा कि सात अक्तूबर को हमास की ओर से इजराइल में किए गए हमले के बाद से, कब्जे वाले वेस्ट बैंक में हिंसा और इजराइली हमले में 93 फलस्तीनी भी मारे गए और 1,650 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। हमास के हमले में इजराइल में 1400 से अधिक लोग मारे गए थे। समझा जाता है कि हमास ने 203 लोगों को बंधक भी बना रखा है। पेंटागन ने शहरी युद्ध में पारंगत एक मरीन कोर के जनरल समेत सैन्य सलाहकारों को इजराइल की युद्ध योजना में उसकी सहायता करने के लिए भेजा है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में कई अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों को भी तेजी से भेजा जा रहा है। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि इस सहायता अभियान का नेतृत्व मरीन कोर के लेफ्टिनेंट जनरल जेम्स ग्लिन कर रहे हैं। इससे पहले ग्लिन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ विशेष अभियान बलों का नेतृत्व करने में मदद कर चुके हैं। उन्होंने इराक के फालुजा में भी अपनी सेवाएं दी थीं। अधिकारी ने कहा कि ग्लिन शहरी युद्ध में असैन्य नागरिकों को हो सकने वाले नुकसान से बचने के तरीके भी सुझाएंगे।

चुराचांदपुर से म्यांमार के उग्रवादी संगठन के दो सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में पड़ोसी देश म्यांमार स्थित उग्रवादी समूह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि चिन कुकी लिबरेशन आर्मी (सीकेएलए) के सदस्यों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी ने एक बार फिर मणिपुर और हमारे देश दोनों को अस्थिर करने के उद्देश्य से सीमा पार रची गई एक अंतर्राष्ट्रीय साजिश का खुलासा किया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि सीकेएलए के दो उग्रवादियों को सोमवार को भारत-म्यांमार सीमा पर चाईजांग इलाके से पकड़ा गया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। म्यांमार स्थित उग्रवादी समूह सीकेएलए से कई हथियार, गोला-बारूद, मादक पदार्थ और नकदी पकड़ी गई है।

चीन ने रक्षा मंत्री ली शांगफू को किया बर्खास्त, अन्य पदों से भी हटाया

बीजिंग। चीन ने ली शांगफू को रक्षा मंत्री और राज्य पार्षद के पद से हटा दिया है। देश के शीर्ष सांसदों, नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति ने पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग को भी राज्य पार्षद के पद से हटाने के लिए मतदान किया है। ली शांगफू पिछले दो महीनों से लापता बताए जा रहे हैं, जबकि किन गैंग भी काफी महीनों से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे हैं। दावा किया जा रहा है कि उन्हें आखिरी बार तीसरे चीन अफ्रीका चाइना पीस एंड सिक्योरिटी फोरम में सार्वजनिक रूप से देखा गया था। बीजिंग में हुए इस सम्मेलन में ली ने अपना मुख्य भाषण दिया था। बता दें कि ली शांगफू को मार्च 2023 में रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। गौरतलब है कि जुलाई में चीनी विदेश मंत्री किन गैंग के लापता होने के बाद शांगफू के लापता होने की खबर आई थी। ली शांगफू के इस तरह से गायब होने के बाद तमाम तरह की अटकलें लगने लगी हैं। चीन के रक्षा मंत्री तब गायब हुए हैं, जब पांच साल पहले की गई हार्डवेयर खरीद से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि ये जांच जुलाई में शुरू की गई थी। हालांकि, चीनी सेना का कहना है कि वह अक्तूबर 2017 से ही इन मुद्दों की जांच कर रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ली सितंबर 2017 से 2022 तक उपकरण विभाग में कार्यरत थे। हालांकि, उन पर कोई आरोप नहीं है। किन कई महीनों से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए। उन्हें लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। श्रीलंका, वियतनाम और रूस के अधिकारियों से 25 जून को मुलाकात के बाद किन को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया। किन के लापता होने की अटकलों के बीच आशंका जताई जा रही थी कि वह स्वस्थ नहीं हैं। बाद में भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल होने के अलावा हांगकांग के एक टीवी चैनल की एक चीनी पत्रकार के साथ उनके कथित संबंध की अफवाहें भी फैलीं। किन 2021 में अमेरिका में चीन के राजदूत बने थे। एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद पिछले साल दिसंबर में उन्हें विदेश मंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया था। किन पेशेवर राजनयिक हैं और उन्हें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है। विदेश मंत्री के रूप में किन ने अमेरिका के ऊपर छोड़े गए एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे के मुद्दे पर वाशिंगटन को कड़ी फटकार लगाई थी। किन अमेरिका से पहले यूके के राजदूत भी रह चुके हैं। पहले जारी रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों की मानें तो हस्तियों के साथ किया गया बर्ताव चीनी सरकार की उसकी सत्ता के लिए किसी भी चुनौती को दूर करने के प्रयास दिखाता है। कारोबारियों के मामले में कहा जाता है कि देश के निजी कारोबारियों के हाथों में अधिक संपत्ति को चीनी सत्ताधारी पार्टी अपने लिए एक संभावित खतरा मानती है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कार्यकाल में और विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में, ऐसे लोगों को गिरफ्तार करने और उनकी संपत्ति जब्त करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। माना जाता है कि सत्ता का साफ संदेश है कि कोई भी पार्टी से ऊपर या उसकी पहुंच से बाहर नहीं है।

बूढ़ी दिहिंग नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। जिले के दुलियाजान में दुखद घटना में आज बूढ़ी दिहिंग नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बामुन गांव के रंजीत दास के रूप में हुई है। यह घटना नदी के किनारे गायों को बांधने की कोशिश में हुई। वह नदी में डूब गया। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम ने काफी कोशिशों के बाद शव को पानी से निकला। इस सिलसिले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

बिहपुरिया में लगी आग में दो दुकानें जलकर राख

लखीमपुर (हिंस)। बिहपुरिया में आज लगी भीषण आग भीषण आग में दो दुकानें जलकर राख हो गई। आग दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगी। ये दुकानें कनक सरकार और बबन सरकार नामक दो लोगों की बताई गई है। आग दुर्गा पूजा में जलाए गए दीये से लगी। फायर ब्रिगेड की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

ब्रह्मपुत्र पार करते बुजुर्ग डूबा

धुबड़ी (हिंस)। जिले के बिलासीपाड़ा के सुवापाटा 3 नंबर ब्लॉक गांव में दर्दनाक घटना घटी। पुलिस ने आज बताया कि ब्रह्मपुत्र नद में कल एक बूढ़ा आदमी डूब गया। व्यक्ति की पहचान शाहजहां अली के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब व्यक्ति ब्रह्मपुत्र नद को तैरकर पार करने की कोशिश कर रहा था।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने तेजपुर में सेना के जवानों से किया संवाद

गुवाहाटी। रक्षा मंत्री मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के अपने दौरे से पहले तेजपुर पहुंचे। वह मंगलवार को तवांग में सेना के जवानों के साथ दशहरा मनाएंगे और शस्त्र पूजा करेंगे। सेना के चौथे कोर पहुंचने के बाद, सिंह ने *बड़ाखाना* के दौरान सैनिकों के साथ बातचीत भी की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा है और इसका एक मुख्य कारण देश की बहादुर और मजबूत सेना है। असम के तेजपुर में सेना की चौथी कोर के मुख्यालय में सैनिकों को संबोधित करते हुए, सिंह ने राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सदैव वीर सैनिकों का ऋणी

रहेगा। रक्षा मंत्री मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के अपने दौरे से पहले तेजपुर पहुंचे। वह मंगलवार को तवांग में सेना के जवानों के साथ दशहरा मनाएंगे और शस्त्र पूजा करेंगे। सेना के चौथे कोर पहुंचने के बाद, सिंह ने 'बड़ाखाना' के दौरान सैनिकों के साथ बातचीत भी की। सिंह ने इस दौरान कहा कि भारतीय सैनिकों की वीरता और प्रतिबद्धता से पूरी दुनिया अवगत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा है और इसके पीछे के कई कारणों में एक अहम कारण देश की मजबूत एवं बहादुर सेना है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। अपने संबोधन में, सिंह ने बड़ाखाना की अवधारणा की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी पदों के अधिकारियों और जवानों को एक ही परिवार के सदस्यों के तौर पर साथ खाना खाने के लिए साथ लाता है। उन्होंने कहा कि इस बड़ाखाना में आपके बीच होना दर्शाता है कि हम एक परिवार हैं और साथ मिलकर हम अपने देश के रक्षक हैं।

रोटरी स्मार्ट सिटी ने की शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा पुरस्कारों की घोषणा

गुवाहाटी (विभास)। गैर सरकारी संस्था रोटरी क्लब का गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में पहली बार आयोजित शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा अवार्ड 2023 की घोषणा कर दी गई है। क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने बताया कि महानगर की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस पुरस्कार का आयोजन पहली बार किया गया है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. मंटू पाल ने बताया कि बेस्ट प्रतिमा का पुरस्कार रिहाबाडी बिलपार दुर्गा पूजा कमेटी व उपविजेता का पुरस्कार नयनतारा क्लब पूजा समिति को दिया गया है। बेस्ट विद्युत सज्जा का पुरस्कार भास्करनगर सर्वजनिन दुर्गा पुजा कमिटी व उपविजेता रेस्ट कैंप कालीबाड़ी मालीगांव, बेस्ट पंडाल का पुरस्कार छत्रीबाड़ी सार्वजनिन देवो पूजास्थान समिति, उपविजेता आठगांव सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, बेस्ट इको फ्रेंडली पंडाल का पुरस्कार बेहतर उदलबकरा सर्वजनि पूजा मंदिर कमेटी तथा बेस्ट पूजा विथ सोशल मैसेज का पुरस्कार डायमंड क्लब रेलवे कॉलोनी को दिया गया है। कार्यक्रम संयोजक मानस मजूमदार ने बताया कि निर्णायक मंडली द्वारा विभिन्न पूजा स्थलों का अवलोकन करने के बाद या निर्णय लिया गया है। इन सभी विजेताओं को आगामी 29 अक्तूबर को आयोजित एक समारोह के दौरान क्लब की ओर से पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। क्लब के सचिव अभिषेक जैन ने बताया कि आने वाले वर्षों में भी क्लब की ओर से शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा अवार्ड का आयोजन किया जाएगा।

चुनाव प्रचार के दौरान मोदी के साथ मंच साझा नहीं करूंगा : मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा

एजल। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएनएफ राजग और एनईडीए में इसलिए शामिल हुआ कि यह कांग्रेस के पूरी तरह से खिलाफ है, और यह इसके नेतृत्व वाले किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनना चाहता। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने सोमवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां आएंगे तो वह उनके साथ मंच साझा नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 30 अक्तूबर को राज्य के पश्चिमी हिस्से में स्थित ममित शहर का दौरा कर सकते हैं और यहां भाजपा उम्मीदवारों के लिए उनके प्रचार करने की संभावना है। जोरमथांगा ने बीबीसी समाचार को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मिजोरम में सभी लोग ईसाई हैं। जब मणिपुर के लोगों (मेइती समुदाय) ने वहां सैकड़ों गिरजाघर जलाए, तो वे (मिजोरम के लोग) इस तरह के विचार के पूरी तरह से खिलाफ थे। इसलिए, इस समय भाजपा के साथ सहानुभूति रखना मेरी पार्टी के लिए अच्छा नहीं होगा। उन्होंने कहा, बेहतर होगा कि प्रधानमंत्री अकेले आएं और खुद मंच संभालें तथा मैं अलग से प्रचार करूं। राज्य में सात नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। जोरमथांगा की मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) का हिस्सा है और केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी है। लेकिन मिजोरम में एमएनएफ भाजपा के साथ नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएनएफ राजग और एनईडीए में इसलिए शामिल हुआ कि यह कांग्रेस के पूरी तरह से खिलाफ है, और यह इसके नेतृत्व वाले किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनना चाहता। म्यांमा, बांग्लादेश और मणिपुर के 40,000 से अधिक लोग राज्य में शरण लिए हुए हैं। जोरमथंगा ने कहा कि यह केंद्र की जिम्मेदारी है कि वह मणिपुर में शांति बहाल करे ताकि लोग अपने मूल राज्य में वापस जा सकें।

दुर्गा पूजा उत्सव के बीच शहर में दो शव मिलने से सनसनी

गुवाहाटी (हिंस)। दुर्गा पूजा के उत्सव के बीच गुवाहाटी शहर में मंगलवार को अलग-अलग स्थानों पर दो शव मिलने से सनसनी फैल गई। हेंग्राबाड़ी में खून से लथपथ शव और दूसरा अंतरराज्यीय बस टर्मिनस के पास मिला है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। मंगलवार सुबह हेंग्राबाड़ी में एलपी स्कूल के पास खून से लथपथ शव पड़ा होने की सूचना पर दिसपुर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान नलबाड़ी के खगेन कलिता के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक पेशे से ई-रिक्शा चालक था। लोगों का कहना है कि मृतक खगेन कलिता और तिलेश्वर बेजबरुवा के बीच मंगलवार तड़के झड़प हुई थी। संदेह है कि तिलेश्वर बेजबरुवा ने ही खगेन कलिता की हत्या की होगी।

पुलिस वाहन की चपेट में आने से मासूम की मौत

गुवाहाटी। असम के डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में दुर्गा पूजा के हर्षोल्लास के बीच एक दुखद दुर्घटना में एक लड़की की मौत हो गई। बच्ची की पहचान रश्मिता गौर (11) के रुप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोमवार को पुलिस वाहन की चपेट में आने से बच्ची की मौत हो गई, जब वह अपनी मां के साथ अपने इलाके के एक पंडाल में दुर्गा पूजा में शामिल होने के लिए जा रही थी। पता चला है कि तेज गति में आ रही एक पुलिस कार जो कथित तौर पर उत्सव के दौरान सुरक्षा और यातायात नियंत्रण प्रदान करने के लिए ड्यूटी पर थी, उसने बच्ची को टक्कर मार दी। लड़की को तुरंत डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया, हालांकि, उसने दम तोड़ दिया। परिवार ने दावा किया कि पुलिस वाहन डिब्रूगढ़ जिले के बामुनबारी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अनुप गायन चला रहे थे। परिजनों ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस बीच, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं।

बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत एक गैर-राजनीतिक संगठन बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को परिषद कार्यालय के परिसर में संपन्न हुआ। इनामुल हक की अध्यक्षता में हुई बैठक की अध्यक्षता नई समिति ने की और शपथ बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के सलाहकार मुसुर उद्दीन अहमद ने दिलाई। 25 सितंबर को 41 सदस्यीय मजबूत पूर्ण समिति का गठन किया गया, जिसमें इनामुल हक को अध्यक्ष, रफीकुल इस्लाम, अबुल कलाम आजाद को उपाध्यक्ष, जाहिदुल इस्लाम को वर्ष 2023-2024 के लिए गठित नई समिति का महासचिव बनाया गया। बैठक में उपस्थित सभी अतिथियों के साथ-साथ नवगठित समिति के प्रत्येक सदस्य का अभिनंदन किया गया। बैठक में कृष्णाई हबराघाट उच्च विद्यालय मोहिबुल इस्लाम के जसमत अली, मुसुरुद्दीन अहमद, शिक्षक सद्दाम हुसैन, पंचायत सदस्य अब्दुर रहीम,

अब्बास अली, रफीकुल इस्लाम, अबुल कलाम आजाद पुरानी कमेटी के सचिव नूरजमाल हुसैन, सबन अली सहित कई गणमान्य लोगों ने नई कमेटी की बधाई दी। उल्लेखनीय है कि शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पिछले कार्यकाल के दौरान आयोजित वार्षिक सत्र के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को विशेष कारणों से निलंबित पुरस्कार वितरित किए गए थे।

इंटेलीस्मार्ट असम में तकनीकी सहयोगियों को नियुक्त करने के लिए *रोजगार मेला* की मेजबानी करेगा

गुवाहाटी (विभास)। भारत की अग्रणी स्मार्ट मीटरिंग और डिजिटल समाधान प्रदाता इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड 26 और 27 अक्तूबर 2023 को असम में निष्पादित की जा रही अपनी परियोजना के लिए तकनीकी सहयोगियों को नियुक्त करने के लिए इसका गुवाहाटी कार्यालय में *रोजगार मेला* का आयोजन कर रही है। यह आयोजन आईटीआई या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा वाले सभी इच्छुक उम्मीदवारों के लिए खुला है। वॉक-इन इंटरव्यू के लिए उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज लाने चाहिए। रोजगार मेला इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यालय, दूसरी मंजिल, अनिल प्लाजा, जीएस रोड, गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा। इंटेलीस्मार्ट के एमडी और सीईओ अनिल रावल ने रोजगार पर स्मार्ट मीटरिंग के प्रभाव पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि रोजगार सृजन तेजी से आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। एक नए क्षेत्र के रूप में स्मार्ट मीटरिंग से न केवल बिजली क्षेत्र को लाभ होगा बल्कि राज्यों के लिए रोजगार जोड़ने की गुंजाइश भी बनेगी। असम में, हमारी रोजगार मेला पहल वहां के युवाओं को तत्काल रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड भारत की अग्रणी स्मार्ट मीटरिंग और डिजिटल समाधान प्रदाता है। यह राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) का संयुक्त उद्यम है।

होजाई में भी धूमधाम से शारदीय दुर्गोत्सव संपन्न

होजाई (निसं)। शारदीय दुर्गोत्सव के दौरान भक्तों ने नवमी व दशमी के दिन ने पूजा का भरपूर आनंद लिया। आज दशमी के दिन पूजा पंडालों में प्रात: से ही मां के दर्शन, पूजा - अर्चना, छात्र - छात्राओं को मां से विद्या का आशीर्वाद लेते देखा गया। स्व. जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन में आयोजित आदर्श दुर्गा पूजा समिति की पूजा में भक्तों की उपस्थिति ने मां के प्रति श्रद्धा व विश्वास को उजागर किया। सुबह 11 बजे पुरोहित गोतम शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ सभी भक्तों से मां को पुष्पांजलि अर्पित करवाई, शांतिजल से उन्हें आशीर्वाद दिया एवं दर्पण को जल में रखकर उसमें बारी बारी से भक्तों को मां के दर्शन करवाए। इस दौरान हर भक्त मां के दर्शन के लिए उतावले नजर आए, पर समिति के सदस्यों ने व्यवस्था के साथ ही उन्हें

दर्शन करने दिया। मां के दर्शन के पश्चात पुरोहित द्वारा भक्तों में रक्षासूत्र व पुष्प आशीर्वाद स्वरूप दिया व प्रसाद बांटा गया। समिति के सचिव मोहन मोरे व मनोज शर्मा ने बताया आदर्श दुर्गा पूजा समिति अपने स्थापना काल से चली आ रही परंपरा के अनुसार मां के प्रतिबिंव को सार्वजनिक बोली के लिए रखा गया। समिति के सदस्य ललित बोड़ा ने उपस्थित भक्तों को उस प्रतिबिंव के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आप सब श्रद्धा व विश्वास के साथ बोली लगाएं। उपस्थित भक्तों ने बोली लगानी शुरू की। बढ़ - चढ़कर लगी बोली में मां के आशीर्वाद से इसके भाग्यशाली रहे गुवाहाटी के सुनील आलमपुरीया जिनकी अंतिम बोली पर मोहर लगाते हुए मां का आशीर्वाद ? रूपी प्रतिबिंव उनके परिवार को विधि - विधान के साथ सौंपा, जिसे वे अपने घर लेकर गए। उल्लेखयोग्य है, हर साल की भांति आदर्श दुर्गा पूजा समिति में मां का भंडारा समाज के युवा विक्रम शर्मा, पंकज गरोडीया, अविनाश सरावगी, संदीप मोर, अभिषेक पंसारी, अभिषेक सुरेका, नितिन पंसारी व सुधीर अग्रवाल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। वहीं दूसरी तरफ श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में आयोजित मारवाड़ी दुर्गोत्सव समिति द्वारा धूमधाम के साथ पूजा का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे - पुरोहित ने भक्तों को मां का आशीर्वाद दिया व रक्षासूत्र बांटे। इसके पश्चात समिति द्वारा इस बार मां का प्रतिबिंव मोतीलाल खकोलिया को देने का निर्णय सर्वसम्मति से किया। मां के प्रतिबिंव को लेकर मोतीलाल काकोलिया धर्मपत्नी के साथ अपने आवास पर गए। वही समिति के अध्यक्ष लावण्या भीमसरिया व सचिव राजेश केजरीवाल ने इस संवाददाता को बताया कि युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिए मारवाड़ी दुर्गोत्सव समिति ने इस बार समाज की वरिष्ठ महिलाएं व विशिष्टजनों का सम्मान किया। वही युवा पत्रकार निखिल कुमार मुदड़ा का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस दौरान उनकी खुशी देखते ही बनती थी। वहीं नतून बाजार स्थित श्री मां दुर्गा बालाजी बाबोसा मंदिर में नवमी के दिन कन्या भोजन का आयोजन किया गया। मारवाड़ी दुर्गोत्सव समिति ने भूतनाथ पुखरी पर मां का विसर्जन किया व आदर्श दुर्गा पूजा समिति ने डमरू नहर में मां का विसर्जन किया। वहीं शहर में पूजा के दौरान काफी शांतिपूर्वक माहौल देखा गया। कई पूजा पंडालों में एक - दूसरे को सिंदूर लगाने का दृश्य देखा गया। 4 बजते - बजते विसर्जन कार्यक्रम प्रारंभ हो गया।

कोकराझाड़ में करीब 107 मां दुर्गा प्रतिमा का हुआ विसर्जन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले में आज मां दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। कोकराझाड़ जिले एवं कोकराझाड़ महकमा के अंतर्गत कुल 107 मां दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन हुआ। इसमें दोतमा सर्किल के अंतर्गत 48 मां दुर्गा का विसर्जन हुआ। वहीं फकीराग्राम हेल नदी में 31 मूर्तियों का विसर्जन हुआ। सलफंगुड़ी में 10, और दोतमा में 7 मूर्तियों का विसर्जन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में की गई। जिले में आयोजित सभी दुर्गा प्रतिमा का गौरांग नदीं में विसर्जित की गई। इस विसर्जन के दौरान काफी संक्या में लोगों की उपस्थिति रहीं। इसके अलावा फकीराग्राम के दोपरतोल में रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्यामा काली मंदिर में चोरी के अलंकरणों के साथ सात चोर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा में श्यामा काली मंदिर से चोरी किए गए लाखों रुपये मूल्य के गहने आज बरामद कर लिया गया। इस सिलसिले में सात चोरों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात हो कि 19 अक्तूबर को श्यामा काली मंदिर के गहने चोरी करके उसे दक्षिण सलमारा में एक आभूषण की दुकान में बेच दिया गया था। चोर श्यामा काली मंदिर का मुख्य द्वार तोड़कर मंदिर में घुसे थे। मंदिर में घुसकर श्यामा काली की प्रतिमा को पहनाए गए सारे जेवर उतार कर चोर ले गए थे। इस दौरान चोरों ने अपने मुंह पर कपड़े बांध रखे थे। सारा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुका था। इस पर कार्रवाई करते हुए ग्वालपाड़ा पुलिस ने जिले के विभिन्न स्थानों पर छापामारी की। इस छापामारी के दौरान मोमिनुल इस्लाम, इब्राहिम अली जैसे शातिर चोरों के साथ ही कुल सात चोर अलग-अलग स्थानों से पकड़े गए। चोरी किए गए सभी आभूषण बरामद कर लिए गए। लूट में प्रयुक्त बोलोरो वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। इस संदर्भ में पुलिस द्वारा आगे के कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

हर बार की तरह इस बार भी पद्मावती माता मंदिर में नवरात्र सोल्लास संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी नवरात्रा के अवसर पर पद्मावती माता मंदिर में माता की गोद भराई का आयोजन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। इस अवसर पर मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय मे पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री के सानिध्य में रोजाना माता की गोद भराई की रस्म पूरी की गई। जिसमें प्रथम दिन चैंनरूप-शारदा देवी, आकाश -सोनाक्षी बगड़ा, दूसरे दिन निर्मल कु.-कविता देवी जैन (नलबाड़ी), तीसरे दिन सुधीर कु.-सिंपल देवी सेठी, चौथे दिन सुरेंद्र कु.-सुनीता देवी सेठी, पांचवें दिन मुकेश कु. रुचि देवी गंगवाल, किशोर चूड़ीवाला, महेश सेठी, छठे दिन पवन कु.-ममता देवी कासलीवाल (दिमापुर), व धर्मेंद्रकु., मनोज कु. पहाड़िया, सुशील कु.-सरिता देवी कासलीवाल (कोलकाता), तथा साकेत कु.-

आंचल देवी गंगवाल, सातवें दिन सामूहिक गोद भराई, आठवें दिन नौ कुंवारी कन्याओं, नवें दिन नौ सुहागन महिलाओं द्वारा माता की गोद भराई की रस्मे पूरी की गई। मंदिर के प्रमुख चैंन रूप- शारदा देवी बगड़ा ने बताया कि इस ऐतिहासिक मंदिर का निर्माण 1959 में उनके पिता स्व.चंदूलाल बगड़ा व माता भंवरी देवी बगड़ा ने कराया था। तब से हर वर्ष हजारों की संख्या में भक्तों द्वारा माता की पूजा अर्चना एवं गोद भराई की जाती है। नवरात्रा के अंतिम दिन माता का अभिषेक सिंगार, जाप, विधान, पूजन आदि के पश्चात कलश विसर्जन किया गया। जिसमें समाज के बच्चे पुरुष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में चैंनरूप - शारदा देवी बगड़ा, आकाश- सोनाक्षी बगड़ा, जीतू- नेहा रारा, रेखा जैन, सरिता जैन, नीलम सवलावत, सुनील पहाड़िया, सुमन कासलीवाल आदि लोगों के अलावा सभी भक्तों का सराहनीय सहयोग रहा। यह जानकारी सुनील कुमार सेठी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

पूर्व उपराष्ट्रपति स्व शेखावत के जन्म शताब्दी समारोह पर पीएम मोदी ने साझा की बाबोसा के साथ खास यादें

जयपुर, (हि.स.)। पूर्व उपराष्ट्रपति और प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे भैरोंसिंह शेखावत यानी 'बाबोसा' का सोमवार को जन्म शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत के जन्म शताब्दी समारोह पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर बाबोसा के साथ की कुछ खास यादें साझा की है। उन्होंने लिखा कि राष्ट्र प्रगति के प्रयासों के लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा। भैरों सिंह जी एक दूरदर्शी नेता और प्रभावी प्रशासक थे। उन्होंने एक उत्कृष्ट मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। राजस्थान के गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए कार्य किए। उपराष्ट्रपति के रूप में लोकतांत्रिक ताने-बाने को बढ़ाने में भूमिका निभाई। गुजरात में हमारे विकास कार्यों की भी प्रशंसा की थी।

उन्होंने मेरी लिखी एक किताब 'आंख आ धन्य छे' का विमोचन भी किया था। पीएम मोदी ने खुद के संगठन में कार्य करते वक्त और सीएम रहते वक्त भी कुछ यादें साझा की। बाबोसा का जन्म 23 अक्टूबर 1923 को हुआ था। बाबोसा ने राजस्थान के हक के लिए हमेशा आवाज बुलंद की थी। शेखावत तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री, तीन बार नेता प्रतिपक्ष, राज्यसभा सदस्य और 12 बार विधायक निर्वाचित हुए थे। पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत का जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में सोमवार को विद्याधर नगर स्टेडियम में दोपहर 3.30 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ जन्मशताब्दी दिवस समारोह में भाग लेने के लिए जयपुर आ रहे है। वे 'भैरोंसिंह शेखावत स्मृति स्थल' पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। साथ ही राज्यपाल कलराज मिश्र भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। भाजपा एवं अन्य पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित नागरिक भी मौजूद रहेंगे। बाबोसा का जन्म सीकर जिले के खाचरियावास गांव में हुआ था। पैतृक गांव खाचरियावास में भी पुष्पांजलि कार्यक्रम रहेगा।

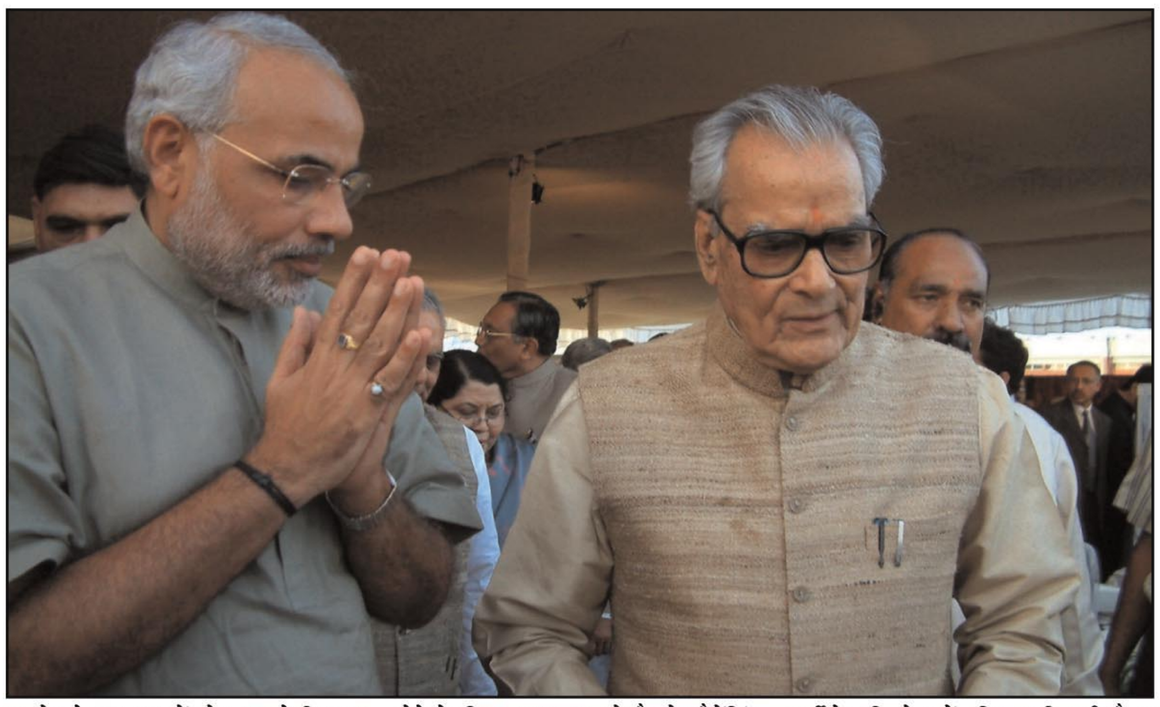

एक देश, एक चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने विधि आयोग को गिनाई परेशानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक देश एक चुनाव को लेकर विधि आयोग की तैयारियों का दौर जारी है। इस बीच खबर हैं कि भारत निर्वाचन आयोग यानी ईसीआई ने नई व्यवस्था को लागू करने में एक साल के समय की मांग की है। आयोग ने पर्याप्त इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को बनाने जैसी कई वजहें गिनाई हैं। फिलहाल, विधि आयोग अपनी रिपोर्ट बनाने के अंतिम दौर में है। बताया जा रहा हैं कि 2024 और 2029 में एक साथ चुनाव कराए जाने की स्थिति में मशीनों की संख्या को लेकर चुनाव आयोग पहले ही विधि आयोग को जानकारी दे चुका है। एक वोटिंग मशीन में तीन हिस्से होते हैं, जिसमें कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपैट शामिल है। 2024 के लिए 11.49 लाख अतिरिक्त कंट्रोल यूनिट, 15.97 लाख बैलेट यूनिट्स और 12.37 लाख वीवीपैट की जरूरत होगी। इसमें करीब 5200 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। 2029 में चुनाव आयोग को 53.76 लाख बैलेट यूनिट्स, 38.67 लाख कंट्रोल यूनिट्स और 41.65 लाख वीवीपैट की जरूरत होगी। इसकी बड़ी वजह पोलिंग स्टेशन और मतदाताओं की बढ़ती संख्या है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया हैं कि चुनाव आयोग वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर और चिप की कमी को लेकर चिंतित है। बताया जा रहा हैं कि विधि आयोग के साथ हुई बैठक में भी आयोग यह मुद्दा उठा चुका है। दरअसल, ईवीएम और वीवीपैट यानी वेरिफाइएबल, पेपर ऑडिट ट्रेल मशीनों में इसका मुख्य रूप से इस्तेमाल होता है। अब खास बात है कि 2024 में होने वाले सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए ही आयोग को करीब 4 लाख मशीनों की जरूरत है। मशीनों की इन मौजूदा जरूरत में विधानसभा चुनावों को शामिल ही नहीं किया गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी की अगुवाई में विधि आयोग काम कर रहा है। संभावाएं हैं कि आयोग संसदीय और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के विचार का समर्थन कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने बताया, उन्हें (चुनाव आयोग) को लगता है कि मौजूदा उत्पादक (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) की मौजूदा प्रतिबद्धताओं को देखकर वोटिंग मशीनों के निर्माण को बढ़ाने के लिए एक साल के समय की जरूरत होगी। साथ ही कोरोना के आने और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते हुए सेमीकंडक्टर की कमी ने ईवीएम हासिल करने की प्रक्रिया को पहले ही प्रभावित किया है।

एक साथ चुनाव करने के लिए अतिरिक्त ईवीएम मशीनों की जरुरत होगी

एनसीआर में ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 300 के पार हुआ

ग्रेटर नोएडा (ईएमएस)। दिल्ली एनसीआर में सबसे ज्यादा प्रदूषण ग्रेटर नोएडा में बढ़ा है। सोमवार सुबह यहां प्रदूषण का स्तर 300 एक्यूआई के पार हो गया। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह 400 के पार हो जाएगा तब लोगों को सांस लेने में भी तकलीफ होगी। नोएडा ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद में धुंध की चादर है। अधिकारियों का कहना है कि एक हफ्ते पहले नोएडा व ग्रेटर नोएडा की हवा बेहतर थी। ग्रेटर नोएडा का ए क्यू आई यलो जोन और नोएडा का ए क्यू आई ग्रीन जोन में था। लेकिन 3 दिनों में दोनों शहरों में वायु प्रदूषण खतरनाक हो गया है। ग्रेप के बाद भी नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बढ़ते एक्यूआई के आंकड़े पर अंकुश नहीं है। रविवार को नोएडा में सुबह से दोपहर तक धुंध रही। सोमवार को भी यही हाल हुआ। उम्मीद कि तेज हवा के बाद दोपहर तक यह धुंध हटेगी।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गहरे दबाव के चक्रवात में बदलने की आशंका : आईएमडी

पारादीप (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गहरे दबाव के चक्रवात में तब्दील होने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस चक्रवाती तूफान को हामून कहा जाएगा, जो ईरान द्वारा दिया गया नाम है। रविवार रात को उत्तर-पूर्व की तरफ बढ़ने के बाद गहरे दबाव वाला यह क्षेत्र पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के पारादीप से लगभग 400 किलोमीटर और पश्चिम बंगाल के दीघा से करीब 550 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित है। गहरे दबाव के अगले 12 घंटे में चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है। इसके उत्तर-उत्तरपूर्व की तरफ बढ़ने और 25 अक्टूबर की शाम के आसपास गहरे दबाव के रूप में खेपुपारा और चटगांव के बीच बांग्लादेश तट को पार करने का अनुमान है। इस बीच, ओडिशा सरकार ने सभी जिला कलेक्टर को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। उसने भारी बारिश होने की सूरत में प्रशासन से निचले इलाकों से लोगों को निकालने को भी कहा है। मौसम वैज्ञानिक यू एस दास ने कहा, यह प्रणाली (चक्रवात) ओडिशा तट से करीब 200 किलोमीटर दूर समुद्र में बढ़ेगी। इसके प्रभाव से सोमवार को तटीय ओडिशा में कुछ स्थानों पर और अगले दो दिनों में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने बताया कि क्योंझर, मयूरभंज और ढेंकनाल के अलावा उत्तर और दक्षिण के तटीय जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मत्स्य पालन एवं पशु संसाधन विकास विभाग ने मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सलाह दी है। मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा आयोजकों ने पर्व के दौरान संभावित बारिश और तेज हवाओं से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं।

दिल्ली में क्रेन की टक्कर से गिरा फुटओवर ब्रिज

अजय त्यागी

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के लक्ष्मी नगर इलाके में बड़े क्रेन के गुजरने से फुट ओवर ब्रिज गिर गया है। हादसा रविवार रात करीब 12:00 बजे का बताया जा रहा है। लक्ष्मी नगर पुस्ता रोड से एक क्रेन गुजर रही थी। क्रेन का ऊपरी हिस्सा फुट ओवर ब्रिज से टकरा गया। जिससे फुट ओवर ब्रिज का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। हादसे के वक्त फुट ओवर ब्रिज के ऊपर और नीचे कुछ लोग सो रहे थे। गनीमत रही कि इस हादसे में उनकी जान बाल-बाल बच गई।

मामले में क्रेन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक रात 12:34 बजे, लक्ष्मी नगर थाना पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली कि ललिता पार्क के पास फुटओवर ब्रिज सड़क पर गिर गया है। कॉल मिलने पर, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि एक बिग ट्रेलर नंबर पीबी 13बीसी 1354 ने अक्षरधाम मंदिर के पास एक क्रेन लोड की थी और इसे गीता कॉलोनी पुस्ता रोड के माध्यम से बुराड़ी, दिल्ली ले जाया जा रहा था। लगभग 00:30 बजे जब ट्रेलर ट्रक ललिता पार्क फुटओवर ब्रिज के नीचे से गुजर रहा था, तो लोडेड क्रेन पुल से टकरा गई।

जिससे पुल का एक हिस्सा नीचे सड़क पर गिर गया और एक तरफ का यातायात बाधित हो गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यहां पर नारियल की दुकान चलाने वाले शफीक ने बताया कि उन्हें पता चला कि रात के समय यहां से गुजर रही एक क्रेन के टकराने के कारण फुट ओवर ब्रिज का यह आधा हिस्सा टूटकर गिरा है। रात का समय होने के कारण इस रोड पर ज्यादा आवाजाही नहीं थी। इस वजह से इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं लगी। सूचना मिलने पर पीडब्ल्यूडी की टीम ने मौके पर पहुंचकर क्रेन द्वारा पुल के गिरे हुए हिस्से को उठाकर साइड में रख दिया। जिसकी वजह से यातायात बाधित नहीं हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जेएनयू में पथ संचलन, राष्ट्र भक्ति के उद्घोष से गूंज उठा परिसर

दिल्ली, (हि.स.)। वामपंथ के गढ कहे जाने वाले जेएनयू (जवाहर लाल विश्वविद्यालय) परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला है। स्वयंसेवकों के पथ संचलन के दौरान जमकर लगे 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे। पथ संचलन में जेएनयू के विभिन्न केन्द्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्वयंसेवक सहभागी रहे। उल्लेखनीय है कि विजयादशमी के दिन वर्ष 1925 में संघ की स्थापना हुई थी। संघ की स्थापना को इस वर्ष 98 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में संघ के स्वयंसेवकों के आज (रविवार) देर शाम जेएनयू कैंपस के भीतर पथ संचलन का आयोजन किया। पूर्ण गणवेश में घोष (संघ का अधिकृत बैंड) की धुन पर राष्ट्रभक्ति के गीत गाते स्वयंसेवकों ने पूरे जेएनयू परिसर की परिक्रमा की। हालांकि वामपंथी छात्र संगठन आइसा ने एक बयान जारी कर परिसर के भीतर संघ के पथ संचलन को लेकर विरोध प्रकट किया है। उसका कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर के भीतर संघ की शाखा या उसके प्रदर्शन की अनुमति देकर गलत काम किया है। वहीं आइसा के विरोध पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने प्रतिक्रिया दी है कि वामपंथी छात्र संगठन का विरोध बेमानी है और उसका कोई अर्थ नहीं है। अभाविप का कहना है कि यह पथ संचलन इस कैंपस में रहकर पढ़ रहे संघ के स्वयंसेवकों का था और इसमें कहीं से भी किसी का अहित नहीं होता है। विद्यार्थी परिषद की ओर से कहा गया कि एक समय था जब वामपंथ के इस गढ़ में संघ की शाखा आदि लगाने पर हिंसक हमले किए जाते थे। कैंपस के बाहर से लोगों को बुलाकर ह्यभारत तेरे टुकड़े होंगेह्न के नारे लगवाए जाते थे। यहां तक कि छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में सुरक्षा बलों के बलिदान पर कुछ लोग जश्न मनाते थे। उन्हें समझ लेना चाहिए कि वह दौर बीत गया। यह नया भारत है और वह भारतीयता के मूल्यों पर चलता है।

सरकार ने तांबे के उत्पादों, ड्रम और टिन कंटेनर के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंड किए तय, अधिसूचना जारी

सत्यमेव जयते
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
DEPARTMENT FOR PROMOTION OF INDUSTRY AND INTERNAL TRADE

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने घटिया वस्तुओं के आयात पर अंकुश लगाने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए तांबे के उत्पादों, ड्रम और टिन कंटेनर के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंड जारी किए हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इससे संबंधित अधिसूचनाएं जारी की हैं। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि डीपीआईआईटी ने 20 अक्टूबर को दो अलग-अलग अधिसूचनाएं ड्रम एवं टिन (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश 2023, और तांबा उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश 2023 जारी किए हैं। डीपीआईआईटी के इन दो आदेशों के तहत वस्तुओं का उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात और भंडारण तब तक नहीं किया जा सकता जब तक कि उन पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का चिह्न न हो। मंत्रालय ने बताया कि डीपीआईआईटी के ये आदेश इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह महीने पर प्रभावी होंगे। आदेश के तहत तांबे के नौ उत्पादों में विद्युत अनुप्रयोगों के लिए तार की छड़ें शामिल हैं, कंडेनसर व हीट एक्सचेंजर्स के लिए ठोस तांबे व तांबे की ट्यूब, फ्रीज तथा एयर कंडीशनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली तांबे की ट्यूब भी इसके तहत आती हैं। विभाग ने कहा कि इसलिए यह जरूरी है कि किसी भी प्रकार के रिसाव, मिलावट तथा आग से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए ड्रम और टिन अच्छी गुणवत्ता के होने चाहिए।

सीआईएसएफ ने जम्मू में कोट भलवाल जेल की सुरक्षा का जिम्मा संभाला

श्रीनगर, (हि.स.)। देश के संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने जम्मू में उच्च सुरक्षा वाली कोट भलवाल जेल की सुरक्षा का जिम्मा संभाल लिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 20 अक्टूबर को सीआईएसएफ ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से उच्च सुरक्षा वाली सेंट्रल जेल की सुरक्षा अपने हाथ में ले ली। जेल में 900 से अधिक कैदी हैं, जिनमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जेल में आंतरिक और बाहरी सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए डिप्टी कमांडेंट रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में सीआईएसएफ के 260 कर्मियों की तैनाती की गई है।

उन्होंने कहा कि जेल की सुरक्षा सीआरपीएफ से सीआईएसएफ को सौंपने का लेनदेन गृह मंत्रालय के आदेश के तहत 13 अक्टूबर को शुरू किया गया था। कोट भलवाल जेल इस महीने सीआईएसएफ द्वारा सुरक्षित की जाने वाली जम्मू-कश्मीर की दूसरी जेल है। इससे पहले इस साल 22 सितंबर को गृह मंत्रालय के आदेश के बाद सीआईएसएफ ने सीआरपीएफ से श्रीनगर जेल की सुरक्षा भी अपने हाथ में ली थी। बताया जा रहा है कि इन जेलों में कई आतंकी और कुख्यात अपराधी बंद हैं, जिनमें कोट भलवाल में 900 से अधिक और श्रीनगर जेलों में 500 से अधिक कैदी हैं। कोट भलवाल जेल में 579 विचाराधीन कैदी, 353 बंदी और 67 दोषी हैं। इनमें से 17 विदेशी नागरिक हैं।

पंजाब में 15 नवंबर से सभी टोल प्लाजा होंगे बंद, किसानों ने किया ऐलान

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के किसानों ने एक बार फिर से सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान कर दिया है। किसानों ने 15 नवंबर से सभी टोल प्लाजा बंद करने का ऐलान किया है। उत्तर भारत के 20 किसान संगठनों ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर, जसविंदर सिंह लोंगोवाल, जरनैल सिंह कालेके और अमरजीत सिंह मोहरी ने सोमवार को बताया कि सरकार किसानों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। कुछ मांग केंद्र से जुड़ी हैं तो कुछ राज्य सरकार से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि 23 और 24 अक्टूबर को सरकार के पुतले जलाकर दशहरा मनाया जाएगा। किसान नेताओं की मांग है कि सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद और सभी फसलों के दाम सुनिश्चित करने के लिए गारंटी कानून बनाया जाए। इसका निर्णय स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत श्रमिकों को 200 दिन का रोजगार दिया जाए। नशे पर रोक लगाई जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों को नुकसान की भरपाई के लिए 50 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली मार्च के दौरान किए गए पुलिस मुकदमों को रद्द किया जाए। लखीमपुर खीरी हत्याकांड में न्याय दिया जाए। किसान नेताओं के अनुसार चार सदस्यीय कमेटी ने जगजीत सिंह डल्लेवाल के संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक मोर्चा और 32 किसान संगठनों के साथ बैठक के बाद यह फैसला लिया है।

श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर वैष्णो देवी के लाइव दर्शन की सुविधा का हुआ शुभारंभ

कटरा (ईएमएस)। श्राइन बोर्ड ने महाअष्टमी के शुभ अवसर पर वैष्णो देवी के लाइव दर्शन की सुविधा का शुभारंभ किया है। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ लाइव दर्शन की सुविधा का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की शांति, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रार्थना की। उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर लाइव दर्शन सुविधा और द्विभाषी चैटबॉट का शुभारंभ और समर्पण किया। उन्होंने रूपा प्रकाशन द्वारा माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा पर एक यात्रा गाइड पुस्तक द भक्ति ऑफ शक्ति का भी विमोचन किया। लाइव दर्शन सुविधा श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। श्रद्धालुओं की व्यापक सुविधा के लिए श्राइन बोर्ड द्वारा यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अलावा तीर्थयात्रियों को प्रामाणिक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आधिकारिक वेबसाइट के लिए एक द्विभाषी इंटरएक्टिव चैटबॉट शक्ति विकसित किया गया है, जो तीर्थयात्रियों से प्राप्त प्रश्नों और शिकायतों के समाधान के लिए चौबीस घंटे, सातों दिन टोल-फ्री हेल्पलाइन है। गौरतलब है कि कॉल सेंटर द्वारा हर महीने 20,000 से अधिक तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान की जा रही है। चैटबॉट श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं पर सभी प्रासंगिक जानकारी प्रदान करेगा और तीर्थयात्रियों को उनकी यात्रा की पहले से योजना बनाने में बहुत आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। इसमें तीर्थयात्रियों की जागरूकता और पवित्र तीर्थस्थल पर नवीनतम अपडेट के लिए वीडियो, ऑडियो सामग्री प्रसारित करने की भी सुविधा है। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने उपराज्यपाल को नवरात्रि के दौरान भक्तों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी।

राम मंदिर में नए पुजारी होंगे नियुक्त, मांगे ऑनलाइन आवेदन

इलाहाबाद (ईएमएस)। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नए पुजारियों की नियुक्ति के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन के लिए अंतिम तारीख 31 अगस्त है। चयनित अभ्यर्थियों को 6 माह की ट्रेनिंग दी जाएगी, उसके बाद उन्हें प्रवेश परीक्षा भी देनी होगी। दरअसल, जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। उससे पहले ट्रस्ट की तरफ से भगवान रामलला के दैनिक श्रृंगार पूजन और भोग की व्यवस्था के लिए ने अर्चकों की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर हैं। अयोध्या क्षेत्र के अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी। प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पुजारियों का चयन किया जाएगा। जिसके बाद 6 महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान अर्चकों को 2000 रुपये पार्टी माह छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्रा ने बताया कि आवेदकों की उम्र 20-30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही आवेदक ने 6 माह की श्री रामनन्दनीय दीक्षा ली हो और गुरकुल शिक्षा पद्धति से पढ़ाई की हो। ट्रेनिंग के दौरान पुजारियों को रहने और खाने की भी व्यस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद उत्कृष्ट अर्चकों की तैनाती राम मंदिर में की जाएगी।

सड़क सुविधा से जुड़ेंगे प्रदेश के अनछुए पर्यटक स्थल : मुख्यमंत्री

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत अधोसंरचना विकसित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है तथा अनछुए पर्यटक स्थलों को सड़क सुविधा के साथ जोड़ा जा रहा है ताकि पर्यटकों को आवाजाही की बेहतर सुविधा मिल सके। धर्मशाला के इंद्रूनाग टउ-चोला में सोमवार को 7.13 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले मैकलोडगंज-भागसूनाग-टउ चोला मार्ग के कार्य तथा 6.12 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले हीरू दसालन-टमरू चोला मार्ग के कार्य का भूमि पूजन करने के उपरांत उन्होंने कहा कि इन मार्गों के निर्मित होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति ने हिमाचल को आलौकिक सौंदर्य से नवाजा है और हिमाचल की मनभावन वादियां देश-विदेश के सैलानियों को आकर्षित करती हैं। कांगड़ा जिला को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए सरकार कारगर कदम उठा रही है। इस दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर, बनखंडी में जूलॉजिकल पार्क, नगरोटा बगवां में ओल्ड एज वेलनेस रिजॉर्ट एवं हाई एंड फाउंटेन, नरघोटा में प्रस्तावित टूरिज्म विलेज, आइस स्केटिंग तथा रोलर स्केटिंग रिंक, परागपुर में गोल्फ कोर्स मैदान, धर्मशाला में धौलाधार बायोडायवर्सिटी पार्क, पालमपुर के मैंझा में वैडिंग रिजॉर्ट, हेलीपोर्ट निर्माण जैसी महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण वन क्षेत्रों में 11 ईको-पर्यटन स्थल चिन्हित किए गए हैं। इनमें कांगड़ा जिला के पालमपुर वन मंडल में स्वार, सौरभ वन विहार, न्यूगल पार्क तथा बीड़-बिलिंग शामिल हैं। प्रत्येक ईको-पर्यटन स्थल एक हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होगा। आउटसोर्सिंग के माध्यम से विकसित व संचालित किए जाने वाले इन स्थलों के लिए आरक्षित मूल्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि ईको-पर्यटन को प्रोत्साहित करने से राज्य में पर्यटकों की आमद बढ़ेगी और राजस्व में भी इजाफा होगा तथा प्रदेश में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इससे पहले लांयस क्लब तथा रोटरी क्लब धर्मशाला की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में एक-एक लाख का चेक भी भेंट किए।

रामलला विराजमान होने की खुशी में देशभर के सभी हिंदू घरों में जलेंगे दीपक

-मंदिर के उद्घाटन से पहले नगर भ्रमण पर निकलेंगे रामलला

अयोध्या, (हि स)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि स्थल पर निमार्णाधीन भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में 22 जनवरी को पूज्य संतों की उपस्थिति में रामलला विराजमान हो जाएंगे। रामलला विराजमान होने की खुशी में 22 जनवरी को ही सूर्यास्त के बाद देशभर के सभी हिंदू घरों में दीपक जलाए जाएंगे। त्रेतायुग में 14 वर्ष बाद वनवास से वापस अयोध्या आने पर श्रीराम के स्वागत में घर-घर दीप जलाए गए थे। ठीक उसी प्रकार 22 जनवरी को देशभर में दीपोत्सव जैसा दृश्य देखने को मिलेगा। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राजेश ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि राम जन्मस्थान की प्राप्ति के लिए कई शताब्दियों तक संघर्ष चला, हिंदुओं ने अनेक लड़ाइयां लड़ी, असंख्य राम भक्तों का बलिदान हुआ, तब जाकर मंदिर निर्माण की घड़ी आई है। हिंदुओं की शताब्दियों प्राचीन अभिलाषा पूर्ण होने के शुभ अवसर को यादगार बनाने के लिए प्रत्येक हिंदू अपने-अपने घरों में दीपक जलाएगा। विश्व हिंदू परिषद ने अपने कार्यकताओं और हिंदू समाज से आह्वान किया है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन सभी लोग अपने गांव के मंदिर को केंद्र मानकर हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ करें और वहीं पर अयोध्या के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखें।

अयोध्या भ्रमण पर निकलेंगे रामलाल – श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी के अनुसार 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले रामलला नगर भ्रमण पर निकलेंगे। फिलहाल अभी रामलला की नगर भ्रमण की तारीख और रूट मार्च तय नहीं हुआ है। 26 अक्टूबर को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की होने वाली बैठक में नगर भ्रमण की तारीख और रूट मार्च तय हो जाएगा। रामलाल के भ्रमण के दौरान रथ पर विराजमान रामलला के पीछे बड़ी संख्या में हिंदू समाज भी रहेगा। विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि हिंदू समाज के भगीरथ प्रयत्न के कारण आज रामलाल का मंदिर साकार रूप लेता दिख रहा है। राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 22 जनवरी 2024 से प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू हो जाएगा। जबकि इससे पहले रामलला को अन्न स्नान और जल स्नान भी कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने किया कन्या पूजन, मातृशक्ति का सम्मान जरूरी बताया

गोरखपुर, (हि.स.)। मां आदिशक्ति की आराधना के विशिष्ट अवसर शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीठ की परंपरा का निर्वहन किया। अपने ध्येय को और मजबूती दी तथा सोमवार सुबह नवरात्र की नवमी पर विधि विधान से कन्या पूजन कर मातृशक्ति की आराधना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मातृशक्ति की आराधना सर्वोपरि है। गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे। उन्हें चुनरी ओढाई और आरती उतारी। फिर, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने परम्परा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। कन्या पूजन अनुष्ठान में सोमवार सुबह मुख्यमंत्री ने मठ के प्रथम तल पर स्थित भोजन कक्ष में श्रद्धाभाव से परंपरागत रूप से पीतल के परात में और चांदी के लोटे में भरे जल से नौ कुंवारी कन्याओं के बारी-बारी पांव पखारे। उनके मस्तक पर रोली, चंदन, दही, अक्षत का दूर्वा से तिलक लगाया। चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। आरती उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं समेत सौ से अधिक कन्याओं व छोटे बालकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद योगी ने अपने हाथों से परोसा।

नौ कन्याओं के अतिरिक्त सैकड़ों की संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया।

बालिकाओं-बटुकों में रहा उमंग – कन्या पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी का सानिध्य पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं व बटुकों का उत्साह, उमंग देखते ही बन रहा था। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। इस दौरान योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से सभी काफी प्रफुल्लित थे।

बच्चों को हंसाते रहे मुख्यमंत्री योगी – भोजन परोसते समय मुख्यमंत्री योगी बच्चों से निरंतर संवाद और ठिठोली भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

उप्र में इस बार पहाड़ों जैसी ठंड पड़ने की उम्मीद

कानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में इस बार पहाड़ों जैसी ठंड पड़ने की उम्मीद है। नवम्बर के पहले सप्ताह से ठंड बढ़ जाएगी। पिछले दिनों पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और मैदानी क्षेत्र में हुई बारिश के चलते अचानक मौसम बदल गया है। कानपुर, लखनऊ सहित 19 जिलों में पारा नीचे गिर जाएगा। ऐसा मौसम विभाग का पूवार्नुमान है। यह जानकारी चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ.एस.एन.सुनील पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि आगामी 48 घंटे के दौरान उप्र में चक्रवाती तूफान का असर दिखाई देने लगेगा। ऐसी संभावना है कि 27 अक्टूबर से कोहरा छा जाएगा और दिन में भी गुलाबी ठंड पड़ने लगेगी। मेरठ में ठंड की दस्तक हो चुकी है। अनुमान है कि नवम्बर की शुरूआत अच्छी ठंड के साथ होगी। अरब सागर में उठा चक्रवात उत्तर प्रदेश की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। इसके चलते आगमी 48 घंटे के दौरान मौसम का मिजाज तेजी से बदल सकता है। मेरठ शहर की रात उप्र की सबसे ठंडी रही, यहां न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गोवंश के अवशेष मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं का हंगामा

मेरठ, (हि.स.)। कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-58 स्थित डाबका गांव के निकट रजवाहे में गोवंश के अवशेष मिलने पर भाजपा कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्यकताओं को समझाकर शांत किया। जेसीबी मशीन से गोवंश के अवशेष जमीन में दबवा दिए और आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। एनएच-58 स्थित डाबका निवासी भाजपा नेता ऋतिक वशिष्ठ सोमवार को अपने दादा को डॉक्टर को दिखाने जा रहे थे। इसी बीच गांव के निकट रजवाहे में उन्होंने गोवंश के अवशेष को कुत्तों को नोचते हुए देखा। भाजपा ने गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी तो लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। सूचना पर कंकरखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही के कारण आए दिन गोवंश का कटान हो रहा है। पुलिस आरोपितों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। मामला बिगड़ता देखकर पुलिस ने लोगों को आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग शांत हो गए। जेसीबी मशीन मंगवाकर गोवंश के अवशेष को गड्ढे में दबवा दिया गया। कंकरखेड़ा थाना प्रभारी अजय कुमार के अनुसार, आरोपितों की तलाश की जा रही है। गोवंश का कटान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

नवम्बर तक पूर्ण हो योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कॉरिडोर : मुख्य सचिव

मीरजापुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र ने शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि सोमवार को विंध्य दरबार पहुंच मां विंध्यवासनी का दर्शन-पूजन किया। साथ ही निमार्णाधीन विंध्य कॉरिडोर का निरीक्षण कर बारीकियां देखीं और नवम्बर के अंत तक निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। पत्नी संग विंध्याचल धाम आए मुख्य सचिव ने सबसे पहले मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। फिर मंदिर परिक्रमा कर मां के पताका को नमन किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कॉरिडोर की निर्माण प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम द्वारा निमार्णाधीन विंध्य कॉरिडोर की कुल स्वीकृत लागत 40.19 करोड़ के सापेक्ष 3668.76 लाख धन अवमुक्त किया गया, जिसके सापेक्ष 2681.73 लाख विभिन्न कार्यों में व्यय किया गया। कॉरिडोर की भौतिक प्रगति 85 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने बताया कि पुरानी वीआईपी मार्ग 440 मीटर, न्यू वीआईपी मार्ग 140 मीटर, पक्का घाट मार्ग 135 मीटर, कोतवाली गली मार्ग 443 मीटर तथा सभी चारों मार्गों पर चार मुख्य द्वार का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही मन्दिर जाने वाले मार्गों को जोड़ने वाले पहुंच मार्गों के सुदृढ़ीकरण एवं मुख्य द्वार निर्माण के प्रगति की जानकारी दी। परकोटा एवं परिक्रमा पथ के निर्माण प्रगति के बारे में भी बताया। निर्माण कार्य में इंट्रेट प्लाजा के अन्तर्गत टॉयलेट ब्लाक, फ्रिस्किंग क्लाक रूम, यज्ञशाला, वीआईपी सेफ हाउस, यूजी टैंक एवं पम्प रूम, फसाड कार्य, प्रवेश व निकास गेट निर्माण, परकोटा टैरेस आदि कार्यों की जानकारी दी।

डीसी और एसएसपी ने बुलेट से विभिन्न पूजा पंडालों का किया औचक निरीक्षण

रांची, (हि. स.)। रांची के डीसी राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा रविवार रात कोतवाली थाना से बाइक से महत्वपूर्ण पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा बुलेट चला रहे थे और डीसी उनके पीछे बैठे हुए थे। दोनों अधिकारी हेलमेट पहने हुए थे। देर रात डीसी और एसएसपी ने शहर के विभिन्न पंडालो कचहरी चौक, बिहार क्लब, रांची यूनिवर्सिटी के पास, मेन रोड़, चर्च रोड़, गुदडी चौक, मलाह टोली, कांटाटोली चौक, कोकर चौक, चुटिया, बूटी मोड़, बांधगाड़ी, बरियातु सहित अन्य पूजा पंडालो का निरीक्षण किया और पूरी विधि व्यवस्था का जायजा लिया। दुर्गा पूजा में काफी संख्या में दर्शनार्थियों का आवगमन होता हैं, उन्हें किसी प्रकार की परेशानी ना हो उसे देखने, सुरक्षा के विभिन्न आयामों जो जिला प्रशासन के द्वारा बहाल किया गया हैं, सभी व्यवस्था को डीसी और एसएसपी ने जमीनी स्तर पर देखा। तमाम व्यवस्था देख कर खुशी जाहिर की। मौके पर डीसी ने कहा कि सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा के निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिस पंडाल में सीसीटीवी जहां कैमरे की जरूरत है, वहां लगाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही सुरक्षा में तैनात जवानों को कई दिशा निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। अतिरिक्त पुलिस को भी पुलिस लाइन में रखा गया है। डीसी ने कहा की पूजा पंडालों में मां दुर्गा का दर्शन करके बहुत खुशी एवं मन आनंदित हो गया। उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना करके राज्य को खुशीहाली एवं तरक्की का वरदान मां दुर्गा से मांगा। डीसी ने कहा कि सभी पूजा पंडालों में चुस्त-दुरस्त व्यवस्था देखने को मिला। समितियों की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम हैं। मौके पर एसएसपी ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि ग्राउंड लेवल पर क्या सिचुएशन है यह देखने जाऊं। जितनी भीड़ है इसमें फोर व्हीलर से जाना संभव नहीं है, इसलिए मैं और डीसी सर बाइक से घूम रहे हैं। प्रत्येक पंडाल में हम लोग जा रहे हैं, वहां भीड़ की स्थिति कैसी है, वहां का मैनेजमेंट कैसा है। सुरक्षा की व्यवस्था में कोई कमी तो नहीं है। इन सारी चीजों को बारीकी से देखा जा रहा है। साथ ही वहां तैनात अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

रांची में जलेगा 70 फीट का रावण, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रिमोट से करेंगे दहन

रांची, (हि.स.)। रांची के मोरहाबादी मैदान में पंजाबी हिंदू बिरादरी की ओर से रावण दहन किया जायेगा। यहां रावण का 70 फीट ऊंचा पुतला तैयार किया गया है। वहीं कुंभकर्ण के 65 फीट और मेघनाथ के 60 फीट ऊंचे पुतले का दहन किया जायेगा। इसके अलावा 30-30 फीट की सोने की लंका भी तैयार की गयी है। इस वर्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रिमोट से तीनों पुतलों का दहन करेंगे। पंजाबी हिंदू बिरादरी के अध्यक्ष सुधीर उग्गल, राजेश मेहरा, प्रवक्ता अरुण चावला, रणदीप आनंद, कुणाल आजमानी और राजेश खन्ना की ओर से बताया गया कि इस बार कोलकाता के कारीगर शेखर मुखर्जी की देखरेख में आतिशबाजी की जायेगी। जमशेदपुर के परमजीत सिंह सन्नी के नेतृत्व में भांगड़ा पेश किया जायेगा। वहीं रूपा डे, ज्योति साहू व चुमकी राय की ओर से गीत और नृत्य पेश किया जायेगा। डॉ कमल बोस के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम दिन के साढ़े तीन बजे से शुरू हो जायेगा। यहां रावण दहन पर 12 से 15 लाख रुपये खर्च किया जायेगा। सुधीर उग्गल ने बताया कि बिहार के गया जिले के रहने वाले मोहम्मद मुस्लिम 21 साल से लगातार रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले बना रहे हैं। समाज में कम हो रहे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे के माहौल के बीच रावण का पुतला बनाने पर मोहम्मद मुस्लिम का कहना है सभी मिलकर काम करते हैं। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है वे किसी अन्य धर्म के होने के कारण रावण का पुतला बनाते हैं। मोहम्मद मुस्लिम कहते हैं हम हर साल बुराई के प्रतीक रावण को जलाते हैं, लेकिन यह भी सच है कि समाज में बुराई बढ़ रही है। ऐसे में हर साल बुराई के प्रतीक रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का आकार बढ़ाना पड़ता है।

यहां भी किया जाएगा रावण दहन- अरगोड़ा मैदान : श्री दुर्गा पूजा और रावण दहन समिति अरगोड़ा की ओर से अरगोड़ा मैदान में मंगलवार को शाम चार बजे रावण दहन किया जायेगा। यहां 60 फीट ऊंचा रावण व कुंभकरण और मेघनाद का 55 फीट का पुतला बनाया गया है। आतिशबाजी स्थानीय व बक्सर के कलाकारों द्वारा की जायेगी। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उपस्थित रहेंगे। वहीं छऊ नृत्य भी पेश किया जायेगा।

एचइसी : एचइसी परिसर स्थित शालीमार बाजार में रावण दहन होगा। विजयादशमी रावण दहन समारोह समिति के अध्यक्ष संजीत यादव ने बताया कि मुख्य अतिथि वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव होंगे। रावण और कुंभकरण का पुतला निर्माण अंतिम चरणों में है। जमकर आतिशबाजी होगी।

पोखरटोली मैदानः रावण दहन समिति हुंडरु की ओर से पोखर टोली मैदान में 60 फीट ऊंचा रावण के पुतले का दहन किया जायेगा। वहीं मेघनाथ के पुतले की ऊंचाई 55 फीट होगी। यहां शाम पांच बजे से रावण दहन कार्यक्रम शुरू होगा। सबसे पहले छऊ नृत्य व बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। यह जानकारी अध्यक्ष संजय गुप्ता ने दी। पूरे आयोजन में ढाई से तीन लाख रुपये खर्च किये जायेंगे।

टाटीसिलवे ईईएफ मैदानः दशहरा समिति टाटीसिलवे की ओर से ईईएफ मैदान में रावण दहन किया जायेगा। मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और मुख्य संरक्षक डॉ प्रदीप वर्मा होंगे। यह जानकारी दशहरा आयोजन समिति के शंकर प्रसाद, उमेश प्रसाद व गोविंद महतो ने दी।

सिदरौलः श्री श्री दुगार्पूजा सह रावण दहन समिति सिदरौल द्वारा 70 फीट के रावण और 65 फीट के कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और विशिष्ट अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप होंगे। दहन के समय पुतले दहाड़ने और ठहाके की आवाज करेंगे।

तेघड़ा प्रखंड जदयू अध्यक्ष प्रमोद चौरसिया का असामयिक निधन

बेगूसराय, (हि.स.)। जदयू के तेघरा प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौरसिया का बीते रात असामयिक निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही जदयू कार्यकताओं में शोक की लहर छा गई है। बड़ी संख्या में सोमवार को पार्टी के नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया तथा अंतिम विदाई दी। जदयू जिलाध्यक्ष रूदल राय, तेघड़ा विधायक राम रतन सिंह, बछवाड़ा विधायक सुरेन्द्र मेहता, चेरिया बरियारपुर विधायक राजवंशी महतो, शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, प्रदेश सचिव रीना चौधरी, महिला सेल जिलाध्यक्ष लक्ष्मी देवी, युवा जिलाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार एवं जिला पार्षद शिवचन्द्र महतो आदि ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किया। जदयू जिलाध्यक्ष रुदल राय ने कहा कि प्रमोद चौरसिया पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे। दिन रात साइकिल से भ्रमण कर जन समस्या के समाधान एवं पार्टी हित में तत्पर रहने वाले प्रमोद क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। गरीब-गुरबों की सेवा करना ही मुख्य उद्देश्य था। इनके निधन से जदयू पार्टी को बहुत बड़ी क्षति हुई है। जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है।

नीतीश भाजपा के साथ चले जाएंगे यह सिर्फ चर्चा का विषय : तेजस्वी यादव

पटना, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नीतीश कुमार फिर से भाजपा के साथ चले जाएंगे यह चर्चा का विषय ही नहीं है। जो बातें गंभीर नहीं है उसपर बातचीत करने से क्या फायदा होगा। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जापान के दौरे को लेकर आज पटना से दिल्ली रवाना हुए। दिल्ली से कल जापान के लिए रवाना होंगे तेजस्वी यादव वहां राज्य के पर्यटन बढ़ावा देने को लेकर बातचीत करेंगे और बिहार में पर्यटन को लेकर निवेश खोजने को लेकर भी बातचीत होगी। इसी दौरान जब उनसे यह सवाल किया गया कि नीतीश कुमार के वापस भाजपा में जाने की बातों में कितनी सच्चाई है तो उन्होंने कहा कि इन सब विवादों को खत्म कीजिए और जिस बात में कोई दम नहीं है जिस पर कोई बात सुनना ही नहीं चाहता उसपर बहस का क्या मतलब। उन्होंने कहा कि- कई बार यह बात कहा जा चुका है की कहीं नहीं जा रहे तो अब इस पर कुछ भी बोलना बेकार है वहीं, जब तेजस्वी यादव ने उन्हें सीएम के तरफ से बच्चा बोले जाने को लेकर कहा कि - जितने अच्छे से सरकार चल रही है। जितने ताजगी से सरकार चल रही है। आप देख लीजिए बिहार में नियुक्तियां कितनी हो रही है। हम लोगों ने जितनी भी बातें किए थे उन सभी बातों पर हम लोग उतर रहे हैं। पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर तेजस्वी ने कहा कि, यह तो तय है कि इन राज्यों में भाजपा की हार तय है। उन्हें अब कोई पसंद नहीं करता है।

एनजीटी के निर्देश के आलोक में गंगा और प्रवाहित जल में प्रतिमा विसर्जन पर रोक

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रदूषण तथा नदियों की स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण एवं भारत सरकार के निर्देश के आलोक में इस वर्ष भी गंगा सहित सभी नदियों एवं प्रवाहित जल में किसी प्रकार की प्रतिमा विसर्जित नहीं करने की अपील की जा रही है। दुर्गा पूजा, काली पूजा, छठ पूजा एवं अन्य पूजनोत्सव पर नदी में प्रतिमा विसर्जन पर रोक लगाए जाने के साथ ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा पूजा समितियों, स्थानीय निकाय तथा जिला प्रशासन के दायित्व का निर्धारण किया गया है। पर्यावरण के मद्देनजर इसका पालन कराया जाएगा। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) द्वारा पारित आदेश के आलोक में यह निर्देश जारी किया गया है। इसके तहत प्रतिमाओं में सिंथेटिक, अजैवविघटनीय पदार्थों, प्लास्टर ऑफ पेरिस, थर्मोकॉल ईत्यादि का प्रयोग नहीं करने तथा गंगा एवं उसकी सहायक नदियों में कोई भी प्रतिमा विसर्जित करने पर रोक लगाई गई है। कहा गया है कि जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत बिहार सरकार द्वारा चार अक्टूबर 2021 द्वारा अधिसूचित पूजा के उपरांत मूर्ति विसर्जन प्रक्रिया बिहार नियमावली 2021 में मूर्ति विसर्जन के लिए जारी निदेशों का अनुपालन वैद्यानिक बाध्यता है। इसके अनुसार पालन प्रत्येक पूजा समिति को सुनिश्चित करना होगा। पूजा समिति पूजन सामग्री फूल, कागज एवं प्लास्टिक से बनी अन्य सजावटी सामग्री को मूर्तियों के विसर्जन से पहले हटा लेना सुनिश्चित करेगी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली के अनुसार निपटान के लिए जैव-विघटनीय सामग्री अलग कर लिया जाएगा। सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल मूर्ति-विसर्जन की व्यवस्था की जाएगी। विसर्जन के संबंध में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी मार्गदर्शिका का कड़ाई से पालन किया जाएगा। स्थानीय निकाय और जिला प्रशासन का दायित्व है कि मूर्ति विसर्जन कृत्रिम तालाबों में होंगे। किसी भी प्रवाह में मूर्ति विसर्जन पर पूर्ण प्रतिबंध रहे, मूर्तियों के विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाबों को इतनी बड़ी बने जो भीड़-भाड़ से बचने और प्रदूषण के भार को कम करने के लिए पर्याप्त हो। मूर्तियों का विसर्जन निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जाए। विसर्जन स्थल पर जनित ठोस कचरा फूल, कपड़ा, सजावट सामग्री आदि के जलाने पर रोक लगनी चाहिए। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि मूर्तियों के विसर्जन के 48 घंटे के भीतर मूर्तियों का अवशेष तथा विसर्जन से संबंधित अन्य सभी अपशिष्ट पदार्थों को हटा दिया जाए। यदि इसे मूर्ति निमार्ताओं या अन्य द्वारा पुनः उपयोग के लिए एकत्र नहीं किया जाता है तो ठोस कचरा संग्रह स्थल पर पहुंचाया जाएगा। संबंधित स्थानीय निकाय इन सामग्रियों का उपयोग खाद और अन्य उपयोगी उद्देश्यों के लिए करेगी। पूजा समिति द्वारा अगर इन नियमों के किसी भी उल्लंघन का प्रतिवेदन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद को भेजा जाएगा, जिससे नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि प्राप्त निर्देश के आलोक में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सिद्धिदात्री स्वरूप की अर्चना कर पूजी गई कुंवारी कन्याएं

बेगूसराय, (हि.स.)। शारदीय नवरात्रि के नौवे दिन आज मां भगवती के सिद्धिदात्री इस रूप की पूजा की मां सिद्धिदात्री सर्वत्र समृद्धि, सुख शांति देने वाली है। सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा के दौरान हर घर और दुर्गा मंदिरों में हवन किए गए। इस अवसर पर कुमारी कन्या का भी पूजन किया गया। पूजन के बाद उन्हें भोजन कर कर लोगों ने आशीर्वाद लिया। नवमी के अवसर पर बेगूसराय के सिद्ध शक्तिपीठ बखरी पुरानी दुर्गा स्थान, लखनपुर दुर्गास्थान, भवानंदपुर बड़ी दुर्गा स्थान सहित सभी तीन सौ से अधिक दुर्गा मंदिरों में खोईंछा भरने के लिए महिलाओं की भीड़ अहले से ही उमड़ पड़ी है। बखरी सहित विभिन्न जगहों पर बली प्रदान का भी सिलसिला सुबह से ही चल रहा है। दूसरी ओर दुर्गा पूजा को लेकर जिले भर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अधिकांश जगहों पर नाटक तो अलग-अलग जगहों पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बाहरी गायक के साथ-साथ स्थानीय कलाकार भी अपने भजन संगीत के माध्यम से लोक कला की अनुपम प्रस्तुति दे रहे हैं। विजयादशमी के अवसर पर विभिन्न जगहों पर होने वाले रावण वध को लेकर भी व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। पावन शिवालय बाबा हरिगिरीधाम गढ़पुरा, उर्वरक नगर टाउनशिप जीरोमाइल, मंसूरचक सहित अन्य जगहों पर 50 से 60 फीट तक ऊंचा रावण और मेघनाद का पुतला बनाकर तैयार कर लिया गया है।

संपादकीय

संसद में सवाल बिका हुआ

जब सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष थे, तब 11 सांसद आरोपित हुए थे कि वे नकद कबूल कर संसद में सवाल पूछते थे। प्रथमद्रष्ट्या सांसद भ्रष्टाचार में संलिप्त पाए गए, नतीजतन स्पीकर ने उनकी सांसदी खारिज कर दी थी। उनमें भाजपा के सांसद भी थे। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। इस मामले पर संसद के भीतर और बाहर खूब हंगामा मचा था। दरअसल वह एक मीडिया ऑपरेशन था, जिसमें छिपे कैमरे से वह भ्रष्टाचार रिकॉर्ड किया गया था। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, लेकिन उसने स्पीकर के संवैधानिक अधिकार और निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाएं स्वीकार नहीं कीं और सांसदी बहाल नहीं हो सकी। उन सांसदों में से शायद ही कोई सांसद नया चुनाव जीत कर लोकसभा में वापसी कर पाया था! स्पीकर का वह निर्णय एक उदाहरण बन गया। ऐसा ही मामला एक बार फिर स्पीकर ओम बिरला तक पहुंचा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के गंभीर आरोप हैं कि तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा सदन में अडाणी समूह पर प्रायोजित सवाल पूछती रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा और संसद की संवेदनशीलता को दांव पर रखने वाला तथ्य यह है कि सांसद के तौर पर महुआ की ई-मेल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल दुबई में बैठे उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी करते रहे हैं। वह ही अडाणी समूह पर सवाल बनाते रहे हैं और लोकसभा को महुआ के नाम से भेजते रहे हैं। यह गोपनीयता और संसदीय सुरक्षा का घोर उल्लंघन है, लिहाजा अपराध भी है। अब लोकसभा की आचरण समिति इन आरोपों की जांच कर रही है। सांसद निशिकांत दुबे और महुआ दोनों से ही सवाल-जवाब किए जाएंगे। इस सांठगांठ का महत्त्वपूर्ण आयाम यह है कि उद्योगपति हीरानंदानी ने सांसद महुआ को 2 करोड़ रुपए नकद भी दिए। उनकी घरेलू और विदेश यात्राओं के खर्च उठाए। सांसद के नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास की मरम्मत और उसका नवीकरण भी कराया। सरकारी आवासों में ऐसा काम सरकारी एजेंसियां ही करती रही हैं। फिर सांसद ने उद्योगपति से पैसा क्यों लगवाया? हीरानंदानी ने महुआ को बेशकीमती तोहफे भी दिए। संभव है कि दोनों औद्योगिक घरानों में व्यापार की प्रतिद्वंद्विता हो, लिहाजा सांसद के जरिए अडाणी समूह को बेनकाब किया जा रहा हो! उद्योगपति ने यह भी खुलासा किया है कि सांसद महुआ बेहद महत्त्वाकांक्षी हैं। उन्होंने अडाणी समूह को निशाना बनाया, लेकिन वह प्रधानमंत्री मोदी की छवि दागदार करना चाहती थीं। अडाणी से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण दस्तावेज सांसद ने विपक्ष के अन्य नेताओं से भी साझा किए थे, ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ एक संगठित अभियान चलाया जा सके। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इतना 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही हैं, लिहाजा कई बार सांसद को डांट भी चुकी हैं। अब भी इस रहस्योद्घाटन पर ममता बनर्जी बिल्कुल खामोश हैं और विपक्ष का भी कोई महत्त्वपूर्ण बयान सामने नहीं आया है। तेज-तर्रार भाजपा सांसद ने यह शिकायत लोकपाल में भी दर्ज करा दी है। लोकसभा सचिवालय और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने अपनी प्राथमिक जांच कर ली होगी कि आरोपित सांसद का 'लॉग इन' कहां से किया गया? वह देश के भीतर या विदेश में किस शहर, किस स्थान से इस्तेमाल किया गया? संचार की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी इनका आसानी से खुलासा कर सकती है। हम तृणमूल कांग्रेस की सांसद पर चस्पां किए गए आरोपों और उद्योगपति के साथ उनकी सांठगांठ, भ्रष्ट मिलीभगत की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन मामला संसद से जुड़ा है। वह सार्वजनिक होकर आचरण समिति तक पहुंच गया है। देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ आपराधिक साजिश का भी मामला है और संसदीय गोपनीयता भंग करने का कथित अपराध सामने आया है, लिहाजा हम विश्लेषण कर रहे हैं। आरोपित सांसद ने सभी सांसदों के 'लॉग इन' की जांच कराने की मांग भी की है। यह कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं है। हमें आचरण समिति के निर्णय की प्रतीक्षा करनी होगी।

> सांदस निशिकांत दुबे और महुआ दोनों से ही सवाल-जवाब किए जाएंगे। इस सांठगांठ का महत्त्वपूर्ण आयाम यह है कि उद्योगपति हीरानंदानी ने सांदस महुआ को 2 करोघ रुपए नकद भी दिए। उनकी घरेलू और दिवेश यात्राओं के खर्च उठाए। सांदस के नई दल्लिी स्थित सरकारी आवास की मरम्मत और उसका नवीकरण भी कराया। सरकारी आवासों में ऐसा काम सरकारी एजेंसियां ही करती रही हैं। फिर सांदस ने उद्योगपति से पैसा 2 यों लगवाया? हीरानंदानी ने महुआ को बेशकीमती तोहफे भी दिए। संभव है कि दोनों औद्योगिक घरानों में व्यापार की प्रतिद्वंड़ द्वता हो, लिहाजा सांदस के जरिए अडाणी समूह को बेनकाब किया जा रहा हो! उद्योगपति ने यह भी खुलासा किया है कि सांदस महुआ बेदह महत्त्वाकांक्षी हैं। उन्होंने अडाणी समूह को निशाना बनाया, लेकिन वह प्रधानमंत्री मोदी की छवि दादगार करना चाहती थीं। अडाणी से जुघे कई महत्त्वपूर्ण दस्तावेज सांदस ने विपक्ष के अन्य नेताओं से भी साझा किए थे, ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ एक संगठित अभियान चलाया जा सके। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्भी इतना 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही हैं, लिहाजा कई बार सांदस को डांट भी चुकी हैं। अब भी इस रहस्योद्घाटन पर ममता बनर्भी बिल्कुल खामोश हैं और विपक्ष का भी कोई महत्त्वपूर्ण बयान सामने नहीं आया है। तेज-तर्ह्रार भाजपा सांदस ने यह शिकायत लोकपाल में भी दर्भ करा दी है।

कुछ अलग

खामोश पूर्व दिशा का सूरज

हिमाचल के बंद रोशनदान पूर्व दिशा में भी नहीं खुलते, आता हर दिन सूरज मगर मुलाकात नहीं करते। कुछ इसी तरह हमने सदियां गुजार दीं, आहट पर यकीं होता तो साथ चलते। हिमाचल ने सृष्टि को देखने की दृष्टि इतनी संकीर्णता से भर दी है कि यहां हिसाब के हर मोर्चे पर स्वार्थ की गवाही लगती है। स्कूल-कालेजों को परिणाम और कालेज-विश्वविद्यालयों को सिर्फ नाम भर का काम चाहिए। यहां ऐसा माहौल नहीं कि इतिहास को पलटा जाए या साहित्यिक विवाद को परखा जाए। वर्षों से कला, संस्कृति और भाषा विभाग अकादमी आसन जमाए चुन रहे हैं कि भीगे रहें चहेतों के शब्द और संवाद की जगह कवियों के कीर्तन होते रहें। गेयटी थियेटर की आरजू में कला की दृष्टि का सम्मोहन अपनों को प्रभावित करता है और इसी कशमकश में हिमाचल का विचार परिक्रमा कर रहा है। जो सिफारिशी खत में है, वह किताब के प्रकाशन तक पींगें बढ़ा रहा है और जहां कहने की जरूरत है वहां सियासी बेडि़यां हैं। हिमाचल के समारोहों में सरकार के तिलकधारियों की शिनाख्त इस सीमा तक कि हर सत्ता मंच पर बोलती है, लेकिन जन संवाद खामोश रहता है। ऐसे में जब कभी कसौली में लिट फेस्ट होता है, तो हिमाचल से चर्चाओं का माहौल बदल जाता है यानी अचानक यह प्रदेश ऐसा सुन पाता, जो स्वतंत्रता की मौलिकता में विचारों की स्वतंत्रता है। हैं तो हिमाचल में अब कई विश्वविद्यालय, लेकिन सामूहिक चर्चाओं में प्रदेश की बौद्धिकता के मजमूनों को स्थान नहीं मिलता। केंद्रीय विश्वविद्यालय के नींव पत्थरों पर ही एक विशेष विचारधारा पोत दी गई या गहन चिंतन में उबासियां ले रहे संस्थान की नींद ही कश्मीर के मसलों पर खुलती है। खींच कर तो मंडी विश्वविद्यालय को भी लंबा किया गया, लेकिन स्वतंत्र विचारों की भ्रूण हत्याओं पर परिसर की खामोशियों का भी चीरहरण हो गया। हिमाचल में विचारों के बजाय तयशुदा सहमतियों पर सत्ता के ईष्ट देवता पूजे जाते हैं। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पूरा पखवाड़ा, समारोहों की खेप में उतर जाता है, लेकिन हिंदी राज्य के पास अपनी हिंदी का वृतांत नहीं मिलता। हिमाचल में कोई थिंक टैंक नहीं, बल्कि मीडिया के स्वरूप में सोशल मीडिया का अवतार कुछ ऐसी मक्खी की तरह हुआ कि विचार के बजाय गुड़ की तलाश बढ़ रही है। बेशक अखबारों के लेखकीय स्तंभों में हिमाचल का लेखक वर्ग दिखाई दे, लेकिन कलम पर सरकार की रोशनी चढ़ी है। हम कायदे से अर्थ शास्त्र पढ़े ही नहीं।

आम आदमी को राहत मिले और अर्थव्यवस्था को महंगाई के खतरों से बचाया जा सके

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और महंगाई

डा. जयंतीलाल भंडारी

> देश में जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी होगी। अतिरिक्त नकदी की निकासी पर रिजर्व बैंक को ध्यान देना होगा। आवश्यक खाद्य पदार्थों के उपयुक्त रूप से आयात की रणनीति से मजबूत आपूर्ति से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जाना होगा। सरकार के द्वारा खुदरा महंगाई नियंत्रण के लिए रणनीतिक रूप से एक ऐसी मूल्य नियंत्रण समिति का गठन करना होगा जो बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव को देखते हुए कीमतों के अनियंत्रित होने से पूर्व ही मूल्य नियंत्रण के कारगर कदम उठाने के लिए तत्पर रहे।

19 अक्तूबर को केंद्र सरकार ने कहा कि इस समय त्योहारी मौसम के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद है। सरकार ने हाल ही में मूल्य स्थिर रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसके तहत सरकार ने अपने नियंत्रण वाले सभी उपायों का उपयोग किया है, चाहे वह व्यापारिक नीति हो या स्टॉक सीमा मापदंड तय करने का पैमाना हो। सरकार का यह वक्तव्य ऐसे समय में आया है जब इन दिनों हमास-इजरायल युद्ध, कच्चे तेल उत्पादक देशों के द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ते हुए ऊंचे स्तर पर पहुंचने तथा वैश्विक खाद्यान्न संकट से दुनिया के कोने-कोने में महंगाई बढने का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। यद्यपि इसी माह अक्तूबर 2023 में प्रकाशित केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में कमी का संकेत दे रहे हैं, लेकिन चुनौतीपूर्ण वैश्विक भूराजनीतिक एवं आर्थिक चुनौतियों के दौर में तेज महंगाई बढने की आशंका बनी हुई है। चूंकि महंगाई शहरी मध्यम वर्ग को अधिक प्रभावित करती है, अतएव आगामी चुनावों में महंगाई के मुद्दे के मद्देनजर सरकार के द्वारा महंगाई नियंत्रण सरकार की बड़ी चिंता बन गई है। यह चिंता इसलिए भी दिखाई दे रही है क्योंकि पिछले दिनों विश्व बैंक के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के साथ-साथ भारत में भी महंगाई बढने की चुनौती दी गई है। रिपोर्ट में वर्ष 2023-24 में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 5.9 फीसदी रहने का अनुमान प्रस्तुत किया गया है। पूर्व में प्रस्तुत महंगाई के अनुमान से नया अनुमान अधिक बताया गया है। हाल ही में 16 अक्तूबर को प्रकाशित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2023 में थोक मुद्रास्फीति दर लगातार छठे महीने शून्य से नीचे घटकर सितंबर में .0.26 प्रतिशत दर्ज की गई। अगस्त महीने में थोक महंगाई दर पांच महीने के उच्च स्तर .0.52 फीसदी पर पहुंच गई थी। पिछले माह सितंबर में रासायनिक उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, बुनियादी धातुओं और खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट थोक महंगाई के कम होने का प्रमुख कारण है। ज्ञातव्य है कि थोक मूल्य सूचकांक थोक में बेचे और कारोबार किए गए सामानों की कीमतों में बदलाव का मूल्यांकन करता है। इसी तरह देश में खुदरा महंगाई में भी कमी आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुसार जुलाई 2023 में जो

खुदरा महंगाई दर 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, वह अगस्त 2023 में घटकर 6.8 फीसदी और सितंबर में 5.02 फीसदी के स्तर पर आ गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में यह कमी इस बात सूचकांक से तय होने वाली इस दर में अनाज, सब्जी, परिधान, फुटवियर, आवास एवं सेवाओं की कीमतों में आई गिरावट की वजह से हुई है। गौरतलब है कि 6 अक्तूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय लिया है। खुदरा महंगाई के तय दायरे से अधिक होने के कारण रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया है। वस्तुतः रेपो रेट वह दर है जिस पर बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आरबीआई से ऋण लेते हैं। जब महंगाई ज्यादा होती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाह को कम करने की रणनीति अपनाता है। आरबीआई के रेपो रेट स्थिर रखने के फैसले से फिलहाल मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा और महंगाई में नरमी आएगी। निःसंदेह इस समय देश में महंगाई को लेकर चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। पिछले माह सितंबर के दौरान ज्यादातर समय कच्चे तेल का दाम 90 डॉलर प्रति बैरल से अधिक रहा है। अब ये और बढ़ कर 94 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। चूंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात करता है, अतएव वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के तेजी से बढ़ते हुए मूल्यों के कारण महंगाई बढने की आशंका है। जहां दुनिया के बाजारों में गेहूं, दाल और चावल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, वहीं चीनी की कीमतें तो 12 साल की रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। इसी माह अक्तूबर 2023 में त्योहारी मांग बढने से गेहूं, अरहर की दालों व अन्य खाद्यान्नों के दाम बढने लगे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि 18 अक्तूबर को सरकार के द्वारा प्रकाशित खाद्यान्न उत्पादन आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022-23 में गेहूं का उत्पादन अनुमानित लक्ष्य से 20 लाख टन घटकर 11.05 करोड़ टन रहेगा। दालों का उत्पादन पिछले वर्ष 2.7 करोड़ टन से घटकर 2.6 करोड़ टन और चावल का उत्पादन पिछले वर्ष के 12.94 करोड़ टन से घटकर 13.57 करोड़ टन होने का अनुमान है। ऐसे में गेहूं और दालों की कीमतें बढने की आशंकाएं सामने हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में बढ़ती कीमतों के कारण बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार और आरबीआई कई प्रयासों के साथ आगे बढ़े हैं। यद्यपि महंगाई के नए आंकड़ों से महंगाई नियंत्रित दिखाई दे रही है। लेकिन दुनिया के चुनौतीपूर्ण भूराजनीतिक और युद्धपूर्ण परिदृश्य के मद्देनजर महंगाई बढने की आशंका बनी हुई है। खासतौर से गेहूं के दाम नियंत्रण के लिए खुले बाजार में मांग की पूर्ति के अनुरूप इसकी अधिक बिक्री जरूरी है। आटा मिलों को अधिक मात्रा में गेहूं देना होगा। साथ ही गेहूं के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दिए जाने की जरूरत है। यह भी ध्यान में रखा जाना होगा कि इस वर्ष सरकार 341 लाख टन के मुकाबले किसानों से 262 लाख टन गेहूं ही खरीद पाई है। यह भी ध्यान रख जाना होगा कि एक अक्तूबर तक सरकारी गोदामों में गेहूं का स्टॉक करीब 240 लाख टन था जो पिछले 5 साल के औसत करीब 376 लाख टन से कम है। देश में जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी होगी। अतिरिक्त नकदी की निकासी पर रिजर्व बैंक को ध्यान देना होगा। आवश्यक खाद्य पदार्थों के उपयुक्त रूप से आयात की रणनीति से मजबूत आपूर्ति से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जाना होगा। सरकार के द्वारा खुदरा महंगाई नियंत्रण के लिए रणनीतिक रूप से एक ऐसी मूल्य नियंत्रण समिति का गठन करना होगा जो बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव को देखते हुए कीमतों के अनियंत्रित होने से पूर्व ही मूल्य नियंत्रण के कारगर कदम उठाने के लिए तत्पर रहे। इजराइल-हमास युद्ध के गहराने की बढ़ती आशंका के बीच महंगाई नियंत्रण के ऐसे कारगर रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे जिनसे देश के आम आदमी को राहत मिले और अर्थव्यवस्था को महंगाई के खतरों से बचाया जा सके।

बीजिंग सम्मेलन से साफ हुए जिनपिंग के इरादे, पुतिन की उपस्थिति का भी है अर्थ

> पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ के प्रयासों पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जहां चेतावनी दी है, वहीं इस विशाल परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए आगे की नीति तय करने की शुरुआत भी की है। जिनपिंग ने विगत 17-18 अक्तूबर को बीजिंग में हुए दो दिवसीय सम्मेलन में अपना इरादा स्पष्ट कर दिया, जिसमें यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे, पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकड़ और 140 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि, 30 अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित कई देशों के नेता, मंत्रिस्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ व्यवसाय व शिक्षा क्षेत्र एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। भारत ने चीन की 60 अरब डॉलर वाली चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) का हवाला देते हुए, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रास्ते बनाया जा रहा है, बीआरआई का बहिष्कार किया।

दुनिया के 150 से ज्यादा देशों में 30 खरब अमेरिकी डॉलर के निवेश वाली बेल्ट एंड रोड परियोजना को महत्वहीन करने के, ताकि चीनी अर्थव्यवस्था पर दुनिया की निर्भरता कम हो, पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ के प्रयासों पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जहां चेतावनी दी है, वहीं इस विशाल परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए आगे की नीति तय करने की शुरुआत भी की है। जिनपिंग ने विगत 17-18 अक्तूबर को बीजिंग में हुए दो दिवसीय सम्मेलन में अपना इरादा स्पष्ट कर दिया, जिसमें यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे, पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकड़ और 140 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि, 30 अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित कई देशों के नेता, मंत्रिस्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ व्यवसाय व शिक्षा क्षेत्र एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। भारत ने चीन की 60 अरब डॉलर वाली चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) का हवाला देते हुए, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रास्ते बनाया जा रहा है, बीआरआई का बहिष्कार किया। चीन अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बीआरआई को आगे बढ़ाने का कोई मौका नहीं चूकता, इसलिए चार जुलाई, 2023 को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन के अंत में जारी नई दिल्ली घोषणा के अंतिम मसौदे में एक पैराग्राफ जोड़ा गया था, जिसे भारत ने खारिज कर दिया था। वर्ष 2022 में समरकंद घोषणा के दौरान भी भारत जिनपिंग की पसंदीदा परियोजना बीआरआई का विरोध करने से पीछे नहीं हटा था। भारत जी-20 के मसौदे से बीआरआई पहल को बाहर रखने के प्रति सतर्क रहा और चतुराईपूर्ण कूटनीति से सर्वसम्मति हासिल की। भारत पाकिस्तान द्वारा बीआरआई के अंध-समर्थन के खिलाफ है, जो कश्मीर के लिए सुरक्षा खतरा पैदा कर सकता है, क्योंकि बीआरआई पाक कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है, जो तकनीकी रूप से भारतीय क्षेत्र है और कश्मीर घाटी से सटा हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीआरआई के 'छिपे हुए कर्ज' और निम्न मध्यम आय वाले देशों को 'ऋण जाल नीति' में फंसाने की चीनी नीति का डर दूर करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना प्रस्तुत की है। एड डाटा द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, एक तिहाई से अधिक परियोजनाओं को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती नकारात्मक प्रतिक्रिया ने मलयेशिया और तंजानिया जैसे कुछ देशों को बीआरआई सौदे रद्द करने के लिए प्रेरित किया है। लेकिन पर्यवेक्षकों ने संभावित आर्थिक दबाव की भी चिंता जताई है, जहां विदेशी सरकारें बीजिंग के एजेंडे का पालन करने के लिए दबाव महसूस करती हैं या चीन द्वारा निवेश वापस लेने का जोखिम झेल रही हैं। एड डाटा के एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि चीनी सरकार के स्वामित्व वाली संस्थाओं द्वारा विदेशी सरकारों को दिए गए ऋण के अनुबंध में ऐसे प्रावधान हैं, जो 'संभावित रूप से ऋणदाताओं को उधारकर्ता देशों की घरेलू और विदेशी नीतियों को प्रभावित करने की अनुमति देते हैं।' अर्थशास्त्रियों का मानना है कि घरेलू अर्थव्यवस्था में गिरावट और कोविड-19 के निरंतर प्रभाव सहित कई कारणों से कई देश ऋण चुकाने में विफल हो रहे हैं, जिसके चलते चीनी रणनीतिकारों के दृष्टिकोण में बदलाव दिख रहा है। चीन का प्रभाव तब तक और कम हो सकता है, जब तक कि आने वाले समय में विभिन्न राष्ट्रों को मिलने वाला विदेशी ऋण व सहायता अपने चरम स्तर पर न पहुंच जाए। चीन ने बीआरआई के तहत लापरवाही से विभिन्न देशों को ऋण बांटा। अमेरिका स्थित रोडियम ग्रुप के अनुसार, 2020 से 2022 के बीच चीनी ऋणदाताओं से जुड़े 76.8 अरब डॉलर के ऋण अनिवार्य रूप से गैर-निष्पादित संपत्ति बन गए, जो 2017 से 2019 के बीच की अवधि की तुलना में 4.5 गुना अधिक है। चीन ने मुद्रा विनिमय सहित बेल्ट ऐंड रोड से जुड़े देशों को अपनी वित्तीय सहायता बढ़ा दी है, पर उसके नए निवेश में गिरावट आई है। हालांकि चीन की आर्थिक मंदी ने भी इसमें भूमिका निभाई है, क्योंकि इसका विदेशी मुद्रा भंडार, जो नए निवेश का समर्थन करता है, अपेक्षाकृत 30 खरब डॉलर के करीब स्थिर बना हुआ है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बीआरआई के जरिये चीन महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाहता है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन ने दक्षिण एशियाई देशों को अपनी ऋण जाल नीति में फंसा लिया है, जिसने उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर बोझ डाला है। भारत और भूटान को छोड़कर, कई राष्ट्र बीआरआई के माध्यम से चीन की ऋण नीति में फंस गए हैं और नेपाल को भी इसी दुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका आमतौर पर गरीब देशों को सौ प्रतिशत अनुदान के जरिये मदद करता है, लेकिन चीन की ऋण जाल नीति में फंसे देशों की अर्थव्यवस्थाएं नष्ट हो रही हैं और पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शिकार है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) की कनेक्टिविटी योजना में अमेरिका, यूरोपीय संघ, इटली, जर्मनी, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात एवं फ्रांस को शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और यूरोप जैसे देशों के आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। गलियारे के परिचालन का क्षेत्र बंदरगाह, रेल लाइनें, शिपिंग नेटवर्क और सड़कें होंगी। इसके भू-राजनीतिक निहितार्थ हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पहल को मूर्त रूप देने में समय लग सकता है, लेकिन दूरगामी अर्थों में यह बीआरआई का मुकाबला कर सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि चीन की सुनियोजित बीआरआई को कई देश लंबी अवधि में अपनी अर्थव्यवस्थाओं के लिए खतरा मान रहे हैं, जो उनके लिए आंखें खोलने वाला हो सकता है।

दृष्टिकोण

जिहादियों के हाथ से लिए जाए हथियार तभी इस्लाम होगा उदार

मैं दुर्गापूजा के पंडाल में गई और एक जगह मैंने उद्घाटन किया, यह जानने के बाद कुछ मुस्लिम मुझे कह रहे हैं कि मैं नास्तिक नहीं हूं। उनके कहने का भाव यह था, जैसे नास्तिक होने पर उन्हें बहुत खुशी होती। जैसे, नास्तिकों से वे नफरत नहीं करते। जैसे कि नागरिकों की हत्या उन्होंने नहीं की है। जो लोग मुझे जानते हैं, वे यह भी बखूबी जानते हैं कि मैं हर धर्म की कट्टरता की आलोचक हूं। इसके बावजूद यह हिंदू धर्म की उदारता ही है कि मुझे दुर्गापूजा के आनंदमेले में जज की भूमिका में बुलाया जाता है, भोग प्रसाद पाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, पूजा कमेटी की तरफ से सम्मानित किया जाता है। दूसरी तरफ, इस्लाम धर्म की कट्टर आलोचक होते हुए क्या मैं इसकी उम्मीद कर सकती हूं कि मुझे कभी मदरसा या मस्जिद का उद्घाटन कराने के लिए बुलाया जाएगा? ईदगाह मैदान में भाषण देने के लिए बुलाया जाएगा, ईद मनाने वाली कोई कमेटी मुझे सम्मानित करेगी? अव्वल तो इस्लाम धर्म के प्रतिनिधि कभी मुझे अपने यहां बुलाएंगे नहीं, लेकिन क्या उनका दिया गया सम्मान मैं कभी ग्रहण भी करूंगी? मैं धर्म में विश्वास नहीं करती, मनुष्यता में विश्वास करती हूं। धर्म के नाम पर अगर किसी मनुष्य पर अत्याचार होता है, तो मैं उस मनुष्य के साथ खड़ी होती हूं, धर्म चाहे कोई भी हो। मैं मनुष्य और मनुष्यता के उत्सव में विश्वास करती हूं। दूसरे को नुकसान न पहुंचाए बिना जो धर्म का पालन करता है, उसके उस धर्म पालन के अधिकार के लिए मैं लड़ती हूं। मैं दुनिया भर में कला, संस्कृति का म्यूजियम जिस तरह देखती हूं, धार्मिक उपासनालय भी देखती हूं। स्पेन के अंदलुसिया में मैं सिर्फ मुस्लिम स्थापत्य देखने के लिए गई थी। धर्म कोई स्थापत्य नहीं बनाता, कलाकार स्थापत्य बनाते हैं। कलाकारों की कला मुझे मुग्ध करती है। यूरोप के म्यूजियमों में मैं रफायल, लियानार्दो द विंची, माइकल एंजेलो आदि की कलाकृतियां देखने गई हूं। प्राचीन रोमन देवी-देवताओं की मूर्तियां देखने गई हूं। केरल के कोच्चि में मैं बेबीलोन के यहूदियों का प्राचीन सिनेगग देखने गई थी। ठीक इसी तरह ओडिशा के कोणार्क और मध्य प्रदेश के खजुराहो में मैं मंदिरों का शिल्प और कलाकारी देखने जा चुकी हूं। जाहिर है, अनेक मुस्लिमों को मेरा हिंदू मंदिरों में जाना पसंद नहीं। हालांकि अगर वे चाहें, तो मुझे इस्लाम से जुड़े आयोजनों से जोड़ने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। अगर वे चाहेंगे, तो मैं विश्व इज्तेमा का फीता काटकर उद्घाटन कर सकती हूं, देवबंद के आयोजन की अतिथि बन सकती हूं, दीया जलाकर वाज महफिलों की शुरुआत कर सकती हूं। हिंदुओं के उत्सवों में हिंदू समुदाय के लोग जिस तरह मेरी सुरक्षा करते हैं, इस्लाम धर्म से जुड़े आयोजनों में मुसलमान खुद आगे बढ़कर मेरी हिफाजत करेंगे, यही तो मैं चाहती हूं।

देश दुनीया से

शांति के लिए भी युद्ध जरूरी, तो नुकसान किसका

> आखिर लड़ाई किस चीज के लिए और आतंकवादियों के पास इतना गोला बारूद आया कहां से, ऐसी कैसी ताकत जो 5000 रॉकेट 20 मिनट में दाग कर बर्बादी की कहानी लिख गए, पैराशूट के साथ सीमा पार कर स्पेशल कमांडो की तरह उतरकर दनादन गोलियां बरसाना, आखिर ऐसी ट्रेनिंग आतंकियों की कहां हो रही और आखिर इसके पीछे कौन है? ये चौंकाने वाली कुछ चीजें हैं जो बताती हैं कि ये केवल आतंकी नहीं, बल्कि इनके पीछे और ताकतें हैं। वैसे युद्ध किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत-हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को अवश्य ही परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है।

विश्व में उथल पुथल कई मोर्चों पर चली रहती है जिस पर दुनिया का ध्यान आकर्षित होता रहता है। साथ में ही इसका प्रभाव शेष विश्व पर भी पड़ता है, लेकिन विश्व में शांति के लिए संघर्ष या युद्ध एक चिंतन का विषय है। एक तरफ अभी यूक्रेन-रशिया युद्ध की आग बुझी ही नहीं थी कि दूसरी ओर इजरायल और फिलिस्तीन के हमास आतंकवादी संगठन के बीच युद्ध छिड़ गया और ऐसा युद्ध जिसमें केवल बर्बरता, लाशें, आग, मलबा और रॉकेट दिख रहे हैं। लोग बेबस हैं, बच्चे अचंभित हैं, औरतों के साथ बर्बरता हो रही है। आखिर लड़ाई किस चीज के लिए और आतंकवादियों के पास इतना गोला बारूद आया कहां से, ऐसी कैसी ताकत जो 5000 रॉकेट 20 मिनट में दाग कर बर्बादी की कहानी लिख गए, पैराशूट के साथ सीमा पार कर स्पेशल कमांडो की तरह उतरकर दनादन गोलियां बरसाना, आखिर ऐसी ट्रेनिंग आतंकियों की कहां हो रही और आखिर इसके पीछे कौन है? ये चौंकाने वाली कुछ चीजें हैं जो बताती हैं कि ये केवल आतंकी नहीं, बल्कि इनके पीछे और ताकतें हैं। वैसे युद्ध किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत-हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को अवश्य ही परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। जब भी युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। रूस के द्वारा यूक्रेन के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध अभी तक जारी है और फिलहाल इसका कोई परिणाम नहीं दिख रहा, चाहे अब इजरायल-हमास हो परंतु एक बात निश्चित है कि इसका प्रभाव पूरे विश्व में पड़ रहा है। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है, इसका उदाहरण हमें यूक्रेन तथा रूस के युद्ध से मिला। अब इजरायल-हमास युद्ध के परिणामों के लिए हमें तैयार रहना होगा। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़ चुकी है तथा दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। यह जंग सिर्फ अब रॉकेट और मिसाइल के दम पर नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि यह जंग साइबर वल्र्ड में भी पहुंच चुकी है। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई जंग असल दुनिया से लेकर साइबर वल्र्ड तक पहुंची हो। इससे पहले यूक्रेन और रूस के युद्ध में भी हमने साइबर अटैक के कई मामले देखे हैं। ऐसा ही कुछ हमास और इजरायल के बीच होता दिख रहा है। हाल में हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। इनमें सैनिकों से लेकर आम आदमी तक सभी शामिल हैं। आठ अक्टूबर को इजरायल बेस्ड मीडिया आउटलेट जेरूसलम ने जानकारी दी कि उनके ऊपर कई साइबर अटैक हुए हैं। फोन ऐप को टार्गेट किया गया।

हमास को दुनिया से मिटाने की जरूरत, भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद बोले– वो बर्बर आतंकी

वॉशिंगटन ।
अमेरिका में भारतीय मूल के सांसद श्री थानेदार ने आतंकी संगठन हमास की तीखी आलोचना की है और कहा है कि हमास को हमेशा के लिए दुनिया से मिटाने की जरूरत है। थानेदार ने हमास को बर्बर आतंकी संगठन बताया। बता दें कि बीती 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल की सीमा में घुसकर निर्दोष लोगों और सेना के जवानों को निशाना बनाया। हमास के आतंकियों ने महिलाओं बच्चों और बुजुर्गों को भी नहीं बख्शा और 1400 लोगों की जान ले ली। इसके जवाब में इजराइल की सेना गाजा पट्टी में बमबारी कर रही है।

क्या बोले अमेरिकी सांसद – यूएस कैपिटल हिल में आयोजित एक कार्यक्रम में थानेदार ने कहा कि हमास सिर्फ एक उग्रवादी संगठन नहीं है और ना ही कोई प्रतिरोधात्मक आंदोलन है बल्कि वह सिर्फ एक बर्बर आतंकी संगठन है। उन्हें समझाने का कोई अन्य तरीका नहीं है। थानेदार ने कहा कि अब समय आ गया है कि जब हम उन्हें सिर्फ पीछे ना धकेले ताकि वह फिर से इकट्ठा होकर अत्याचार कर सकें, जो कि वो करेंगे। इसलिए जरूरत है कि हम उनका खात्मा करें और इस दुनिया से हमेशा के लिए मिटा दें। बता दें कि यह कार्यक्रम इजराइल के समर्थन में आयोजित किया गया था। जिसमें कई अन्य समुदाय के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में हिंदू, यहूदी, सिखों की सुरक्षा के लिए नीतियां बनाने की जरूरत – अमेरिकी सांसद ने कहा कि हमें हमास के सैन्य संचालन को पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है ताकि फलस्तीनी लोगों को आजाद कराया जा सके। 20 लाख लोग गाजा पट्टी में रहते हैं और उन्हें आतंकी नियंत्रण से आजाद कराने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में ये भी मांग की गई कि अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाले हिंदू, सिख, यहूदी, हजारा और यजीदी समुदाय को लोगों की सुरक्षा के लिए नीतियां बनाई जाएं। थानेदार ने हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस में एक कॉकस भी बनाई है, जिसमें हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन शामिल हैं। कॉकस ने कहना है कि अमेरिका में हिंदूफोबिया बढ़ रहा है, जिसे रोकने की जरूरत है।

भारत में कभी यहूदियों को नहीं किया गया प्रताड़ित – अमेरिकन यहूदी कमेटी के कार्यक्रम में भारत–यहूदी संबंध कार्यक्रम के निदेशक निसिम बी रुबेन ने कहा कि भारत दुनिया का इकलौता देश है, जहां यहूदी विरोध का कोई इतिहास नहीं है। भारत में 2008 में हुए मुंबई हमले तक किसी भी यहूदी को प्रताड़ित नहीं किया गया और 2008 का हमला भी पड़ोसी देश से आए आतंकियों ने किया था। हम काफी खुश हैं कि भारतीय अमेरिकी लोग, पूरी दुनिया में रह रहे भारतीय लोग और पीएम मोदी और भारत के लोगों ने इजराइल का समर्थन किया है।

न्यूज ब्रीफ

बंधकों को रिहा करने के बाद ही अब बात होगी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की हमास को चेतावनी

यरूशलम । इजराइल–हमास के बीज जारी युद्ध में अबतक लगभग 1400 इजराइली और पांच हजार के करीब फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। हमास आतंकियों ने करीब सैकड़ों इजराइली नगरिकों को बंधक बनाकर रखा है। इजराइल पर हमास के आतंकियों द्वारा किए गए हमले के बाद इजराइल लगातार गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है। हालांकि, सात अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद से ही अमेरिकी राष्टपति लगातार इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से संपर्क में है। उन्होंने अब इस संघर्ष पर अपनी प्रतिक्रिया देते कहा कि गाजा युद्धविराम पर अब कोई भी चर्चा तब होगी जब हमास के आतंकी बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों को रिहा करेंगे। अमेरिकी राष्टपति ने कहा, हमें उन बंधकों को रिहा करना चाहिए और फिर हम बात कर सकते हैं। उनका यह बयान तब आया जब हमास ने दो इजराइली नागरिकों को रिहा करने की जानकारी दी। हमास ने शुक्रवार को जुडिथ और उनकी बेटी रानन को रिहा किया था। हमास द्वारा दक्षिणी इजराइल सीमा पार करके किबुट्ज समुदाय के शहरों में गोलीबारी करने के बाद सोमवार को इजराइल ने आतंकियों द्वारा बंधक बनाए गए नागरिकों की संख्या बढ़ाकर 222 बताया। इजराइली अधिकारी ने बताया कि हमास के आतंकियों ने अबतक 1400 के करीब इजराइली नागरिकों को मार दिया है। इसके जवाबी कार्यवाई में इजराइल ने गाजा में हमाई हमले किया, जिसमें करीबन 5000 लोगों मारे गए। इस संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्टपति ने पोप फ्रांसिस से इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए कहा, पोप और मैं एक ही विचार पर हैं। हम जो कर रहे हैं उसमें उनकी बहुत रूचि है। इस दौरान बाइडन ने इजराइल के समर्थन में अपनी गेम प्लान का भी जिक्र किया। जिसमें पोप की ओर से भी समर्थन दिया गया।

रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाने की कोशिश, चीन के विदेश मंत्री करेंगे अमेरिका का दौरा

वॉशिंगटन । अमेरिका और चीन के व्यापारिक रिश्ते बीते कुछ सालों से खराब चल रहे हैं। अब दोनों ही देशों की सरकार ने रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। बता दें कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी 26–28 अक्तूबर तक अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं। वांग यी अमेरिका में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे। अमेरिका की बाइडन सरकार चीन के साथ बातचीत जारी रखने की इच्छुक है और इसी के चलते वांग यी का अमेरिका दौरा हो रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें चीनी विदेश मंत्री के अमेरिका दौरे की जानकारी दी गई है। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि दोनों नेता द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और यह कोशिश की जाएगी कि अमेरिका और चीन के बीच बातचीत के रास्ते खुल रहें।

श्रीलंका में कैबिनेट का बड़ा फैसला, भारत समेत इन देश के लोगों को वीजा के लिए नहीं देना होगा शुल्क

कोलंबो । श्रीलंका के कैबिनेट ने भारत समेत सात देशों के लिए वीजा को मुफ्त करने का एलान किया है। इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत भारत, चीन, रूस, मलयेशिया, जापान, इंडोनेशिया और थाईलैंड के नागरिकों के लिए 31 मार्च तक वीजा फ्री एंट्री मिलेगी। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्री साबरी ने एक बयान में कहा कि इसे 31 मार्च, 2024 तक प्रायोगिक परियोजना के रूप में लागू किया जाएगा। कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, इन देशों के पर्यटका श्रीलंका दौरे पर बिना किसी शुल्क के वीजा प्राप्त कर सकेंगे। साल 2019 में ईस्टर के दिन हुए बम विस्फोटों के बाद श्रीलंका में पर्यटकों का आगमन कम हो गया था।

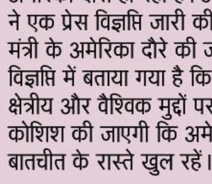

इजराइल की सहायता के लिए अमेरिका ने भेजे सैन्य अफसर

पेंटागन ने कहा– युद्ध की योजना बनाने में करेंगे मदद

वाशिंगटन ।
इजराइल–हमास युद्ध तीसरे सप्ताह भी जारी है, जिसमें करीब 6000 लोगों की मौत हो गई। इस बीच पेंटागन ने बताया कि अमेरिका ने एक मरीन कॉर्प्स जनरल सहित सैन्य सलाहकारों को इजराइल भेजा है। सैन्य अधिकारी युद्ध की योजना बनाने में सहायता करेंगे। हालांकि, अमेरिकी अधिकारी युद्ध में शामिल नहीं होंगे। पेंटागन ने बताया कि अमेरिकी सैन्य दल का नेतृत्व करने वाले मरीन कॉर्प्स के लेफ्टिनेंट जनरल जेम्स ग्लिन के पास आईएसआईएस के खिलाफ लड़ने का भी अनुभव है। आईएस के खिलाफ जंग में उन्होंने विशेष अभियान बलों की सहायता की थी। ग्लिन इराक के फालुजा में भी युद्ध लड़ चुके हैं, जिसें सबसे गर्म शहरी युद्ध कहा जाता है। दुश्मन की कमर तोड़ने वाली योजना बनाने के साथ–साथ वे कॉलेट्रल डेमेज को भी कम करने की योजना बनाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि ग्लिन और अन्य सैन्य अधिकारी अनुभवी है। सभी के पास युद्ध और सैन्य अभियान का पर्याप्त अनुभव है। ईरान सक्रिय रूप से हमलों को बढ़ावा दे रहा है। ईरान ही दूसरों को उकसा रहा है। ईरान संघर्ष का फायदा उठाना चाहता है। इससे पहले, अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने लड़ाई के शुरू होते ही इजराइल के लिए हथियारों से लेकर आर्थिक मदद मुहैया कराने का एलान किया था। इजराइली मीडिया रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका अपने हजारों सैनिक इजराइल भेजेगा, जिससे क्षेत्र में व्यापक सैन्य ताकत व्यापक रूप से बढ़ेगी। इनमें दो अमेरिकी विमान वाहक और उनके संबंधित एस्कॉर्ट जहाजों की तैनाती शामिल है, जो लगभग 15,000 सैनिकों को ले जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 4,000 नौसैनिकों और नाविकों वाली टास्क फोर्स की तैनाती की जानी है। वहीं करीब 2,000 सहायक सैनिकों को अलर्ट पर रखा गया है और कहा गया है कि वे कुछ दिनों के भीतर जाने के लिए तैयार रहें।

इजराइल को लेकर चीन के रुख में आया बदलाव, कहा- उन्हें आत्मरक्षा का अधिकार

बीजिंग । इजराइल–हमास युद्ध में चीन के रुख में बदलाव आया है। दरअसल चीन अभी तक फलस्तीन का समर्थन कर रहा था और उसने हमास के इजराइल पर बर्बर हमले की खुलकर निंदा भी नहीं की थी लेकिन अब चीन ने स्वीकार किया है कि इजराइल को आत्मरक्षा का अधिकार है। बता दें कि इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से टेलीफोन पर बात की। इस बातचीत के बाद चीन के सरकारी मीडिया ने वांग यी के हवाले से उक्त बयान जारी किया। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार वांग यी ने अपने इजराइली समकक्ष से कहा, हर देश का अपनी आत्मरक्षा करने का अधिकार है लेकिन यह अंतरराष्टीय मानवीय कानूनों और नागरिक सुरक्षा के नियमों का भी पालन किया जाना चाहिए। बता दें कि चीन का यह बयान अमेरिका और यूरोपीय देशों के उस बयान जैसा है, जिनमें इजराइल की कार्रवाई का समर्थन किया गया है। गौरतलब है कि चीन के विदेश मंत्री का इजराइल को लेकर यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब चीन के विदेश मंत्री 26–28 अक्तूबर तक तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका जा रहे हैं। बीते हफ्ते चीन के राष्टपति शी जिनपिंग ने अपने एक बयान में इजराइल हमास के बीच जारी युद्ध को तुरंत रोकने की बात कही थी और मिस्त्र और अन्य अरब देशों को साथ समन्वय करके फलस्तीन मुद्दे का हल निकालने की सलाह दी। बता दें कि चीन द्वारा अभी तक हमास के इजराइल पर हमले की निंदा नहीं की गई है, जिसमें 1400 लोगों की जान चली गई थी। अमेरिका के वरिष्ठ सांसद चक शूमर ने भी चीन के इजराइल को लेकर रुख की आलोचना भी की थी। इजराइल ने भी सार्वजनिक तौर पर चीन के रुख से निराशा जाहिर की थी।

संगठन ने चीन के खिलाफ जाहिर की चिंता

एफबीआई ने कहा- हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को ड्रैगन से खतरा

वाशिंगटन ।
चीन भारत के साथ–साथ दुनिया के लिए चिंता का विषय बन रहा है, जिसे लेकर फाइव आइज देशों के नेताओं चीन के जासूसी रवैये पर चिंता व्यक्त की है। अमेरिका के एक टेलिविजन कार्यक्रम में नेताओं ने यह दावा किया। बता दें, फाइव आइज एक वैश्विक गठबंधन है, जिसमें अमेरिका, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, फाइव आइज देशों के नेताओं ने एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे के साथ पिछले सप्ताह चीन के खिलाफ पहली संयुक्त सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की। संयुक्त सार्वजनिक उपस्थित में रे ने कहा कि चीनी सत्तारूढ़ दल इस युग के महत्वपूर्ण खतरे का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसा कोई देश नहीं है, जो हमारे विचारों, नवाचारों और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो। राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ–साथ चीन हमारी कंपनियों से तकनीक भी चुरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन के महानिदेशक माइक बर्गेस ने बताया कि चीन हमारी बौद्धिक संपदा चुराने के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट का इस्तेमाल कर रहा है। चीन व्यावसायिक लाभ उठाकर हमें नुकसान पहुंचाते हैं। रे ने बताया कि चीन हमारी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करता है। एम15 के महानिदेशक केन मैक्कलम ने कहा कि हमने रूस के आक्रमण से पहले ही उसकी गुप्त उपस्थिति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। ब्रिटने ने उन अघोषित खुफिया अधिकारियों को हटा दिया, जो राजनयिक के रूप में ब्रिटेन में का कर रहे थे। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने हाल ही में लगभग 100 ऐसी घटनाओं पर नजर रखी, जिसमें चीनी नागरिक पर्यटक के रूप में सैन्य ठिकानों और अन्य संवेदनशील स्थानों में कई बार पहुंचने की कोशिश की है। अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं को देश के लिए जासूसी खतरा बताया। रिपोर्ट में बताया गया था कि न्यू मैक्सिको में अमेरिकी मिसाइल रेंज में चीनी नागरिक घुसपैठ करते हुए पकड़े गया था। वहीं, फ्लोरिडा के सरकारी रॉकेट लॉन्च साइट के पास स्कूवा डाइवर बनकर गंदे पानी में तैरते हुए भी पाया गया था।

पाकिस्तान ने गौरी मिसाइल का किया सफल परीक्षण, सेना ने कही ये बात

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान ने अपनी गौरी मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। गौरतलब है कि एक हफ्ते पहले ही पाकिस्तान ने अपनी एक अन्य बैलिस्टिक मिसाइल अबाबील का भी परीक्षण किया था। पाकिस्तानी सेना ने बयान में कहा कि इस लॉन्च का उद्देश्य सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड की तैयारी और संचालन को जांचने के लिए था।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

गौरी मिसाइल की लॉन्चिंग पाकिस्तानी सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड के कमांडर, अन्य शीर्ष अधिकारियों और वैज्ञानिकों के सामने की गई। सफल परीक्षण के लिए कमांडर ने वैज्ञानिकों और इंजीनियर्स को बधाई दी। गौरी मिसाइल का यह परीक्षण अमेरिका के उस कदम के बाद आया है, जिसमें अमेरिका ने चीन की तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन कंपनियों पर आरोप है कि ये पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए उपकरणों की सप्लाई कर रहीं थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर और सेना के शीर्ष अधिकारियों ने सफल लॉन्च के लिए बधाई दी।

बीती 18 अक्तूबर को पाकिस्तान ने अपनी अबाबील मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। बता दें कि पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइल गौरी का रेंज 1300 किलोमीटर तक है और यह पारंपरिक के साथ ही परमाणु हथियार भी ले जाने में सक्षम है। वहीं अबाबील मिसाइल की रेंज 220 किलोमीटर तक है। अबाबील मिसाइल एक समय में कई लक्ष्यों को भेदने की ताकत रखती है।

इजराइली रक्षा बलों का दावा, पिछले 24 घंटे में हमास के 400 आतंकवादी ठिकानों को बनाया निशाना

यरुशलम ।
इजराइल और हमास के बीच संघर्ष शुरू हुए अब दो हफ्ते से ज्यादा समय हो चुका है। हमलों में मौतों का आंकड़ा साढ़े छह हजार के पार चला गया है। संघर्ष रुकने की बजाय और तेज होता जा रहा है। इस बीच, इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने जानकारी दी है कि उसने पिछले 24 घंटे में 400 से अधिक आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया है। आईडीएफ ने जोर देकर कहा कि वह निर्दोष लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई जारी रखेगा।

व्यापक पैमाने पर अभियान चलाया

इजराइली रक्षा बलों ने कहा, 'हमास के आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए एक व्यापक पैमाने पर अभियान चलाया। आईडीएफ ने पिछले 24 घंटों में 400 से अधिक आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। इस दौरान हमास के बंदूकधारियों ने भी इजराइल की ओर रॉकेट दागने की कोशिश की।

आतंकवादियों को समुद्र के रास्ते से भेजता है

सेना का कहना है कि इजराइल में हमास एक सुरंग के जरिए आतंकवादियों को समुद्र के माध्यम से भेजता है। वह इसी रास्ते के जरिए घुसपैठ करता है। हमास कमांड सेंटर का उपयोग गुर्गों द्वारा किया जाता है। इजराइली सेना ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईडीएफ काम करना जारी रखेगा।

आईडीएफ ने एक अलग पोस्ट में बताया, 'याह्या सिनवार, मोहम्मद दीफ, सालेह अल–अरौरी, इस्माइल हानिया और अन्य के हाथों पर हजारों का खून है। हम सात अक्तूबर को हुए हमास नरसंहार को कभी नहीं भूलेंगे।

देश दक्षिण में जमीनी अभियानों के लिए तैयार

इस बीच, आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हैलेवी ने कहा कि इजराइल हमास को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश दक्षिण में जमीनी अभियानों के लिए अच्छी तरह से तैयार है हैलेवी ने आगे कहा, 'हम हमास को पूरी तरह से खत्म करने की स्थिति में लाना चाहते हैं। यही कारण है कि हम उच्च रैंकिंग कमांडरों और सदस्यों पर हमला कर रहे हैं और उन्हें खत्म कर रहे हैं, बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रहे हैं और बहुत दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। यह मार्ग हमास को हर जगह और हर तरह से नुकसान पहुंचाने वाले अविश्वसनीय हमलों का एक रास्ता है। हम दक्षिण में जमीनी तैयारियों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।'

ड्रैगन के खिलाफ की जा रहीं दो हजार जांचें

चीन पर फाइव आईज के खुफिया अधिकारियों की पैनी नजर

न्यूयॉर्क ।
फाइव आइज देशों के खुफिया अधिकारियों ने चीन पर दुनिया के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि दो हजार जांच चल रही हैं, जो सिर्फ सिर्फ चीन सरकार द्वारा चोरी करने के प्रयास से संबंधित हैं।

ये देश फाइव आइज का हिस्सा

फाइव आइज द्वितीय विश्व युद्ध के बाद गठित एक सुरक्षा गठबंधन है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल है। यह वैश्विक खतरे के परिदृश्य की निगरानी करता है, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे इजराइल –हमास संघर्ष, यूक्रेन–रूस युद्ध और चीन द्वारा की जाने वाली जासूसी अभियान जैसी घटनाएं शामिल हैं।

डाटा चोरी करने के प्रयासों

रिपोर्ट के अनुसार, चीन की जासूसी पर एफबीआई निदेशक रे ने कहा कि विभिन्न देशों से डाटा चोरी करने के चीन के प्रयासों को सामने लाने के लिए लगभग दो हजार जांच चल रही हैं। उन्होंने कहा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना इस युग की इस पीढ़ी के लिए निर्णायक खतरे का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसा कोई देश नहीं है जो हमारे विचारों, हमारे नवाचार, हमारी आर्थिक सुरक्षा और अंतत: हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए व्यापक खतरा पैदा करता है। हमने देखा है कि चीन सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पूरे देश में बौद्धिक संपदा, व्यापार रहस्य, निजी डाटा चुराने की कोशिश कर रही है।

दो हजार जांच...

उन्होंने कहा, 'हम फॉर्च्यून 100 कंपनियों से लेकर छोटे स्टार्टअप तक हर चीज की बात कर रहे हैं। हम कृषि, बायोटेक, स्वास्थ्य देखभाल, रोबोटिक्स, विमानन, अकादमिक अनुसंधान के बारे में बात कर रहे हैं। हालांकि, अभी दो हजार जांच पड़ताल चल रही हैं, जो सिर्फ चीन सरकार द्वारा चोरी करने के प्रयास से संबंधित हैं। इसके अलावा, ब्रिटेन की एफबीआई एमआई5 के महानिदेशक केन मैक्कलम ने जोर देकर कहा कि चीन देश की सेना, सरकार के साथ–साथ अकादमिक डाटा चोरी करने का प्रयास कर रहा है।

एफबीआई पहले भी चीनियों के खिलाफ रहा है सख्त

अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने हाल ही में लगभग 100 ऐसी घटनाओं पर नजर रखी, जिसमें चीनी नागरिक पर्यटक के रूप में सैन्य ठिकानों और अन्य संवेदनशील स्थानों में कई बार पहुंचने की कोशिश की है। अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं को देश के लिए जासूसी खतरा बताया। रिपोर्ट में बताया गया था कि न्यू मैक्सिको में अमेरिकी मिसाइल रेंज में चीनी नागरिक घुसपैठ करते हुए पकड़े गया था। वहीं, फ्लोरिडा के सरकारी रॉकेट लॉन्च साइट के पास स्कूवा डाइवर बनकर गंदे पानी में तैरते हुए भी पाया गया था। कार्यक्रम में फाइव आइज देशों के खुफिया अधिकारियों ने चीन द्वारा जारी वैश्विक जासूसी पर चिंता जताई। कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा के निदेशक डेविड विग्नॉल्ट ने कहा कि फाइव आईज के नेताओं के बीच साझेदारी गठबंधन को मजबूत करती है।

रेलगाड़ियों का ठहराव नहीं होने पर ग्रामीणों ने नेताओं का पुतला फूंका

फतेहाबाद (हिंस)। रेलगाड़ियों के ठहराव को लेकर पिरथला-ललोदा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को 17वें दिन गांव पिरथला के ग्रामीणों ने अवतार सिंह संधू की अध्यक्षता में धरना देकर भूख हड़ताल की। दशहरे के अवसर पर केंद सरकार, रेल मंत्रालय तथा सांसद सुनीता दुग्गल का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया। भूख हड़ताल में गुरजंट सिंह, सतीश जांगड़ा, सत्यनारायण, मोनू जांगड़ा, बलकार सिंह शामिल हुए। अवतार सिंह संधू ने कहा कि दशहरे के त्यौहार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव, सांसद सुनीता दुग्गल, रेलगाड़ियों के ठहराव की मांग को गंभीरता से नहीं ले रहे है, इसलिए उन्होंने दशहरे के त्योहार पर तीनों नेताओं का पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि अहंकार एक दिन रावण का भी समाप्त हो गया था। सरकार व रेलवे अधिकारियों को जनहित के फैसले लेकर तुरंत प्रभाव से यहां रेलगाड़ियों का ठहराव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीण लगातार 17 दिनों से भूख हड़ताल व धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार व प्रशासन उनकी कोई सुध नहीं ले रहा है। प्रदर्शनकारियों में अमरीक नंबरदार, हरपाल नंबरदार, जगदीश नंबरदार, रमेश डांगरा, हनुमान फौजी, नौरंग जांगड़ा, बलजीत जांगड़ा, लीला फतेहपुरी, सतपाल नैन, सदासुख, रामकुमार, घड़सी राम, महिंद्र सिंह आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

राज विस चुनाव में मुख्यमंत्री दूसरे दिन भी किया धुंआधार जनसंपर्क

मतदाताओं को दी भोलावण : कहा- मैं थांसू दूर नहीं

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज लगातार दूसरे दिन अपने विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा में धुंआधार जनसंपर्क किया। उन्होंने कई स्थानों पर आम सभाओं को भी संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं को भोळावण दी कि मैं थांसू दूर नहीं हूं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज दूसरे मंडोर क्षेत्र में जनसंपर्क किया। उन्होंने आज सुबह मंडोर गेस्ट हाउस भलावत बेरा मंडोर से जनसंपर्क शुरू किया। इसके बाद वे मंडोर चौराहा पहुंचे। फिर फूल बाग चौराहा, मानगढ़ गार्डन, गोपी का बेरा, अमृतलाल स्टेडियम नयापुरा, कृष्ण मंदिर पहाडगंज द्वितीय, नरसिंह विहार के पास लाल सागर, रामबाग खेजड़ी के पास कागा रोड आदि स्थानों पर जनसंपर्क किया। उन्होंने जनसंपर्क कर कांग्रेस के पक्ष में वोट मांगे। गहलोत ने इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता शैतानसिंह सांखला द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का विमोचन भी किया। गांधीवादी जननायक नाम से शैतानसिंह सांखला ने मुख्यमंत्री पर पुस्तक लिखी है। इस दौरान राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्रसिंह सोलंकी, राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार, पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच सहित कई वरिष्ठ नेता उनके साथ रहे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनसंपर्क करते हुए सभी को दशहरे की शुभकामनाएं भी दी। साथ ही उन्होंने सरदारपुरा विधानसभा सीट की भोळावण भी हर मीटिंग में दी।

कुरुक्षेत्र के 48 कोस के सभी 164 तीर्थों पर गूंजेंगे गीता के श्लोक

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव इस बार सात से 24 दिसंबर तक मनाया जाएगा। इसके लिए जोरशोर से तैयारियां की जा रही हैं। मुख्य आयोजन पवित्र ब्रह्मसरोवर पर होंगे और यहीं पर शिल्प व सरस मेला भी लगाया जाएगा, लेकिन महोत्सव की झलक कुरुक्षेत्र के 48 कोस के अंर्तगत आने वाले सभी 164 तीर्थों पर दिखाई देगी। यहां न केवल गीता के श्लोक गूंजेंगे, बल्कि हवन यज्ञ व अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इन तीर्थों पर स्कूली बच्चों के कार्यक्रम भी करवाए जाएंगे। यह पहला मौका होगा जब सभी तीर्थों पर इस स्तर का आयोजन होगा। तीर्थ स्थलों पर यह महोत्सव मनाए जाने की शुरुआत हालांकि पिछले वर्ष की गई थी, लेकिन उस दौरान भी 75 तीर्थों पर ही आयोजन किया जा सका था। अब सभी 164 तीर्थों पर महोत्सव मनाने को लेकर न केवल केडीबी व तीर्थ निगरानी कमेटी ने तैयारी शुरू कर दी है, बल्कि तीर्थ कमेटियां भी अपने स्तर पर तैयारी कर रही हैं। संबंधित क्षेत्र की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है, जिसके चलते इस बार महोत्सव में करीब 200 संस्थाओं के जुड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। विदित हो कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 17 से 23 दिसंबर तक होने हैं। इसी दौरान ही पवित्र ब्रह्मसरोवर पर तीर्थ सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी तीर्थ कमेटी के प्रतिनिधि शामिल होंगे और मुख्यमंत्री मनोहर लाल उनके साथ चर्चा करेंगे। इस दौरान तीर्थों के विकास को लेकर भी खाका खींचे जाने की संभावना है। कुरुक्षेत्र के 48 कोस के अंतर्गत 164 तीर्थ हैं, जिनमें सबसे ज्यादा कैथल के 61 तीर्थ शामिल हैं। इसके अलावा कुरुक्षेत्र में 45, करनाल में 39, जींद में 18 और पानीपत में एक तीर्थ शामिल हैं। तीर्थ निगरानी कमेटी के अध्यक्ष एवं केडीबी के मानद सचिव रहे मदन मोहन छाबड़ा का कहना है कि इस बार सभी तीर्थों पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जाएगा, जिसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। सभी तीर्थों पर रंगाई पुताई से लेकर अन्य कार्य पूरे किए जा रहे हैं। यहां गीता पाठ होगा तो अष्टादश श्लोकाच्चारण, हवन यज्ञ व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए जाएंगे। सभी तीर्थों पर दीये भी जलाए जाएंगे।

धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

यमुनानगर (हिंस)। जिले में मंगलवार को बड़ी धूमधाम व श्रद्धाभाव से दशहरा पर्व मनाया गया। यमुनानगर के माडल टाउन स्थित दशहरा ग्राउंड, जगाधरी वर्कशाप स्थित ग्राउंड व अन्य जगहों पर प्रात: के समय ही रावण, मेघनाथ व कुंभकर्ण के बड़े-बड़े पुतले बनाकर खड़े कर दिए गए थे। इन पुतलों को बनाने वाले कलाकारों ने 15-20 दिन पहले ही यह कार्य शुरू कर दिया गया था और मंगलवार को यह पुतले दहन करने के लिए खड़े कर दिए गए। सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ इन स्थानों पर देखी जा रही थी। पुलिस प्रशासन की और से भी सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम किए गए और शहर के हर चौक पर यातायात की सुचारू व्यवस्था चलाने के लिए यातायात पुलिस भी अधिक संख्या में तैनात की गई। दशहरा मैदान में रावण का पुतला 75 फीट और कुंभकर्ण व मेघनाथ का 65 फीट ऊंचा पुतला बनाया गया। इस मैदान में छोटे-छोटे खाने-पीने के स्टाल इन स्थानों के बाहर लगा दिए गए ताकि लोग यहां आकर मनोरंजन का लुत्फ उठा सकें। चूना भट्टी स्थित सिटी सैंटर में भी रावण का पुतला बनाया गया। यहां तक कि कुछ बच्चों ने अपनी-अपनी गलियों में रावण के पुतले बनाकर उनका दहन किया। कोरोना काल में रावण के पुतले निर्धारित स्थान पर नहीं लगाए जा रहे थे। शहर में एक आध ही स्थान था, जहां दशहरे पर रावण का पुतला बनाया जाता था, लेकिन इस बार अधिकतर स्थानों पर रावण के पुतले बनाकर उनका दहन किया गया।

शिकायतकर्ताओं से फीडबैक लेगी हरियाणा पुलिस

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने प्रदेशभर के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में कहा कि लोगों की शिकायतों का निवारण जल्द करना जरूरी है लेकिन साथ ही निष्पक्ष होकर मामले की जांच करना इससे ज्यादा जरूरी है। पुलिस थानों में आने वाली शिकायतों पर की गई कार्यवाही को लेकर अधिकारी शिकायतकर्ताओं को रैंडम कॉल करें और उनसे असंतुष्ट होने का कारण पूछें। इसके आधार पर थानों तथा अधिकारियों की रेटिंग की जाएगी। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से फीडबैक सेल की शिकायत का संज्ञान लेते रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वे कार्य की पारदर्शिता के लिए कॉल रिकॉर्डिंग करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि स्वास्थ्य सुविधाओं और सड़क के बुनियादी ढांचे के लिए एक रोडमैप बनाने का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही भारतीय सड़क और राजमार्ग प्रवर्तन निदेशालय (आईआरईडी) की भागीदारी के साथ *ब्लैक स्पॉट* पर सुधार करने को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। अवैध लाल बत्ती और सायरन के लिए चालान जारी करने के संबंध में कड़े उपायों पर चर्चा की गई। इसके लिए टोल प्लाजा के साथ समन्वय स्थापित किया गया है और ऐसे वाहनों का पंजीकरण रद्द करने के लिए परिवहन विभाग के साथ पत्राचार जारी है। बैठक में कपूर ने कहा कि शादी तथा त्योहारों के सीजन में कई लोग ट्रक ट्राली आदि में तेज आवाज में डीजे चलाते हैं ऐसे वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के साथ-साथ डीजे के मालिक पर भी नियम अनुसार कार्यवाही की जाएगी। बैठक में बताया गया कि उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां पर महिलाओं के साथ मारपीट अथवा छेड़छाड़ की घटनाएं अपेक्षाकृत अधिक है। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ वाले स्थान पर पुलिस कर्मियों की टीमें तैनात की गई है। कपूर ने कहा कि पुलिसकर्मी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के बाहर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले मनचलो के खिलाफ अभियान चलाते हुए महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाए जो यहां पढ़ने वाली छात्राओं से संपर्क में रहे ताकि महिलाएं भी सहजता से उन्हें इस बारे में बता सके। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 53 स्वाट टीमें लगाई जाएंगी। इनमें से 5 टीमें गुरुग्राम जिला,4-4 टीमें फरीदाबाद, सोनीपत तथा पंचकूला,1-1 टीम हांसी, दादरी, सिरसा तथा डबवाली में लगाई जाएगी। बाकी बचे जिलों में दो- दो साथ टीमो को नियुक्त किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर ओ पी सिंह, एडीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरियाणा 112 तथा आईटी अर्शिनदर चावला, एडीजीपी ला एंड आर्डर ममता सिंह, एडीजीपी हिसार श्रीकांत जाधव, एचपीए मधुबन के डायरेक्टर सी एस राव, एडीजीपी रोहतक के के राव, आईजी आधुनिकीकरण अमिताभ ढिल्लों, आईजी राजश्री सिंह, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, आईजी अम्बाला एवं पुलिस आयुक्त सिबास कविराज सहित कई अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने सुनी आमजन की समस्याएं

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मंगलवार को जयपुर से जोधपुर पहुंचे। उन्होंने यहां अपने निवास स्थान पर आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री शेखावत विविध कार्यक्रमों में शरीक हुए। उन्होंने राजपूत सभा भवन बीजेएस शेखावत खांप के संस्थापक महाराव शेखाजी की 590वीं जयंती समारोह में भाग लिया। यहां से एयरपोर्ट पहुंचकर विशेष विमान से सीकर नीम का थाना के लिए रवाना हुए।

विहिप व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया शस्त्र पूजन

हिसार (हिंस)। विहिप व बजरंग दल ने मंगलवार को विजयदशमी के अवसर पर गांव सातरोड स्थित बाबा हरसुखपुरी विद्या मंदिर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धर्म प्रसार विभाग प्रमुख संजीव चौहान ने बताया कि हिंदू धर्म में विजयदशमी से नौ दिन पूर्व ही शक्ति स्वरूपा मां भगवती के विभिन्न स्वरूपों की आराधना शुरू कर दी जाती है। सनातम धर्म में देवी-देवताओं के हाथों में शक्ति स्वरूप खड ?, त्रिशूल, तलवार, गदा एवं चक्र आदि शस्त्र शत्रुओं के संहार हेतु भगवान धारण किए रहते हैं। प्राचीन परंपरा के अनुसार विजयदशमी के दिन शस्त्रों के पूजन की परंपरा है। इस अवसर पर बाबा हरसुखपुरी विद्या मंदिर संचालक एवं विहिप मातृशक्ति मीनाक्षी, जिला उपाध्य प्रवीन गुप्ता, जिला संपर्क प्रमुख सुभाष, जितेंद्र सोनी, मातशक्ति से रुचिका, मोनिका, निशा मुंजाल, बिमला देवी बबीता शर्मा, करीना, मनीषा, रजनी यादव, सुजाता सैनी, लताशा, संतरो, पूजा जौहर, प्रेमांश शर्मा, खुशी शर्मा, ऋतु व मनोज आदि भी मौजूद रहे।

एआई कैमरों से लैस होंगी पंजाब की जेलें, हर हरकत होगी कैदी, अप्रैल तक पूरा होगा प्रोजेक्ट

चंडीगढ़। पंजाब की जेलों में कैदियों और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की अब सीधी नजर रहेगी। अगर कोई भी हरकत होती है तो इस संबंध में पुलिस को तुरंत अलर्ट मिलेगा। इसके बाद पुलिस समय रहते उसे रोकने की दिशा में उचित कदम उठा पाएगी। यह संभव होने जा रहा है पंजाब की जेलों के सुरक्षा चक्र को मजबूत करने के प्रोजेक्ट से। इसके तहत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रोजेक्ट पर पुलिस ने काम शुरू कर दिया है। प्रोजेक्ट अगले साल अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। प्रोजेक्ट निजी कंपनी के सहयोग से आगे बढ़ेगा, जबकि पुलिस इसमें नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगी। प्रोजेक्ट कामयाब रहा तो इसे पुलिस से जुड़े अन्य प्रोजेक्टों में भी लागू किया जाएगा। सूबे की जेलों में कई खूंखार कैदी व गैंगस्टर बंद हैं। उन पर नजर रखना पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। इसके अलावा जेलों में आए दिन फोन, नशा और अन्य सामान मिलने की घटनाओं ने भी पुलिस की सिरदर्दी बढ़ाई हुई है। ऐसे में पुलिस के थिंक टैंक ने एआई से लैस कैमरे लगाने की रणनीति बनाई है। इस दौरान उन राज्यों के मॉडल की भी स्टडी की गई, जो इस सिस्टम के साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत खासकर रात के समय अगर निषिद्ध क्षेत्र में कोई भी अनचाही गतिविधि होगी या किसी व्यक्ति का मूवमेंट होगा तो कैमरा उसे नोटिस करेगा और बीप की आवाज आने लगेगी। जेल में लगे इन कैमरों की मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल एंड कमांड सेंटर भी बनाया जा रहा है। यहां एक जगह से सभी जेलों की गतिविधि देखी जा सकेंगी।

नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप

हिसार (हिंस)। नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। आरोप है कि उनकी लापरवाही से 32 साल के युवक की मौत हो गई। अस्पताल अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच करवाई जाएगी। बताया जा रहा है कि शहर के शिव नगर में रहने वाले जितेंद्र को परिजन बीमारी की हालत में सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उसकी पत्नी शिवानी ने मंगलवार को बताया कि वे मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। दोनों की सात साल पहले शादी हुई थी। शादी से दो लड़के हैं। पति मजदूरी करता था। उसके पति को उल्टी व दस्त लग रहे थे। रात को ज्यादा तबीयत बिगड़ गई। वह अपने पति को मंगलवार सुबह करीब सात बजे ऑटो में नागरिक अस्पताल की इमरजेंसी में लाई। शिवानी ने बताया कि डॉक्टर ने एक बुखार की गोली दी। इसके बाद इमरजेंसी से उसे ओपीडी की पर्ची कटवाने के लिए बोला गया। वे ओपीडी की पर्ची कटने का इंतजार करने लगे। करीब 8.30 बजे पर्ची कटना शुरू हुई। इसके बाद कमरा न.1 की पर्ची कटवाई, जहां करीब 20-25 मिनट में नंबर आया। इसके बाद डॉक्टर ने फिर से इमरजेंसी में भेज दिया। शिवानी ने बताया कि इमरजेंसी में जाने के बाद उसके पति के टेस्ट लिए गए। मौके पर मौजूद स्टाफ ने पति को बाथरूम करवाने के लिए कहा। वह अपने पति को लेकर बाथरूम गई। कुछ देर तक पति बाहर नहीं आए तो देखा कि पति बाथरूम में गिरे हुए थे। एक अन्य व्यक्ति की सहायता से इमरजेंसी में कमरे में लेकर गई। कुछ देर बाद डॉक्टर ने कहा कि आपके पति की मौत हो चुकी है। शिवानी का आरोप है कि पति के इलाज के लिए कभी इमरजेंसी व ओपीडी के चक्कर काटती रही। तीन घंटे तक कोई संभाल नहीं हुई। अगर अगर सही समय पर इलाज होता तो शायद उसके पति की मौत नहीं होती। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। वहीं, अस्पताल अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच करवाई जाएगी। पीएमओ डॉ. रतना भारती ने कहा कि वह किसी बैठक में थी। अस्पताल में मौत की सूचना मिली है।

नेशनल कांफ्रेंस ही सभी समस्याओं का हल निकाल सकती है : वर्मा

उधमपुर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस की एक बैठक जिला प्रधान सुनील वर्मा की अध्यक्षता में वार्ड नंबर-1 में आयोजित की गई जिसमें वहां पर आ रही समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार लोगों की समस्याओं को हल करने में पूरी तरह विफल रही है। बेरोजगारी, महंगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और यह सरकार टैक्स पर टैक्स लगाए जा रही है। उन्होंने कहा कि आगे प्रति परिवार 50 किलो राशन दिया जाता था परंतु अब 5 किलो ही दिया जा रहा है वह भी लोगों को नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को बेसिक सुविधा बिजली व पानी भी नहीं प्राप्त हो रही। पानी की योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य के चुनाव करने के लिए टालमटोल क्यों की जा रही है। हर चुनाव के लिए पहले आश्वासन दिया जाता है फिर टाल दिए जाते हैं। अब निकाय चुनाव भी अनिश्चित समय के लिए टाल दिए गए हैं। जब लोकसभा चुनाव के लिए वातावरण ठीक है तो अन्य चुनावों के लिए वातावरण ठीक क्यों नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह नेशनल कांफ्रेंस को मजबूत करें। वही लोगों की समस्याओं को हल कर सकती है। इस अवसर पर उन्होंने वार्ड नंबर एक निवासी रवि कुमार को वार्ड नंबर-1 उधमपुर पूर्वी का प्रभारी बनाया। बैठक में गुरमीत सिंह, चौधरी हसन दीन, मोहम्मद याकूब, राजिंद्र कुमार, मोहम्मद यूनिस, रघुबीर सिंह, मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद शरीफ, वकील मोहम्मद वसीम के अलावा काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आरएसएस के स्थापना दिवस पर शहर में निकला पथ संचलन

अजमेर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों की ओर से अजमेर शहर में 11 अलग-अलग जगहों पर पथ संचलन निकाला गया। इस दौरान जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पथ संचलन में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हुए। पथ संचलन से पूर्व सभी जगहों पर विजयदशमी पर शस्त्र पूजन किया गया। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस जाब्ता भी मौजूद रहा। इससे पहले अजमेर में दयानंद नगर, वीर सावरकर नगर, दीनदयाल नगर, दाहरसेन नगर, केशव नगर, चाणक्य नगर, विवेकानंद नगर, माधवनगर, मधुकर नगर, सुभाषचंद्र बोस नगर, पृथ्वीराज चौहान नगर का पथ संचलन निकाला गया। ये पथ संचलन शहर के विभिन्न मार्गों पर अलग-अलग जगह निकाला। इसमें अनुशासित स्वयंसेवक ढोल की थाप पर कदम से कदम मिलते हुए चले। आज ही के दिन 1925 में हेडगवार ने नागपुर में संघ की स्थापना की थी। पथ संचलन से पूर्व शस्त्र पूजन किया गया। अलग अलग जगहों पर निकाले गए पथ संचलन के दौरान पुलिस के जवान भी सुरक्षा के लिए तैनात रहे।

दुर्गा पूजा का समापन : बंगाली समाज ने निभाई सिंदूर खेला की रस्म

जोधपुर (हिंस)। बंगाली समाज की ओर से दुर्गाबाड़ी में चल रही माता की पूजा में आज सिंदूर खेला की रस्म के साथ महोत्सव का समापन हुआ। यहां बंगाली समाज की महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर खुशियां मनाई। इसके बाद माता को विदाई दी गई। इस दौरान पान के पत्ते से परंपरा के तहत माता के आंसू पोंछे गए। इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने हिस्सा किया। सिंदूर खेला की रस्म के समय विवाहित महिलाओं ने अपने पति के लंबी उम्र की कामना की। कुंवारी लड़कियां भी मनपसंद वर के लिए इस रस्म में शामिल हुईं। महिलाओं ने बंगाल का पारंपरिक नृत्य धुनुची भी किया। बच्चों से लेकर बड़े भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। महिलाओं ने माता के अगले साल फिर आने की कामना के साथ उन्हें विदाई दी। मान्यता है कि नवरात्र में मां दुर्गा अपने मायके आती है इसलिए जगह-जगह पर उनके पंडाल सजाते हैं। यहां दशमी पर सिंदूर की होली खेल कर मां दुर्गा को विदा किया जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने माता का पूजन भी किया। माता का श्रृंगार करके पारंपरिक परंपराओं के तहत कृत्रिम जलाशय में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान कई महिलाएं भावुक हो गई।

दुनिया ने साबित किया रूस और इजरायल के लिए अलग-अलग हैं कानून : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (हिंस)। गाजा में इजरायल और हमास के बीच युद्ध पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि दुनिया ने साबित कर दिया है कि रूस और इजरायल के लिए अलग-अलग कानून हैं। श्रीनगर में संवाददाताओं से बात करते हुए नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष ने कहा कि गाजा में हो रहे हमलों का पहले दिन से ही हम विरोध कर रहे हैं। गाजा बमबारी में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया ने साबित कर दिया है कि रूस और इजराइल के लिए अलग-अलग कानून हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर सवाल उठाते हुए पूछा कि रूस ने यूक्रेन के साथ जो किया वह एक युद्ध अपराध था, तो फिर इजराइल गाजा के साथ जो कर रहा है वह गलत क्यों नहीं है ? उन्होंने कहा कि दोनों बातें सही नहीं हो सकतीं। अब दुनिया को तय करना होगा कि क्या सही है। एनसी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित जम्मू-कश्मीर के लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने युद्ध की निंदा करके शांति स्थापित करने का आह्वान किया है।

अजय गोयल ने बायजू से दिया इस्तीफा, वेदांता में सीएफओ के रूप में दोबारा हुए शामिल

नई दिल्ली। अनिल अग्रवाल की वेदांता ने बताया कि कंपनी ने मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में अजय गोयल की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

एडटेक मेजर बायजू को ज्वाइन करने के 6 महीने के बाद ही अजय गोयल ने इस्तीफा देकर अपनी पुरानी फर्म वेदांता को दोबारा ज्वाइन किया है। आपको बता दें कि अजय गोयल बायजू में भी सीएफओ ही थे।

कब से संभालेंगे पदभार

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अजय गोयल 30 अक्टूबर से वेदांता के सीएफओ के रूप में पदभार संभालेंगे। अजय गोयल वेदांता के सीएफओ के साथ-साथ कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) भी होंगे।

वेदांता ने किया था डीमर्ज का एलान

हाल ही में वेदांता ने बड़े पैमाने पर डीमर्जर की घोषणा की थी जहां वेदांता ने अपने कारोबार को छह अलग-अलग संस्थाओं में बांटा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वेदांता की वर्तमान सीएफओ सोनल श्रीवास्तव जून में वेदांता से जुड़ी थी और उन्होंने अनिव अग्रवाल को पिछले महीने ही अपने पद से इस्तीफे के बारे में सूचित किया था।

वेदांता से कौन से कंपनियां हो रही हैं डीमर्ज

पेरेंट कंपनी वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड से एल्यूमीनियम, तेल और गैस, बिजली, स्टील और लौह सामग्री, और बेस मटेरियल जैसी कंपनी अलग होंगी और शेयर बाजार में लिस्ट होगी। वेदांता के बोर्ड सदस्यों ने इस डीमर्ज को मंजूरी भी दे दी है।

बायजू को लगा झटका

अजय गोयल का इस्तीफा बायजू के लिए एक झटका हो सकता है। आपको बता दें कि बायजू ने अभी तक 31 मार्च, 2022 तक वर्ष के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा नहीं की है।

3 प्रतिशत से अधिक गिरा है वेदांता का शेयर

सोमवार 23 अक्टूबर को वेदांता लिमिटेड के शेयर में 3.37 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। कंपनी का शेयर कल 7.50 रुपये टूटकर 215.25 रुपये पर बंद हुआ था।

न्यूज़ ब्रीफ

ज्यादा फल-सब्जी खाने के कारण बढ़ रहीं हैं कीमतें, बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

नई दिल्ली। लोग सब्जियों और फलों को अब ज्यादा खाने लगे हैं। इसलिए, इनकी कीमतों में तेजी आ रही है। क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, अब लोग मांस, दालें, फल और सब्जियों जैसे गैर-अनाज उत्पादों को ज्यादा पसंद करते हैं। इससे आपूर्ति की तुलना में सब्जियों की मांग बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादन में अस्थिरता और कीमतों की आपूर्ति-मांग में भारी अंतर से सब्जियों की कीमतों में मौसमी वृद्धि आम हो गई है। खाद्य सूचकांक में सब्जियों का वजन 15.5 प्रतिशत है, जो अनाज व दूध के बाद सर्वाधिक है। मौसम के असंतुलन से प्याज और टमाटर जैसी अक्सर उपयोग होने वाली सब्जियों की कीमतें बढ़ जाती हैं। इससे खाद्य महंगाई भी बढ़ती है। जून में मानसून देरी से आया। जुलाई में भारी बारिश हुई। अगस्त में कम फिर सितंबर में भारी बारिश हुई। इससे फसलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ा। वित्त वर्ष 2016-19 में सब्जियों की महंगाई औसतन 0 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2020-23 के बीच बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गई। 100 महीनों में सीपीआई में सब्जी महंगाई 49 महीने तक औसत 3.8 प्रतिशत से ऊपर थी। 35 महीनों में 7 प्रतिशत से ऊपर, 30 महीनों में 10 प्रतिशत से ऊपर और 13 महीनों में 20 प्रतिशत से ऊपर थी। तीन वित्त वर्ष में भी सब्जी की महंगाई में अस्थिरता देखी गई है। सब्जियों की कीमतों में वृद्धि का एक बड़ा कारण मांग-आपूर्ति का बेमेल है। वित्त वर्ष 2003-23 के बीच सब्जी उत्पादन 2.5 गुना बढ़ गया। फिर भी, प्रति व्यक्ति सब्जी उत्पादन 2 गुना से भी कम बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जियां पूरे वर्ष उगाई जाती हैं। इनमें कोई मूल्य संकेत तंत्र जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य या सरकार की ओर से सुनिश्चित खरीदारी नहीं होती है। चीन के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भले ही सब्जियों के रकबे और उत्पादन में वृद्धि हुई है। लेकिन कटाई, पैकेजिंग, परिवहन, भंडारण और वितरण में इसका बहुत नुकसान होता है (आलू जैसी सब्जियों को कम नुकसान हो सकता था, बशर्ते देश में कोल्ड स्टोरेज बढ़ा होता। सब्जियों की कीमतों में अचानक उछाल का सभी तरह के ग्राहकों पर ज्यादा असर पड़ता है।

बोरोसिल रिन्यूएबल्स कंपनी ने निवेशकों को दिया छप्परफाड़ रिटर्न

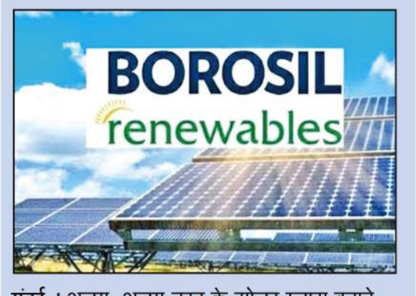

मुंबई। अलग-अलग तरह के सोलर ग्लास बनाने वाली कंपनी बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों ने पिछले कुछ साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों में 300000 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयर इस अवधि में 13 पैसे से बढ़कर 400 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 589.55 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 380.05 रुपये है। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयर 31 अक्टूबर 2003 को मुंबई शेयर बाजार में 13 पैसे पर थे। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 23 अक्टूबर 2023 को 405.85 रुपये पर बंद हुए हैं। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों ने इस अवधि में 312000 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 31 अक्टूबर 2003 को बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता, तब मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 31.12 करोड़ रुपये होती।

भारत का खनिज उत्पादन अगस्त में 12.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का खनिज उत्पादन अगस्त में सालाना आधार पर 12.3 प्रतिशत बढ़ा है। मोदी सरकार ने यह जानकारी दी। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के नए आंकड़ों के अनुसार,

अगस्त, 2023 के लिए खनन एवं संबद्ध क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक 111.9 रहा, जो अगस्त, 2022 की तुलना में 12.3 प्रतिशत अधिक है। खान मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, अप्रैल-अगस्त में सालाना आधार पर खनिज उत्पादन कुल 8.3 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त महीने में देश का कोयला उत्पादन 684 लाख टन, लिग्नाइट उत्पादन 28 लाख टन और बॉक्साइट 14.28 लाख टन रहा।

एसएंडपी ग्लोबल का अनुमान

2030 तक जापान को पछाड़कर भारत बनेगा दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। साल 2030 तक भारत के 7,300 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। वहीं एशिया में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण ने अपने नवीनतम खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में यह बात कही।

जीडीपी 6.2-6.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

वर्ष 2021 और 2022 में दो वर्षों की तीव्र आर्थिक वृद्धि के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने इस साल भी निरंतर वृद्धि दिखाना जारी रखा। मार्च 2024 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.2-6.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी। अप्रैल-जून तिमाही में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, '2024 में लगातार तीव्र विस्तार का अनुमान है, जो घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि पर आधारित है।'

7300 अरब डॉलर होने का अनुमान

अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में मापी गई भारत की वर्तमान कीमतों की जीडीपी 2022 में 3500 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7300 अरब डॉलर होने का अनुमान है। आर्थिक विस्तार की इस तीव्र गति के परिणामस्वरूप 2030 तक भारतीय जीडीपी का आकार जापानी जीडीपी से अधिक हो जाएगा, जिससे भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

यह है सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

अमेरिका वर्तमान में 25,500 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बाद चीन 18,000 अरब डॉलर के साथ दूसरी और जापान 4,200 अरब डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वहीं, भारतीय जीडीपी का आकार 2022 तक ब्रिटेन और फ्रांस की जीडीपी से भी बड़ा हो चुका था। 2030 तक भारत की जीडीपी जर्मनी से भी आगे निकलने का अनुमान है।

अडानी पावर दिवालिया हो चुकी कोस्टल एनरजन खरीदेगी

मुंबई। अडानी ग्रुप की तरफ से 350 करोड़ डॉलर कर्ज को रिफाइनेंस कराने के बाद अब अडानी पावर दिवालिया हो चुकी कोस्टल एनरजन खरीदने की तैयारी कर रही है। अडानी पावर इस डील के काफी करीब पहुंच गई है। यह डील 3,440 करोड़ रुपये में हो सकती है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि दो दिनों तक चली बोली प्रक्रिया में अडानी पावर अव्वल रही है। एक खबर के अनुसार कंपनी का अधिग्रहण करने की दौड़ में शामिल जदिल पावर मैदान से अलग हो गई है। इससे अडानी पावर का रास्ता साफ हो गया है। अडानी पावर की तरफ से कोस्टल एनरजन के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई गई। ईटी के अनुसार अडानी ग्रुप की कंपनी और डिकी ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने मलिकर कोस्टल एनरजन के लिए बडि लगाई। कोस्टल एनरजन के लिए शेरिशा टेक्नोलॉजीज, जिंदल पावर और डिकी ऑल्टरनेटिव ने बोली लगाई थी।

महंगाई की पिच पर ताबड़तोड़ बैटिंग कर रही तुअर दाल, खाद्य तेल की कीमत औंधेमुंह गिरी

नई दिल्ली। भारतीय पिचों पर विराट कोहली का बल्ला जिस तरह से आग उगल रहा है, ठीक उसी तरह महंगाई के पिच पर अरहर दाल बैटिंग कर रही है। जबकि, सरसों तेल, सोया ऑयल जैसे खाद्य तेलों का हाल पाकिस्तान जैसा हो गया है। पिछले 10 महीनों में अरहर दाल की कीमतों में करीब 35 फीसद का उछाल आया है, तब सरसों तेल करीब 19 फीसद सस्ता हो गया है।

उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक तुअर दाल की औसत की कीमत 111.50 रुपये से उछल कर 150.48 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। पिछले 10 महीनों में यह उछाल आया है। अरहर दाल का अधिकतम मूल्य 188 रुपये प्रति किलो और न्यूनतम 75 रुपये था। मॉडल मूल्य 160 रुपये प्रति किलो रहा। इसी तरह उड़द दाल, मूंग दाल, चना दाल भी महंगाई की पिच पर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए, क्रमश: 10.24 फीसद, 11.51 फीसद और 13.76 फीसद उछल चुके हैं। चुनावी साल में भले ही प्याज इस बार लोग की पहुंच से बाहर नहीं हुआ है, लेकिन 10 महीने पहले के मुकाबले यह महंगाई की पिच पर रोहित शर्मा की तरह बैटिंग कर रहा है। प्याज इस अवधि में करीब 40 फीसद महंगा हुआ है। 23 दिसंबर 2022 को प्याज की औसत कीमत 26.65 रुपये प्रति किलो थी, जो अब 27.27 रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि आलू 3.59 फीसद सस्ता होकर 24.41 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। दूसरी ओर चंद महीने पहले जबरदस्त फार्म में चल रहे टमाटर का प्रदर्शन फीका दिख रहा है। हालांकि, 10 महीने पहले के मुकाबले यह भी करीब 10 फीसद चढ़कर 27.19 रुपये से 29.80 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है।

इस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का जिस तरह से हाल है, वैसा खाद्य तेलों का भी हो चुका है। महंगाई की पिच पर खाद्य तेल औंधेमुंह गिरे हैं। सरसों तेल 10 महीने पहले के मुकाबले 168.84 रुपये प्रति लीटर से गिरकर 126.78 पर आ गया है। सूरजमुखी तेल का प्रदर्शन तब बाबर आजम जैसा हो गया है। यह करीब 25 फीसद गिरकर 166 से 125 पर आ गया है। सोया तेल में 18 फीसद से अधिक की गिरावट है।

क्रूड ऑयल की कीमतों में उछाल, देश में रिवाइज हुई पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कल कच्चे तेल की कीमतों 0.04 प्रतिशत बढ़कर 92.18 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गई थी जिसके बाद देश की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपडेट किया है। अगर आपके पास वाहन है तो आपके लिए राहत की खबर है कि तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में आए बिना पेट्रोल और डीजल की कीमतों को राष्ट्रीय स्तर पर स्थिर रखा है हालांकि कीमतों को अलग-अलग शहरों में कुछ पैसों में बदलाव देखने को जरूर मिला है। चलिए जानते हैं आपको शहर में क्या है एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमत।

वेबसाइट के मुताबिक पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं:

- नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

- अन्य प्रमुख शहरों में क्या है रेट
- नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- गुरुग्राम में पेट्रोल 96.99 रुपये और डीजल 89.86 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।
- चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

निवेश के लिए घर खरीदारी बना लोगों की पहली पसंद, वित्त मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय का मानना है कि मकान और गाड़ी के लोन में हो रही लगातार बढ़ोतरी से यह साफ है कि लोग भविष्य में अपनी नौकरी और आय को लेकर निश्चिंत है। आरबीआइ के हालिया सर्वे के मुताबिक, भविष्य की उम्मीदों को लेकर उपभोक्ताओं का विश्वास पिछले चार साल के उच्चतम स्तर पर है। जारी वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले साल में रोजगार और आय के साथ लोगों के खर्च में भी बढ़ोतरी होगी। लोग मकान में इसलिए भी सबसे अधिक निवेश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें आसानी से लंबी अवधि के लिए लोन मिल जाता है और लंबे समय के बाद वित्तीय संपदा के रूप में उन्हें अच्छा खासा रिटर्न मिलता है।

सीमेंट, स्टील जैसे सेक्टर के उत्पादन में इजाफा

मकान की बिक्री में बढ़ोतरी से सीमेंट, स्टील जैसे सेक्टर के उत्पादन में इजाफे के साथ रोजगार का भी सृजन होता है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, मकान के लोन में मई 2021 से लेकर तो वाहन लोन में वर्ष 2022 के अप्रैल से लगातार दहाई अंक की बढ़ोतरी चल रही है। दोनों ही लोन में बढ़ोतरी निजी खपत में बढ़ोतरी दर्शा रही है, जो अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है।

एनबीएफसी के हाउसिंग लोन में 11.2 गुना बढ़ोतरी हुई

बड़े बैंकों के साथ गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) के भी होम और गाड़ी लोन में जबरदस्त इजाफा चल रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में एनबीएफसी ने 20 हजार करोड़ रुपये का हाउसिंग लोन दिया जो वित्त वर्ष 2022-23 में 2.4 लाख करोड़ हो गया। इसका मतलब एक साल में एनबीएफसी के हाउसिंग लोन में 11.2 गुना बढ़ोतरी हुई।

निवेश में पब्लिक सेक्टर की हिस्सेदारी 24.7 प्रतिशत

रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के बाद व्यक्तिगत निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वित्त वर्ष 2022 में यह निवेश दर 28.9 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 29.2 प्रतिशत हो गई और वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में निवेश दर 29.3 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2022 में फिक्स्ड निवेश में सबसे अधिक 40.4 प्रतिशत हिस्सेदारी मकान की खरीदारी की रही।

आईपीओ से पहले ब्लू जेट हेल्थकेयर की भरी झोली

एंकर निवेशकों से जुटाएं 252 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल सामग्री निर्माता ब्लू जेट हेल्थकेयर ने घोषणा की है कि उसने अपनी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) से पहले एंकर निवेशकों से 252 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक ब्लू जेट हेल्थकेयर ने 22 फंड को 346 रुपये प्रति शेयर पर 72.85 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं।

कौन है इस आईपीओ का एंकर निवेशक - ब्लू जेट ने बताया कि सरकारी पेंशन फंड ग्लोबल, बीएनपी पारिबा आर्बिट्राज, सोसाइटी जेनरल, इंटीग्रेटेड कोर स्ट्रेटेजीज (एशिया) पीटीई लिमिटेड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड (एमएफ), एचडीएफसी एमएफ, निप्पॉन इंडिया एमएफ, एडलवाइस एमएफ और बंधन एमएफ इस आईपीओ के एंकर निवेशक है।

कब खुल रहा है कंपनी का आईपीओ ब्लू जेट हेल्थकेयर का आईपीओ 25-27 अक्टूबर के लिए आईपीओ के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ में 2.42 करोड़ शेयरों की बिक्री सिर्फ ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए किया जाएगा। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 329 रुपये से 346 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

कंपनी के आईपीओ के नीचले स्तर यानी 329 रुपये के प्राइस से 799 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद कर रही है तो वहीं उपरी प्राइस बैंड 346 रुपये के हिसाब से 840.27 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद लगा रही है। निवेशक इसमें न्यूनतम 43 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

वर्तमान में कंपनी के पास तीन मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट है - 30 जून, 2023 तक, कंपनी की महाराष्ट्र के शहाद, अंबरनाथ और महाड में तीन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हैं। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2021 में कंपनी ने क्षमता का विस्तार करने के लिए अंबरनाथ में लीजहोल्ड आधार पर एक ग्रीनफील्ड औद्योगिक सुविधा का अधिग्रहण किया है।

कौन है लीड मैनेजर - कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड और जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। ब्लू जेट हेल्थकेयर के इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

देवरा के दूसरे शूट शेड्यूल की शुरूआत करेंगी जान्हवी

– फिल्म में एनटीआर जूनियर भी

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर एक्ट्रेस श्री-देवी की बेटी बालीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर 24 अक्टूबर को अपनी अंडर-प्रोडक्शन फिल्म देवरा के दूसरे शूट शेड्यूल की शुरूआत करेंगी। फिल्म में एनटीआर जूनियर भी हैं। यह फिल्म एनटीआर जूनियर को निर्देशक कोराताला शिवा के साथ उनके आखिरी सहयोग जनथा गैराज के बाद फिर से जोड़ती है, जो 2016 में रिलीज हुई थी। जानकारी के मुताबिक, जान्हवी 24 अक्टूबर को एनटीआर जूनियर के साथ देवरा के लिए दूसरा शूट शेड्यूल शुरू करेंगी। अभिनेत्री ने पहले शेड्यूल की शूटिंग केवल 3 दिनों के लिए की थी। वह अक्टूबर से गोवा में प्रोजेक्ट की शू-टंग में व्यस्त रहेंगी और शूटिंग शेड्यूल लगभग 3 से 4 महीने यानी जनवरी तक बढ़ाया जाएगा। इससे पहले, निर्देशक कोराताला शिवा ने खुलासा किया था कि इसकी कहानी के साथ न्याय करने के लिए फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। कोराटाला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा कि फिल्म तटीय भारत की भूमि पर आधारित है और कैनवास बहुत बड़ा है। जैसे ही हमने फिल्म की शू-टंग शुरू की, कैनवास अपने आप सामने आ गया और बड़ा होने लगा। फिल्म में हर किरदार का अपना महत्व है और उन्हें गहराई से विस्तार तलाशने की जरूरत है, जिसे हम एक हिस्से में उचित नहीं ठहरा सकते। अपने संदेश को समाप्त करते हुए उन्होंने कहा कि इसलिए हमने इस बड़ी कहानी और कैनवास को दो भागों में बताने का फैसला किया। अब तक के सबसे बड़े कैनवस में से एक देवरा को दो भागों में बनाया जाएगा। फिल्म का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है, और इसे नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। बता दें कि जान्हवी ने गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, रूही और बवाल जैसी फिल्मों से अपने फैंस की फेहरिस्त काफी बना ली है। आज उनके लाखों के फैंस उनकी फिल्म रीलिज होने का बेसब्री से इंतजार करते है ।

पश्मीना-धागे मोहब्बत के में ईशा मुख्य भूमिका में

–शो प्रस्तुत करता है मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रेम कहानी

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की अभिनेत्री ईशा शर्मा आगामी शो पश्मीना-धागे मोहब्बत के में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इस मनोरम कहानी में ईशा पश्मीना की भूमिका निभाती है, जो एक जीवंत और उत्साही युवा लड़की है जो प्यार के विचार में विश्वास करती है और अपने लिए एक अनोखी प्रेम कहानी का अनुभव करने का सपना देखती है। एक्ट्रेस ने साझा किया कि कश्मीर में शो की शूटिंग करना एक सपने के सच होने जैसा था। यह शो कश्मीर की जादुई घाटी में मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रेम कहानी प्रस्तुत करता है। कश्मीर में जन्मी पश्मीना अपनी मां प्रीति (गौरी प्रधान) को कश्मीर आने वाले पर्यटकों के लिए हाउसबोट व्यवसाय चलाने में मदद करती है। ईशा ने पश्मीना के अपने चित्रण पर खुलकर बात की। ईशा ने कहा, पश्मीना, टेलीविजन में मेरा पहला कदम होने के नाते, ऐसे स्थान पर शूटिंग करना एक सपने के सच होने जैसा लगता है। यह मेरे दृश्यों को मेरी सर्वोत्तम क्षमताओं के अनुरूप पेश करने के लिए प्रेरणा की एक अतिरिक्त परत जोड़ता है। उन्होंने कहा, कश्मीर की आश्चर्यजनक पृष्ठभूमि हमारी कहानी कहने की वास्तविकता को बढ़ाती है, जो हमारे शो के सार के साथ पूरी तरह मेल खाती है। हमारा लक्ष्य अपने दर्शकों को एक प्रामाणिक और गहन अनुभव प्रदान करना है। अभिनेत्री ने आगे कहा, यह मेरा पहला शो है, और इस अनुभव का हर पहलू पूरी तरह से ताजा और उत्साहजनक लगता है। मुझे निमार्ताओं को श्रेय देना चाहिए क्योंकि यह कहानी के विभिन्न पहलुओं को एक साथ बुनने, निरंतरता बनाए रखने और ऐसी असाधारण स्क्रिप्ट की खोज करने की एक जटिल प्रक्रिया है। अपने किरदार पश्मीना के साथ समानताएं होने पर ईशा ने जवाब दिया, यह किरदार मेरे अपने व्यक्तित्व को बहुत हद तक प्रतिबिंबित करता है। पश्मीना की तरह, मैं भी एक मौज-मस्ती पसंद व्यक्ति हूं जिसे सपने देखना पसंद है। इस शो में प्रतिभाशाली कलाका-रों की टोली है, जिसमें ईशा शर्मा, निशांत मलकानी, हितेन और गौरी तेजवानी शामिल हैं।

रजनीकांत ने गणपत के लिए टाइगर को दी बधाई

– जैकी श्रॉफ ने भी किया सुपर स्टार का धन्यवाद

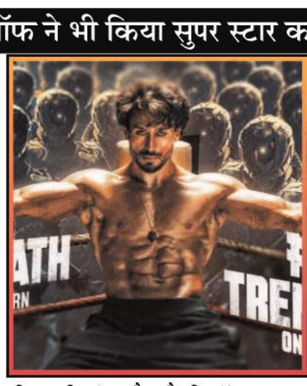

मुंबई (ईएमएस)। सुपरस्टार रजनीकांत ने फिल्म गणपत के लिए टाइगर श्रॉफ को ढेर सारी बधाई और प्यार दिया है। उन्होंने एक्स पर टाइगर श्रॉफ और फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं, जिसके बाद जैकी श्रॉफ ने उनका धन्यवाद किया है। रजनीकांत ने ट्विटर पर लिखा, टाइगर और गणपत की पूरी कास्ट और क्रू को दिल से बधाई। आपको शुभकामनाएं और फिल्म की शानदार सफलता की कामना करता हूं। देखते ही देखते इस ट्वीट पर ढेर सारे कमेंट्स आ गए हैं। इतना ही नहीं टाइगर के पिता एक्टर जैकी श्रॉफ ने रीट्वीट करते हुए खुशी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, थलाइवा रजनी सर, मेरे परिवार को सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद। आपके और आपके परिवार के लिए मेरा प्यार और सम्मान हमेशा रहेगा। मेरे भाई। इसके साथ ही उन्होंने दिल वाला इमोजी भी शेयर किया है। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष प्रदर्शित हुई रजनीकांत की जेलर में जैकी श्रॉफ ने भी भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनका कैमियो रोल था। इससे पहले भी रजनीकांत और जैकी श्रॉफ साथ में काम कर चुके हैं। रजनीकांत और जैकी श्रॉफ ने पहली बार 1987 में फिल्म उत्तर दक्षिण में स्क्रीन शेयर की थी। इस फिल्म में माधुरी दीक्षित, भारती, अनुपम खेर, परेश रावल और कुलभूषण खरबंदा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में थे।

34 साल के अंतराल के बाद अब दोनों ने जेलर में साथ काम किया। फिल्म में जैकी ने एक पूर्व अपराधी की भूमिका निभाई है। बात अगर टाइगर की गणपत की करें तो फिल्म में ढेर सारा एक्शन है। टाइगर के साथ कृति सेनन भी इस फिल्म में हैं और वह भी फुल एक्शन में नजर आ रही हैं। फिल्म का डायरेक्शन चिल्लर पार्टी, क्वीन, सुपर 30 और गुडबाय जैसी फिल्मों के डायरेक्टर विकास बहल ने किया है। कृति और टाइगर इससे पहले भी एक साथ फिल्म में नजर आ चुके हैं। इससे पहले वह हीरोपंति में एक साथ काम कर चुके हैं और ये फिल्म 9 साल पहले 2014 में आई थी। बता दें कि टाइगर श्रॉफ की फिल्म गणपत लंबे इंतजार के बाद आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। जिसे पहले ही दिन दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।

बेटियों संग मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंची सुष्मिता

इस वक्त देश में हर तरफ दुर्गा पूजा की धूम मची हुई हैं। हर साल की तरह इस बार भी बॉलीवुड इंडस्ट्री में दुर्गा पूजा की धूम देखने को मिल रही है। ऐसे में अभिनेत्री सुष्तिता सेन भी मां दुर्गा की भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। सुष्मिता अपनी फैमिली के साथ मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने दुर्गा पंडाल पहुंची,जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही हैं। सुष्मिता सेन पिंक कलर की साड़ी में सज धज कर मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंची। इस दौरान उन्होंने अपनी दोनों बेटियों के साथ मां दुर्गा को नमन किया और उनके साथ खूबसूरत पोज भी देती नजर आईं। माता रानी के दर्शन के बाद एक्ट्रेस वहां मौजूद लोगों के साथ धुनुची डांस करती नजर आईं। पंडाल से एक्ट्रेस की ये तस्वीरें फैंस का खूब दिल जीत रही हैं।

लियो देखते हुए प्रेमी युगल ने की सगाई

– सिनेमाघर में प्रेमिका को पहना दी अंगूठी

मुंबई (ईएमएस)। साउथ एक्टर थलापति विजय की फिल्म लियो की सफलता का उसके फैंस जमकर जश्न मना रहे हैं। विजय के एक फैन ने तो थिएटर में फिल्म देखते-देखते अपनी गर्लफ्रेंड से सगाई कर ली। तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में विजय के एक बड़े फैंस ने सिनेमाघर में अपनी प्रेमिका को अंगूठी पहना दी। दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लड़के का नाम वेंकटेश और लड़की का मंजुला बताया जा रहा है। वीडियो में कपल एक दूसरे को अंगूठी पहनाकर गले में माला पहनाते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों ने पारंपरिक पोशाक भी पहनी हुई है। सिनेमाहॉल में मौजूद लोग भी उनकी सगाई का हिस्सा बने नजर आ रहे हैं। वेंकटेश की मानें तो वह विजय को अपना सबकुछ मानता है। वेंकटेश ने कहा, मेरी ना तो मां है और ना ही पिता, विजय ही मेरे सब कुछ हैं। इसलिए मैंने उनकी मौजूदगी में सगाई की है। मैं इसके लिए पिछले 8 महीनों से इंतजार कर रहा था। कल हम पेरूमाल मंदिर में शादी करेंगे। बात अगर विजय की फिल्म लियो की करें तो फिल्म ने पहले दिन वर्ल्डवाइड लगभग 140 करोड़ का बिजनेस किया है। जिसके बाद इस फिल्म ने शाहरुख खान की जवान को पछाड़ दिया है। फिल्म में थलापति विजय के साथ-साथ तृषा कृष्णन और संजय दत्त भी अहम भूमिका में हैं। संजय दत्त ने इस फिल्म में विलेन का किर-दार निभाया है। उनके किरदार को भी काफी पसंद किया जा रहा है। संजय दत्त साउथ की अन्य फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। फिल्म को हिंदी समेत पांच भाषाओं में रिलीज किया गया था। तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिंदी, सभी भाषाओं में फिल्म को बेहतरीन रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म हाउसफुल चल रही है और इसका कारण विजय की फैन फॉलोइंग बताई जा रही है।

एक बार फिर दुल्हन बनी करीना कपूर

बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान एक बार फिर दुल्हन बन गईं। करीना की दुल्हन बनीं तस्वीरें इस समय सोशल मीडिया पर छाईं हुईं हैं। दर-असल, करीना मसाबा ब्राइड बनी हैं। रेड सूट में करीना बला की खूबसूरत लग रही हैं। लंबा सा घूंघट..कजरारे नैन,बड़ी सी बिंदी दुल्हन बनी करीना के लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। मसाबा ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट ब्राइडल कलेक्शन शेयर किया है जहां 43 की उम्र में भी बेबो अपने हुस्न का जलवा बिखेरती हुई नजर आ रही हैं।

नई तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया क्लो ने

हाल ही में एक बार फिर हॉलीवुड एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन ने अपनी नई तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। लुक की बात करें तो क्लो स्लिवर ऑफ शोल्डर ड्रेस में हॉट लग रही हैं। उनकी ये ड्रेस साइड कट भी है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग हाई हील्स पेयर की हैं। न्यूड लिप्स और मिनिमल मेकअप में वह अपना दिलकश अंदाज दिखा रही हैं। ड्रेस में एक्ट्रेस अपनी कर्वी बॉडी फ्लॉन्ट करते हुए एक से बढ़कर एकपोज दे रही हैं। क्लो कार्दिशियन हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह अपने काम के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 311 मिलियन फॉलोअर्स हैं। एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन काम से ज्यादा अपने हॉट लुक्स के कारण सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

कंगना रनौत की 'बिग बॉस-17' के घर में एंट्री, कंटेस्टेंट की लेंगी क्लास

हाल ही में बिग बॉस-17 एपिसोड का प्रोमो सामने आया है, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत घर में एंट्री करती नजर आ रही हैं। इससे पहले उन्होंने सलमान खान के साथ स्टेज पर खूब मस्ती की। इस बार ये दोनों बिग बॉस के मंच पर एक दूसरे से फ्लर्ट करते नजर आए।

बिग बॉस-17 के पहले हफ्ते के लिए सलमान खान होस्ट के तौर पर वापस आ गए हैं। वीकेंड का वार में पहले हफ्ते ही खूब ड्रामा देखने को मिला है। अब इस एपिसोड के दूसरे दिन का प्रोमो सामने आ गया है। सलमान खान इस एपिसोड को होस्ट करते नजर आए। इस बार उन्होंने मंच पर कंगना रनौत का स्वागत किया। कंगना एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिनके साथ फ्लर्ट करने की हिम्मत किसी में नहीं होती। हालांकि, सलमान खान ने ऐसा करने की हिम्मत की है। वीकेंड का वार में कंगना रनौत ने बिग बॉस के सेट पर धमाकेदार एंट्री मारी है।

अपनी आने वाली फिल्म तेजस का प्रमोशन करने पहुंचीं कंगना रनौत ने बिग बॉस के घर में खूबसूरत वन-पीस गाउन पहना था। कंगना का लुक देख सलमान खान उनसे फ्लर्ट कर रहे थे। कंगना ने सलमान से अपनी फ़्लर्टिंग स्किल्स दिखाने के लिए कहा और उन्होंने तुरंत पिक-अप लाइनें देना शुरू कर दिया। सबसे पहले सलमान ने कंगना की तारीफ करते हुए कहा, आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं। कंगना ने भी उन्हें जवाब देते हुए थैंक्यू कहा। इसके बाद सलमान और कंगना ने फिल्म किसी का भाई किसी की जान के गाने पर डांस किया। इसके बाद कंगना बिग बॉस-17 के घर भी गईं, जहां प्रतियोगियों ने अपने-अपने तरीके से उनका मनोरंजन किया। अंकिता और विक्की ने शानदार डांस किया। मन्नारा चोपड़ा ने खुद कंगना के साथ डांस किया। आखिर में ऐश्वर्या शर्मा की झलक भी दिखी। इसमें वह कंगना का मशहूर डायलॉग बोलती नजर आ रही थीं। ये सब देखकर कंगना की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस बार सलमान खान के साथ कंगना रनौत भी कंटेस्टेंट क्लास लेने पहुंचीं।

गरीब महिलाओं के लिए शाहरुख खान के बेटे ने दिखाई दरियादिली, खूब बांटे पैसे

एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने गरीब महिलाओं के लिए खूब दरियादिली दिखाई है। इससे आर्यन खान एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर आर्यन खान से जुड़ा एक वीडियो वायरल है जिसे देखकर लोग किंग खान के बेटे की दरियादिली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सामने आए इस वीडियो में आर्यन खान की गाड़ी मुंबई के ट्रैफिक में फंसी हुई दिखी। इस दौरान आर्यन खान ने कुछ ऐसा किया, जिससे उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, कुछ गरीब महिलाएं उनकी गाड़ी के सामने आकर उनसे पैसे मांग रही थीं। ऐसे में आर्यन ने अपने ड्राइवर को ढेर सारे पैसे देकर भेजा और उन महिलाओं में बांटने के लिए कहा। वहीं अब शाहरुख के बेटे की ये दरियादिली देख हर कोई उनकी तारीफ करने को मजबूर हो गया है। कई लोग आर्यन के इस जेस्चर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर किसी एक ने कमेंट में लिखा कि गरीबों की मदद करना उनके ट्रेडिशन में है। इसकी बहन सुहाना खान ने भी पहले एक बार ऐसा ही किया था।

सूडोकु नवताल- 6592

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6591 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7339

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आगरा,अलीगढ़,इलाहबाद,आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ.

शब्दजाल - 7338 का हल

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6292

7		4			3	
1	34		28	2	29	6
	5	2	6		1	7
2	31	6	33	4	28	
		1			2	
6	33	3	33	6	34	
		7	4			5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6291 का हल

5	6	1	4	7	2	3
1	29	5	30	2	31	6
4	5	2	6	3	1	7
2	36	6	31	4	26	1
7	6	4	1	5	3	2
6	38	3	31	6	32	4
3	2	7	4	1	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

वनडे क्रिकेट का भविष्य अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों पर निर्भर करेगा : जो रूट

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने स्वीकार किया कि वह वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर अनिश्चित हैं कि यह कितने समय तक जीवित रहेगा।

ये बात तो हर कोई जानता है कि वनडे क्रिकेट में धीरे-धीरे काफी गिरावट आ रही है। भारत में विश्व कप के शुरुआती ढाई हफ्तों के दौरान काफी हद तक यह महसूस किया गया।

टेलीग्राफ ने रूट के हवाले से कहा, इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या यह प्रारूप अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब भी प्रासंगिक है। कौन जानता है कि भविष्य में चीजें कैसे आगे बढ़ेंगी इसका बहुत बड़ा इतिहास है और यह फॉर्मेट क्रिकेट में बहुत कुछ लेकर आया है।

मेरे करियर के दौरान इसने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए यह हमेशा मेरे दिल का एक बहुत ही खास हिस्सा रहेगा। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सवाल है जो अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों और खेल को देखने वाले हर किसी के सामने रखा जाना चाहिए।

यह इस पर निर्भर नहीं होना चाहिए, क्या यह खेल के लिए सबसे अधिक पैसा ला रहा है, यह इस बात पर निर्भर होना चाहिए कि लोग क्या देखना चाहते हैं और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों का नजरिया क्या है।

हाल के वर्षों में इंग्लैंड द्वारा खेले गए वनडे मैचों की कमी पर प्रकाश डालते हुए रूट ने इस बात पर जोर दिया कि उनका खिताब बचाने के लिए इंग्लैंड की खराब शुरुआत के लिए कोई बहाना पेश करने का कोई इरादा नहीं था, जिसके कारण उन्हें अपने पहले चार मैचों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा।

2019 विश्व कप में अपनी जीत के बाद से, इंग्लैंड के कार्यक्रम में टेस्ट क्रिकेट का वर्चस्व रहा है। उन्होंने उस अवधि में 56 टेस्ट खेले हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और भारत 39 के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

2015 और 2019 विश्व कप के बीच चार वर्षों में इंग्लैंड ने 88 वनडे मैच खेले, जबकि गत चैंपियन ने 2023 विश्व कप की तैयारी में सिर्फ 42 वनडे मैच खेले। जब आप इस प्रारूप में नहीं खेल रहे होते हैं, तो यह जानना कठिन होता है कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कौन हैं। स्वाभाविक रूप से उचित तरीके से भाग लेना अच्छा होता।

अपने पहले चार मैचों में तीन हार से जूझ रहे इंग्लैंड को पता है कि अगर उन्हें सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो उन्हें बड़े बदलाव की जरूरत है, क्योंकि पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की जीत के बाद गत चैंपियन तालिका में सबसे नीचे है।

इंग्लैंड के लिए समीकरण सरल है। अगर उन्हें नॉकआउट चरण में पहुंचना है तो उन्हें अपने बाकी बचे कम से कम चार और संभवत: सभी पांच मैच जीतने होंगे।

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा के एथलीट राष्ट्रीय खेलों में गौरव हासिल करने के लिए तैयार

भुवनेश्वर। गोवा में आगामी राष्ट्रीय खेलों के लिए देश भर के बेहतरीन एथलीटों की तैयारी के साथ, ओडिशा

भी प्रभावशाली प्रदर्शन दर्ज करने के लिए तैयार है। 309 एथलीटों के दल के साथ राज्य अपने एथलीटों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच देने का इच्छुक है। उनकी अच्छी स्थिति का श्रेय गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और उच्च-प्रदर्शन केंद्रों को दिया जा सकता है। ओडिशा रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर के प्रमुख मार्टिन ओवेन्स ने प्रतियोगिता से पहले अपने विचार साझा किए और गोवा में टीम के मनोबल, मजबूत तैयारी और आत्मविश्वास को दोहराया। ओडिशा रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर के कुल 12 एथलीट राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा का प्रतिनिधित्व करेंगे। मार्टिन ओवेन्स ने कहा, मनोबल बहुत ऊंचा है, हम पिछले साल उतने आश्वस्त नहीं थे लेकिन इस बार हम बेहतर करेंगे। उन एथलीटों के लिए जो एशियाई खेलों में नहीं गए और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे थे, राष्ट्रीय खेल पूरे वर्ष के लिए प्रमुख फोकस रहे हैं। यह उनके लिए खुद को साबित करने का बड़ा मौका है। हमनेहाल ही में ओपन नेशनल में अच्छा प्रदर्शन किया और वर्तमान में चंडीगढ़ में इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2023 में भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, यह सब राष्ट्रीय खेलों के लिए हमारी तैयारी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के दृष्टिकोण के नेतृत्व में ओडिशा सरकार ने एथलेटिक्स में निवेश किया है और नीता अंबानी द्वारा संचालित रिलायंस की प्रतिबद्धता के साथ मिलकर, उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग और उच्च गुणवत्ता वाली प्रक्रियाओं को लाने का मतलब है कि उनके पास वास्तविक है लाभ। जरूरी नहीं कि हमारे पास हमेशा सर्वश्रेष्ठ एथलीट हों, लेकिन हमारे पास सर्वश्रेष्ठ तैयार एथलीट हैं और हमें पदक जीतने की उम्मीद है। पुरुष: दोंदापति जयराम (100 मीटर) (4×100 मीटर रिले), अनिमेष (200 मीटर) (4×100 मीटर रिले), लालू प्रसाद बोई (4×100 मीटर रिले), आर्यन एक्का (4×100 मीटर रिले), अभिसेख (4×100 मीटर रिले), स्वाधीन कुमार माझी (हाई जंप), किशोर कुमार जेना (जेवलिन) महिला: प्रज्ञान प्रशांत साहू (100 मीटर बाधा दौड़) (4×100 मीटर रिले), मनीषा (लंबी कूद) (4×100 मीटर रिले), सबिता टोप्पो (4×100 मीटर रिले), सुखी बास्की (4×100 मीटर रिले), सुस्मिता तिग्गा (3000 मीटर एसटी चेज़)

एंडी मरे ने स्विस इंडोर्स के शुरूआती मैच में यानिक हनफमैन को दी मात

बेसल। पूर्व नंबर 1 एंडी मरे ने जर्मन यानिक हनफमैन को 7-5, 6-4 से हराकर स्विस इंडोर्स

बेसल में तीन मैचों की हार का सिलसिला तोड़ते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया। डी मरेका अगला मुकाबला अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी से होगा, जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 1-6, 6-3 से हराया। एटीपी 500 इवेंट में मरे की यह तीसरी उपस्थिति है। वह पिछले साल दूसरे दौर में पहुंचे थे और इससे पहले 2005 के बाद से बेसल में नहीं खेले थे। एटीपी टूर ने एंडी मरे के हवाले से कहा, यह कठिन था। पहले चार या पांच गेम लगभग 45 मिनट के थे। मुझे याद नहीं कि मैंने पहले भी इस तरह का कोई मैच खेला हो, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा मैच रोमांचक होता गयाऔर अंतिम मिनटों में मुझे मौके मिले जिसका मुझे लाभ मिला।

इब्राहिम जदरान का बयान तुरंत हो गया सोशल मीडिया पर वायरल, अपना अवॉर्ड पाकिस्तान से वापस भेजे गए अफगानियों को किया डेडिकेट

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जदरान ने अपना प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड उन अफगानियों

को समर्पित किया, जिन्हें पाकिस्तान से वापस भेजा गया था। इब्राहिम जदरान ने अफगानिस्तान की पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत के बाद यह बयान दिया, जो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया। बता दें कि अफगानिस्तान ने वर्ल्ड कप 2023 के 22वें मैच में पाकिस्तान को 6 गेंदें शेष रहते 8 विकेट से मात दी। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करके 50 ओवर में सात विकेट खोकर 282 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान ने 49 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। पता हो कि अफगानिस्तान ने वनडे इतिहास में पहली बार पाकिस्तान को मात दी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच कुल 7 वनडे खेले गए थे, जिसमें हर बार पाकिस्तान ने जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान ने बड़े मंच पर पाकिस्तान को धूल चटाई और क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया।

अवनि लेखरा ने स्वर्ण पर साधा निशाना

पैरा एशियाई खेलों में भारत के कुल 17 पदक हुए

नई दिल्ली।
पैरा एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अवनि लेखरा सहित भारत ने पैरा एशियाई खेलों में छह स्वर्ण सहित कुल 17 पदक अपनी झोली में डाले। उनके अलावा शैलेश कुमार (पुरुष ऊंची कूद, टी-63), प्रणव सूरमा (पुरुष क्लब थ्रो, एफ-51), निशाद (पुरुष ऊंची कूद, टी-47), अंकुर धामा (पुरुष 5000 मीटर टी-11), प्रवीण कुमार (पुरुष ऊंची कूद टी-64, टी-44) ने भी अपने-अपने खेलों में स्वर्ण पदक जीत लिए।

249.6 अंक के साथ अवनि का रिकॉर्ड स्कोर

राजस्थान की अवनि ने महिलाओं की आर2 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 श्रेणी में 249.6 अंक के इन खेलों के रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण जीत लिया। 21 वर्षीय अवनि 2012 में एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थीं, जिसके बाद से वह व्हीलचेयर पर हैं। ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा से प्रेरित होकर उन्होंने 2015 में निशानेबाजी में हाथ आजमाना शुरू किया और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पुरुष क्लब थ्रो एफ-51 में तीनों पदक भारत के नाम

पुरुषों क्लब थ्रो एफ-51 स्पर्धा का रजत और कांस्य पदक भी भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहा। सूरमा ने 30.01 मीटर के प्रयास के साथ एशियाई पैरा खेलों का नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण जीता, जबकि धरमबीर (28.76 मीटर) और अमित कुमार (26.93 मीटर) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में केवल चार प्रतियोगी थे, जिसमें सऊदी अरब के राधी अली अलार्थी 23.77 मीटर के थ्रो के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

चार एथलीट नहीं होने से भारत को नहीं मिला कांस्य

पुरुषों के ऊंची कूद टी63 श्रेणी में भी भारत के तीन खिलाड़ी शीर्ष तीन स्थान पर रहे, लेकिन एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) नियमों के तहत, इस स्पर्धा में केवल स्वर्ण और रजत दिए गए। इस स्पर्धा में सिर्फ तीन भारतीयों ने ही चुनौती पेश की थी। एपीसी के 'माइनस वन नियम' के तहत, शैलेश ने एशियाई पैरा गेम्स में 1.82 मीटर की रिकॉर्ड छलांग के साथ स्वर्ण जीता, जबकि मरियप्पन थंगावेलु (1.80 मीटर) ने रजत जीता। एपीसी नियमों के तहत, गोविंदभाई रामसिंगभाई पाधियार (1.78 मीटर) कांस्य नहीं जीत सकते। तीनों पदक जीतने के लिए कम से कम चार एथलीटों का मैदान में होना जरूरी है। ऐसे में भारत का एक पदक कम हो गया।

छह खिलाड़ियों को रजत

छह भारतीय खिलाड़ियों ने रजत पदक जीते। मरियप्पन के अलावा प्राची यादव (पैरा केनाइ, महिला वीएल-2), धर्मबीर (पुरुष क्लब थ्रो, एफ-51), रुद्रांश खंडेलवाल (मिश्रित 50 मीटर पिस्टल, एसएच1), रामपाल (पुरुष ऊंची कूद, टी-47), कपिल परमार (पुरुष 60 किग्रा, जूडो-जे1) ने रजत हासिल किए।

कांस्य जीतने वाले खिलाड़ी

अमित सरोहा (पैरा क्लब थ्रो, एफ-51), मोनू घंघस (पुरुष गोला फेंक, एफ-11), उन्नी रेनू (पुरुष ऊंची कूद, टी-64, टी-44), अरुणा तंवर (महिला ताइकवांडो, के-44, 47 किग्रा) और कोकिला (महिला, जूडो 48 किग्रा, जे2)।

पीएम मोदी ने पदक विजेताओं को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, स्वर्ण पदक जीतने पर अविन, शैलेश, प्रणव, निशाद, अंकुर, प्रवीण को बधाई। आप लोगों ने देश को गौरवान्वित किया है। सभी का अविश्वसनीय कौशल रहा है। मैं रजत और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को भी बधाई देता हूं। भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

गोवा जाएंगे उत्तराखंड के अधिकारी, राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की लेंगे सीख; तैयारी में जुटी सरकार

देहरादून।
प्रदेश में अगले वर्ष आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों जोरों पर है। प्रदेश सरकार इन खेलों के सफल आयोजन के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। यही कारण है कि सरकार अब खेल विभाग के अधिकारियों को इन खेलों के आयोजन के संबंध में जानकारी लेने के लिए गोवा भेज रही है। ये अधिकारी वहां चल रही विभिन्न खेल स्पर्धाओं के आयोजन के तरीकों, खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था व प्रबंधन के बारे में जानकारी लेंगे। प्रदेश में अगले वर्ष प्रस्तावित 38वें राष्ट्रीय खेलों को लेकर सरकार अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। प्रदेश सरकार की मंशा इन राष्ट्रीय खेलों में 38 खेल स्पर्धाएं कराने की है। जिनमें 34 खेल भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा स्वीकृत हैं और चार खेल प्रदेश सरकार अपने स्तर से रखने की तैयारी कर रही है। इन राष्ट्रीय खेलों के लिए यह तय किया जा चुका है कि कौन-कौन सी प्रतियोगिताएं किस जिले में कराई जानी हैं। इसके साथ ही खेल गांव को लेकर भी स्थान का चयन हो चुका है। यहां पर अवस्थापना सुविधाओं को बढ़ाने का काम चल रहा है। विभाग खेलों के आयोजन पर ध्यान दे रहा है। यह देखा जा रहा है कि खेलों का आयोजन किस प्रकार किया जाना है। खिलाड़ियों के रहने व खाने की व्यवस्था किस प्रकार की जाएगी। किस प्रकार भीड़ प्रबंधन किया जाना है। आयोजन स्थलों में किन चीजों को रखा जाना आवश्यक है। खेलों में प्रबंधन किस प्रकार का होगा। इन्हीं विषयों की जानकारी लेने के लिए खेल विभाग के अधिकारी गोवा जा रहे हैं। वहां वे आयोजकों से इस संबंध में विस्तृत जानकारी लेंगे। इसी सप्ताह इन अधिकारियों के गोवा जाने की उम्मीद है।

एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट ऋतुजा भोसले को ओलंपिक में जगह बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पुनित बालन ग्रुप का मिला पूरा समर्थन

पुणे।
हांगझू एशियाई खेलों की सफलता के साथ-साथ भारतीय टेनिस स्टार ऋतुजा भोसले अब 2024 पेरिस ओलंपिक्स कोटा सुरक्षित करने का लक्ष्य रख रही हैं और पुनीत बालन ग्रुप (पीबीजी) के अविचल समर्थन के साथ टॉप-200 में पहुंचकर और भी अधिक ग्रैंड स्लैम प्रस्तुति सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। पीबीजी ने सदैव उसकी उत्कृष्टता की यात्रा में दो सालों से एक स्थिर स्तंभ सहारे के रूप में प्रदान किया है।

रुतुजा को पुनित बालन ग्रुप (पीबीजी) के अध्यक्ष पुनित बालन तथा महाराष्ट्र रणजी क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान रुतुजा के पति स्वप्निल गुगले और जान्हवी धारीवाल बालन और उनकी मां की उपस्थिति में सम्मानित किया। सम्मान समारोह में बोलते हुए ऋतुजा ने अपने विचार और दृढ़ संकल्प को साझा किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, पुनित बालन ने कहा, ऋतुजा देश के कई युवा महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक आदर्श हैं। एक समूह के रूप में पीबीजी ऋतुजा जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का समर्थन करने और उन्हें आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यकीन है कि ऋतुजा ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा के लिए कड़ी मेहनत करेंगी और अपने लक्ष्य की ओर अपनी यात्रा जारी रखेंगी और ग्रैंड स्लैम में उपस्थिति सुनिश्चित करेंगी। भोसले ने पुनीत बालन ग्रुप की सहायता से अपनी विश्व रैंकिंग में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसके

परिणाम स्वरूप एकल में करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 313 हो गई है। उन्होंने पिछले दो वर्षों में सात आईटीएफ खिताब भी जीते हैं जिनमें छह युगल वर्ग में शामिल हैं। जबकि वित्तीय सहायता ने उन्हें अधिक राहत दी है और उन्हें धन की कमी और विभिन्न अन्य चुनौतियों के बारे में चिंता करने के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की, ऋतुजा ने पीबीजी को उनके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। पुनित बालन टेनिस, हैंडबॉल, टेबल टेनिस, खो खो, बैडमिंटन, क्रिकेट, आर्म रेसलिंग और शतरंज में विभिन्न खेल लीगों में आठ खेल टीमों के मालिक हैं। इसके अलावा वे कई खेल विषयों में देश भर के करीब 60 महत्वाकांक्षी एथलीटों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान को मिली हार, अब्दुल रज्जाक ने बाबर को ठहराया दोषी

मुंबई।
आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान टीम का अभी तक जो प्रदर्शन रहा है, उसके बाद कप्तान बाबर आजम पर सवाल उठ रहे है। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में अभी तक कुल पांच मैच में दो ही जीते है, जबकि तीन मैचों में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का शानदार आगाज किया था, लेकिन फिर बाबर एंड कंपनी को भारत, ऑस्ट्रेलिया और अब अफगानिस्तान के खिलाफ हार का स्वाद चखना पड़ा है।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान मैच में ऐसा माना जा रहा था कि पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं और पिच बल्लेबाजों की मददगार ही नजर आई। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग कर 50 ओवर में सात विकेट पर 282 रन बनाए, जिसमें कप्तान बाबर आजम ने 74 रन भी शामिल थे। पाकिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा रन बाबर के बैट से ही निकले थे, लेकिन इसके बावजूद पूर्व ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक ने बाबर को ही हार का दोषी ठहराया है। अब्दुल रज्जाक ने कहा, आजम ने 92 गेंदों पर 74 रनों की पारी खेली, जिसका खामियाजा हमें अफगानिस्तान के खिलाफ भुगतना पड़ा।

आप दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज कैसे हो सकते हैं अगर आप एक सीधा छक्का नहीं लगा सकते हैं अगर बाबर जल्दी आउट हो गया होता, तब शादाब खान और इफ्तिखार अहमद को और ज्यादा गेंदें खेलने का मौका मिला होता और पाकिस्तान ने और ज्यादा रन

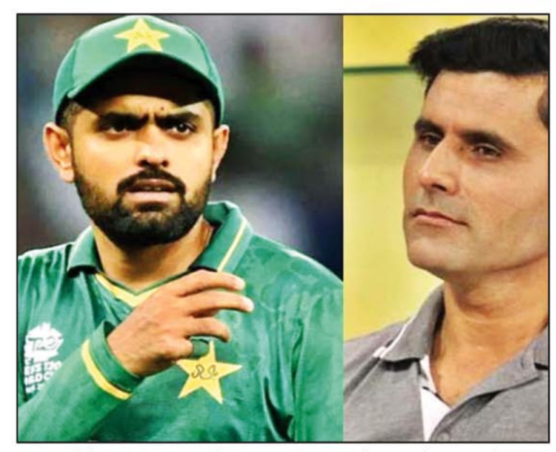

बनाए होते। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सामने जीत के लिए 283 रनों का टारगेट रखा था और अफगानिस्तान ने 49 ओवर में महज दो विकेट गंवाकर ही 286 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान ने इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को भी धूल चटाई है। इंग्लैंड डिफेंडिंग चैंपियन है और फिलहाल आईसीसी वर्ल्ड कप पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है। वर्ल्ड कप पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर फिलहाल भारत है। पाकिस्तान पांचवें स्थान पर बना हुआ है, जबकि छठे नंबर पर अफगानिस्तान आ गया है।

पाक पर जीत के बाद इरफान के साथ झूमे राशिद

बाबर का नबी से अपने जूतों की लेस बंधवाने से इनकार

मुंबई।
अफगानिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान पर 8 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। चेन्नई के चेपॉक मैदान पर मैच देखने आए दर्शकों ने अफगानिस्तान को चीयर किया। मैच जीतने के बाद अफगानी प्लेयर्स ने अपने देश का झंडा लपेटकर पूरे ग्राउंड का चक्कर लगाया। इस दौरान कॉमेंटेटर इरफान पठान लेग स्पिनर राशिद खान के साथ डांस करते नजर आए। पाकिस्तान ने पूरे मैच में खराब फील्डिंग की, वहीं इब्राहिम जादरान डीआरएस लेने के कारण बच गए।

नबी ने बाबर को क्रीज में रहने की वॉर्निंग दी – अफगानिस्तान के ऑफ स्पिनर मोहम्मद नबी ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को क्रीज के अंदर रहने की वॉर्निंग दी। पहली पारी का 16वां ओवर नबी करने आए, ओवर में गेंद डलने से पहले बाबर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर अपनी क्रीज से बाहर निकल आए। नबी को ये बात पसंद नहीं आई, उन्होंने गेंद नहीं फेंकी और बाबर को क्रीज में रहने की वॉर्निंग दी।

क्रिकेट में नॉन-स्ट्राइकर एंड के प्लेयर बॉलिंग के दौरान भी रन आउट करने का नियम है, जिसे मांकडिंग भी कहते हैं। नबी ने बाबर को वॉर्निंग दी कि अगर वह क्रीज से जल्दी बाहर निकलेंगे तो वह उन्हें भी मांकडिंग कर देंगे।

बाबर ने नबी से जूत की लेस बंधवाने से मना किया – बाबर और नबी के बीच 16वें ओवर में हीटेड मोमेंट दिखने के बाद एक खूबसूरत मोमेंट भी देखने को मिला। नबी के ओवर में बाबर आजम के जूतों की लेस खुल गई। उन्होंने गेंदबाज को लेस बांधने के लिए पूछा, नबी आ भी गए लेकिन बाबर ने नबी के सम्मान में उनसे लेस बंधवाने से मना कर दिया। बाबर तुरंत ही दूसरी ओर पलटे और ग्लव्स निकालकर अपनी लेस खुद ही बांध ली। नबी ने भी बाबर से लेस बांधने के लिए जोर नहीं दिया और उनकी पीठ थपथपा कर बॉलिंग करने चले गए।

रिव्यू लेने के बाद आउट हुए अब्दुल्लाह शफीक – पाकिस्तान के ओपनर अब्दुल्लाह शफीक अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छी बैटिंग कर रहे थे, लेकिन अफगानी टीम के डीआरएस लेने के बाद उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। 23वें ओवर की तीसरी बॉल नूर अहमद ने फलुर लेंथ लेग स्टंप पर फेंकी। शफीक ने स्वीप किया, लेकिन बॉल सीधे उनके पैड्स पर लगी। अफगानिस्तान ने अपील की, लेकिन अंपायर ने उन्हें नॉटआउट करार दे दिया।

अफगानिस्तान ने रिव्यू लिया, रीप्ले में दिखा कि बॉल सीधे स्टंप्स से लग रही थी। उनका डीआरएस सफल रहा और शफीक को 58 रन बनाकर पवेलियन लौटना पड़ा।

डीआरएस के कारण बचे जादरान – अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान डीआरएस लेने के कारण आउट होने से बच गए। छठे ओवर की पांचवीं बॉल हसन अली ने बाउंसर फेंकी। जादरान ने पुल शॉट खेला लेकिन गेंद मिस कर गए और बॉल विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों में चली गई। रिजवान ने कॉट बिहाइंड की अपील की और अंपायर ने आउट दे दिया।

अंपायर डिसिजन आते ही जादरान ने तुरंत डीआरएस ले लिया। रिप्ले में दिखा कि बॉल और बैट का संपर्क हुआ ही नहीं है। रिव्यू सफल रहा और जादरान 26 रन के स्कोर पर आउट होने से बच गए। उन्होंने 87 रन की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

पाकिस्तान ने मिसफील्ड से 5 आसान चौके गंवाए – दूसरी पारी में पाकिस्तान की फील्डिंग बेहद खराब रही। टीम के फील्डर्स ने शुरुआती ओवर्स से लेकर आखिर के ओवर्स तक खराब फील्डिंग की। इसका फायदा अफगानिस्तान को मिला और टीम को 5 चौके बेहद आसानी से मिल गए। आखिरी ओवरों में तो पाकिस्तानी फील्डर्स एक रन को भी ओवरथ्रो के चक्कर में 2 रन कर दे रहे थे। टीम ने इसका खामियाजा भुगता और अफगानिस्तान के खिलाफ पहली बार वनडे में हार झेली।

रहमत को पैर में खिंचाव महसूस हुआ, रिजवान ने मदद की – अफगानिस्तान के रहमत शाह को बैटिंग करने के दौरान पैर में खिंचाव महसूस हुआ। वह कई बार गेंद खेलने के बाद दर्द से कराहते नजर आए। एक बार तो दर्द इतना तेज रहा कि वह मैदान पर लेट गए, इस दौरान पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ने उनकी मदद की। रिजवान ने रहमत के पैर पकड़े और उन्हें हवा में लटकाए रखा। कुछ देर बाद टीम का फिजियो आया, उन्होंने रहमत को चेक किया और रहमत ने फिर बैटिंग शुरू की। रहमत ने 77 रन की नॉटआउट पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई।

हड्डियां व दांत बनाए मजबूत

दूध में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक होता है। सिर्फ बढ़ते बच्चों के लिए ही कैल्शियम जरूरी नहीं होता, बल्कि वयस्कों को भी अपनी हड्डियां मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। इससे वे ऑस्टियोपोरोसिस से बचे रहते हैं। दूध दांतों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह दांतों की सड़न और कैविटी से बचाए रखने में मदद करता है।

डेस्क जॉब करने वाले जरुर करें ये काम

डेस्क जॉब करने वालों को कई सारी बीमारियां एक साथ लगती हैं। अगर आप घंटो अपनी कुर्सी से चिपके रहेंगे तो आपको दिल की बीमारी, मोटापा, पीठ दर्द, स्लिप डिस्क या अन्य बीमारी होने का खतरा हो सकता है। अगर आप अपने दिन का 8-9 घंटा ऑफिस में ही काटते हैं तो आप ऑफिस में ही कुछ कुछ देर पर उठ कर टहल लें या सीट पर बैठ कर ही स्ट्रेचिंग कर लें तो भी आपको काफी लाभ मिलेगा।

रोज खाना चाहिए केला?

जब आपको टाइप-2 डायबिटीज होता है तो आपका शरीर उचित मात्रा में इन्सुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता जिसके कारण रक्त में से ग्लूकोज खींच लिया जाता है ताकि कोशिकाओं में उसे एकत्रित करके रखा जा सके। इसके परिणामस्वरूप आपके शरीर में शुगर (शर्करा) का स्तर बढ़ता या घटता रहता है। इसका अर्थ यह है कि आपके शरीर में शुगर के स्तर को नियमित करने में आहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक ग्लाइसिमिक युक्त आहार लेने से शुगर का स्तर एकदम बढ़ जाता है तथा शुगर के तुरंत बर्न होने के बाद अचानक कम हो जाता है।

केले में क्या होता है?

केला फाइबर का समृद्ध स्त्रोत होने के अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन बी6 और पौटेशियम भी मौजूद रहता है जिसके कारण इसे आहार में शामिल करना अच्छा माना जाता है। जहां बी6 आपके मूड को अच्छा रखता है वहीं विटामिन सी आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाता है, पौटेशियम आपके ब्लडप्रेशर को नियमित रखता है तथा फाइबर के कारण आपको पेट काफी समय तक भरा हुआ महसूस होता है। एक अध्ययन से यह भी पता चला है कि केले में उपस्थित स्टार्च (24 ग्राम प्रतिदिन) इन्सुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ने में सहायक होता है तथा टाइप-2 डायबिटीज में वजन कम करने में सहायक होता है। डायबिटीज के रोगियों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि केले में कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं तथा आपके आहार में इसे शामिल करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं केले

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ने डायबिटिक लोगों को (डायबिटीज के मरीजों को) केला खाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उनके अनुसार केला एक स्वस्थ आहार है जिसका सेवन करना पूर्णतया उचित है। वास्तव में एक अध्ययन से पता चला है कि यदि आप टाइप-2 के डायबिटीज को दूर करना चाहते हैं तो केला सबसे उत्तम फल है।

कच्चे केले या पके हुए केले

जैसे जैसे केला पकता है उसमें उपस्थित स्टार्च, शुगर (शर्करा) में बदलने लगता है। जब आप पूर्ण रूप से पका हुआ केला खाते हैं तो आप ऐसे फल का सेवन करते हैं जिसमें लगभग 90 प्रतिशत स्टार्च होता है। यही कारण है कि शोधकर्ता कहते हैं कि कच्चा केला कम ग्लायसिमिक प्रतिक्रिया देता है। अतः पके हुए केले की तुलना में कच्चा केला अधिक श्रेष्ठ है।

प्रतिदिन कितने केले खाएं?

आप प्रतिदिन एक केले का सेवन कर सकते हैं। आपको अपने आहार की मात्रा पर ध्यान देना आवश्यक है। जब केले की बात आती है तो अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन आपको यह बताना चाहता है कि कितनी मात्रा का सेवन किया जा सकता है। उनके अनुमानों के अनुसार केले के आकार के अनुसार उसके कार्बोहाइड्रेट घटक में परिवर्तन होता है। उदाहरण के लिए एक बहुत छोटे केले (लगभग 6 इंच या उससे कम) में केवल 18.5 ग्राम कार्ब्स होता है। दूसरी ओर मध्यम आकार के (लगभग 7 से 7 7/8 इंच) केले में 27 ग्राम कार्ब्स होता है। 9 इंच या उससे अधिक ब? केले में 35 ग्राम से अधिक कार्ब्स होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की ग्लूकोज के प्रति प्रतिक्रियाएं अलग अलग हो सकती हैं, अतः आपके शरीर के लिए क्या सही है यह जानने के लिए आपको अपने विवेक का उपयोग करना होगा। अपने आहार की मात्रा में फल सब्जियों और केले के बीच संतुलन बनाएं। क्योंकि आहार के मामले में संयम रखना बहुत आवश्यक है और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाना बहुत अच्छी बात है। तो यदि आप अपने आहार में सेब, अंगूर, ब्लूबेरीज को शामिल कर सकते हैं तो आप अपने शरीर में शुगर के स्तर को आसानी से संतुलित रख सकते हैं।

इसके अलावा शरीर में शुगर के स्तर एक जैसा रखने के लिए फल तथा कार्ब्स का सेवन दिन में थोड़े-थोड़े अंतराल पर करें। सही तरीके से अपनी योजना बनाएं तथा दिन में एक केले के सेवन का आनंद उठायें। इस प्रकार डायबिटीज के रोगी केला खाने से होने वाली समस्याओं से बच सकते हैं।

जिम के बाद पावरफुल बनाएंगी ये सुपर ड्रिंक्स

घर पर बने पेय पदार्थ, हेल्दी और सस्ते होते हैं जबकि मार्केट में पैकेट में बिकने वाले पेय पदार्थ में प्रीजर्वेटिव मिला होता है और इनमें सुगर की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर इनका सेवन जिम के तुरंत बाद किया जाए तो लाभ की बजाय नुकसान ही करेंगे और आपके द्वारा जितनी कैलोरी वहां कम की गई है उतनी कैलोरी आप आते ही ग्रहण कर लेंगे।

साथ ही इनमें सिंथेटिक एडीटिव्स, कलर्स और असामान्य फ्लेवर पड़े हुए होते हैं जो नुकसान करते हैं। इसलिए, अपने दिन की शुरूआत नीचे बताए जाने वाले पेय पदार्थों का सेवन करके करें।

इन पेय पदार्थों को सुबह ट्राई करें और जिम से आने के बाद खासतौर पर पिएं। इसस आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और फैट भी नहीं बढ़ेगा। फलों के रस से बनने वाले ये पेय पदार्थ आपको तंदुरूस्त बनाने में मददगार साबित होंगे। आइए जानते हैं इन चार सुपर ड्रिंक्स के बारे में

चॉकलेट ड्रिंक

चॉकलेट में प्राकृतिक रूप से कैफीन पड़ा हुआ होता है, इसीलिए इससे आने वाली महक आपको इसे पीने के लिए मजबूर कर देती है। इस ड्रिंक में सुगर मिलाने की जरूरत नहीं होती है इसमें फलों की सुगर ही बनी रहती है। इसकी ठंडक भरी महक आपको तरोताजा कर देगी।

व्हीटग्रास और बनाना ड्रिंक

व्हीटग्रास को कई सालों से स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक माना जाता है क्योंकि इससे शरीर को बहुत ऊर्जा मिलती है। अगर इसे पके हुए केले के साथ फेंट लें और तब पिएं तो यह ज्यादा लाभ देगा। गुणों से भरा गेहूं के जवारे का पाउडर

गाजर और संतरे का ड्रिंक

अगर आप अपनी सुबह ऊर्जावान बनाना चाहते हैं तो गाजर और संतरे का जूस निकाल कर पिएं। इस पेय पदार्थ में विटामिन सी, ई की भरमार होगी। इससे आपको पूरे दिन शक्ति महसूस होगी। साथ ही आपको थकान भी नहीं होगी।

मेपल सिरप पिएं

मेपल सिरप पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और आपके शरीर में सुगर की मात्रा भी नहीं बढ़ती है। इस पेय पदार्थ में सोडियम भी होता है

और अगर आपका रक्तचाप ज्यादा रहता है तो इसे न पिएं।

ये पेय पदार्थ न सिर्फ आपके शरीर को ताकत देते हैं बल्कि डिटॉक्सीफिकेशन की प्रक्रिया में भी सहायक होते हैं। अगर आपको इन ड्रिंक्स का स्वाद थोड़ा कम अच्छा लगे तो इसमें अदरक को भी मिलाया जा सकता है। इन्हें पीकर आप सारा एनर्जीफुल फील कर सकते हैं और अच्छे से काम कर सकते हैं। बस इन ड्रिंक्स को एक कप पीने मात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार हो जाता है।

त्वचा पर स्ट्रॉबेरी और दही लगाने के फायदे

स्ट्रॉबेरी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक फल है तथा दही एक प्राकृतिक घटक है जो स्वास्थ्य पर आश्चर्यजनक परिणाम दर्शाता है। क्या आप जानते हैं कि स्ट्रॉबेरी तथा दही दोनों में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आपकी त्वचा की रंगत को प्राकृतिक तरीके से निखारते हैं? जब इन दोनों घटकों को आपस में मिलाया जाता है तो त्वचा को मिलने वाले फायदे भी दोगुने हो जाते हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि कुछ ताजा कटी हुई स्ट्रॉबेरीज लें तथा इन्हें ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बनाएं। अब स्ट्रॉबेरी के इस पेस्ट में 2 टेबलस्पून दही मिलाएं। दोनों को अच्छे से मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। स्ट्रॉबेरी और दही के इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। इसे 20 मिनिट लगा रहने दें तथा बाद में फेस वॉश से चेहरा धो डालें। स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण से बने फेस पैक से होने वाले अन्य लाभों के बारे में जानें।

एंटी ऐजिंग प्रभाव: स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण मे विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा की कोशिकाओं को पोषण प्रदान करता है तथा कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाता है जिससे झुर्रियां तथा फाइन लाइंस दूर होती है।

मधुमेह में फायदेमंद है अमरूद का सेवन

मधुमेह ऐसी बीमारी है जो एक बार होने पर जीवनभर साथ निभाती है। मधुमेह पर नियंत्रण के लिए खानपान पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मधुमेह रोगियों को ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे उनका ब्लड ग्लूकोज का स्तर न बढ़े।

मधुमेह रोगियों को अमरूद खाने की सलाह दी जाती है। अमरूद में प्रोटीन 10.5 प्रतिशत, वसा 0.2 कैल्शियम 1.01 प्रतिशत बी 0.2 प्रतिशत पाया जाता है। ये फल मीठा होते हुए भी मधुमेह को नियंत्रित रखता है। मधुमेह के रोगियों को इस फल का सेवन करना चाहिए। इसके बारे में हम आपको विस्तार से बता रहे हैं।

कैसे करें अमरूद का सेवन

हर सीजन में मिलने वाला अमरूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। खासकर मधुमेह के रोगियों के लिए यह वरदान की तरह है। इसको कई तरह से खाया जा सकता है। डायबिटीज के रोगी के लिए एक पके हुए अमरूद को आग में डालकर उसे भूनकर निकाल लें और भुने हुई अमरुद को छीलकर साफ करके उसे अच्छे से मैश करके उसका भरता बना लें, उसमें स्वादानुसार नमक, कालीमिर्च, जीरा मिलाकर खाएं, इससे डायबिटीज में काफी लाभ होता है।

ताजे अमरूद के 100 ग्राम बीजरहित टुकड़े लेकर उसे ठंडे पानी में 4 घंटे भीगने दीजिए। इसके बाद अमरूद के टुकड़े निकालकर फेंक दें। इस पानी को मधुमेह के रोगी को पिलाने से लाभ होता है।अमरूद तो फायदेमंद होता ही हैं लेकिन इसका जूस भी गुणकारी होता हैं। घर पर बनाए गए जूस में स्वाद और गुण दोनों ही बरकरार रहते हैं । जूस में मिनरल्स और न्यूट्रीएंट्स की मात्रा अधिक होती हैं ।

अमरूद पोषक तत्वों की खान है, लेकिन एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में दो अमरूद से ज्यादा खाने से बचना चाहिए। पचने में दिक्कत होने के कारण अगर हो सके तो इसके बीज निकाल कर खाएं। इससे पेट दर्द की आशंका नहीं रहती।

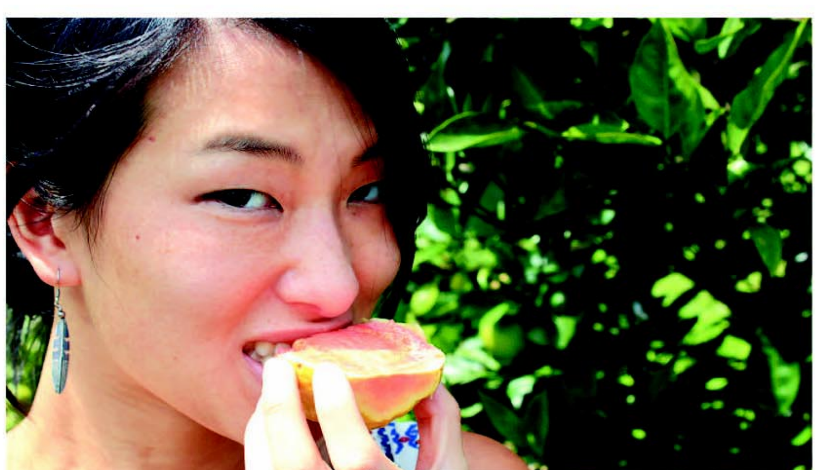

मधुमेह को नियंत्रित करता है अमरूद

अमरूद में विटामिन ए और विटामिन सी के अलावा फाइबर भी होता है। अमरूद पत्ती से बनी चाय में एल्फा-ग्लूकोसाइडिस एंजाइम गतिविधि को कम कर मधुमेह रोगियों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है। इसके अलावा यह सुक्रोज और माल्टोज को सोखने से शरीर को रोकती है जिससे शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है। अमरूद की पत्ती से बनी चाय 12 सप्ताह पीने से इंसुलिन के उत्पादन में वृद्धि के बिना रक्त में शर्करा के स्तर को कम कर सकते हैं। फाइबर से धनी अमरूद शरीर में मीठे की खपत को धीमा करता है। नियमित सेवन टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद करता है। अमरूद का प्रभाव अग्नाशय पर भी अच्छा असर डालता है जिस कारण मधुमेह के रोगियों के लिए पके अमरूद का नियमित सेवन बहुत ही लाभदायक सिद्ध होता है।

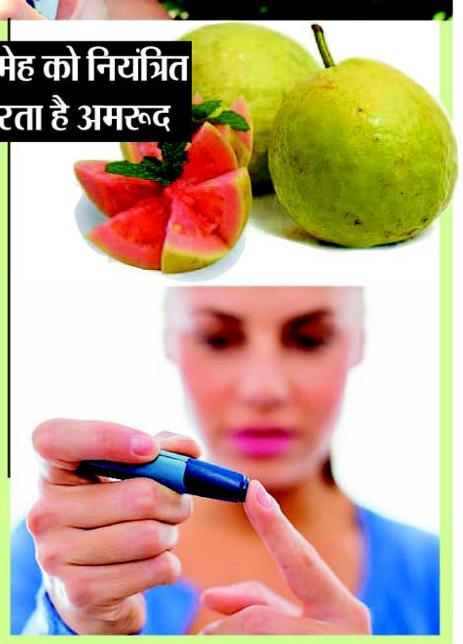

चॉकलेट देती है तनाव और थकान से तुरंत राहत

जो लोग मुंह मीठा करने के लिए चॉकलेट खाते हैं, उन्हें यह जान कर हैरत होगी कि चॉकलेट का प्रारंभिक नाम बिटर वॉटर यानी कड़वा पानी रखा गया था। दक्षिण अमेरिका में थियोब्रोमा कोकोआ पेड़ से चॉकलेट उत्पादन किया जाता था। चॉकलेट का प्रारंभिक उल्लेख 1100 बीसी में देखने को मिलता है।

उस वक्त चॉकलेट एजटेक्ट बेवरेज को शाही बनाने के लिए चॉकलेट का इस्तेमाल प्रमुख रूप से किया जाता है। कोकोआ पेड़ का बीज मूलतः कड़वा होता है, जिसमें खमीर उठाया जाता है, सुखाया जाता है और फिर उसे भूना जाता है। कोकोआ पाने के लिए उसकी परत को हटाया जाता है। इस प्रक्रिया तक चॉकलेट कच्चे माल के रूप में होती है।

जिसे आज हम चॉकलेट कहते हैं, वह मीठी होती है, जिसमें कोकोआ सॉलिड, बटर और अन्य वसा व चीनी मिलाई जाती है। चॉकलेट का इस्तेमाल कई तरह के पेय पदार्थ बनाने में भी किया जाता है। खासतौर पर बेवरेजेस में, जिसमें मेक्सिको शराब भी शामिल है। फल व मेवा के साथ मिलाकर चॉकलेट को सीधे ही खाया भी जाता है। केक और डेजर्ट में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। जहां चॉकलेट की शुरुआत हुई, उस सेंटर अमेरिका में चॉकलेट का इस्तेमाल चिकन और मीट में भी किया जाता है।

रेसिपी

ब्लॅक बीन डिप

सामग्री

1/2 कप ब्लॅक बीन्स , रातभर भिगोए और छाने हुए, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून नींबू का रस, 1 टेबल-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, 1 टी-स्पून सूखे मिले-जुले हर्बस, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए**: नाचो चिप्स

विधि

ब्लॅक बीन्स, नमक और 21/2 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 5 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। अच्छी तरह छानकर, ब्लॅक बीन्स् को एक गहरे बाउल मे निकाल लें। बची हुई सभी सामग्री डालकर, आलू मैशर का प्रयोग कर दरदरे मिश्रण में मसल लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज मे रखकर, चिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

चीज़ी नूडल कटलेट

सामग्री

1/2 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, 1 कप उबले हुए नूडल्स, 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए मीठी मकई के दानें, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज का सफेद भाग, 1/4 कप बारीक कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **रोल करने के लिए**: ब्रेड क्रम्बस, **तलने के लिए**: तेल, **परोसने के लिए**: टमेटो कैचप

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के 75 मिमी (3) आकार के चपटे, गोल कटलेट बना लें। प्रत्येक कटलेट को ब्रेड क्रम्बस् में अच्छी तरह से सभी तरफ से लपेट लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कटलेट डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**